आज का विचार

सुनी हुई बात पर भरोसा सोचकर करना चाहिए, क्योंकि कोई भी व्यक्ति आपको कहानी का वह भाग नहीं सुनाएगा, जहां वह स्वयं गलत था।

दैनिक
# सिटी दर्पण
आईना सच का

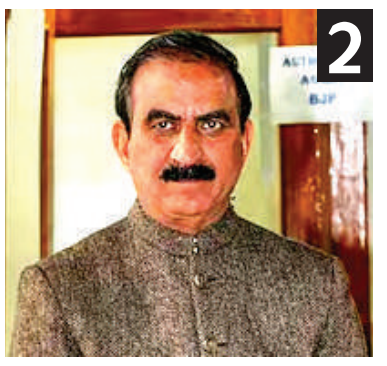



2

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ | शुक्रवार, 30 मई, 2025 | वर्ष 23, अंक 133, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 | RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 | www.citydarpan.com

# किसान हितैषी लैंड पूलिंग नीति का उद्देश्य राज्य के विकास को बढ़ावा देना है: भगवंत मान

## नई लैंड पूलिंग नीति किसानों के लिए स्थायी आय का साधन बनेगी, किसानों के लिए इस प्रगतिशील योजना के लाभ गिनाए

संवाददाता
बठिंडा

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज कहा कि नई लैंड पूलिंग योजना का उद्देश्य किसानों के लिए स्थायी आय का स्रोत प्रदान करना है क्योंकि कृषि अब लाभकारी व्यवसाय नहीं रही। यहां किसानों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस लैंड पूलिंग योजना का उद्देश्य किसानों के लिए आय का स्थायी स्रोत पैदा करके उन्हें राज्य के विकास और प्रगति में सक्रिय भागीदार बनाना है। उन्होंने कहा कि राज्य में किसी भी किसान की जमीन जबरदस्ती अधिग्रहित नहीं की जाएगी और केवल सहमति देने वाले किसान ही इस नीति के तहत अपनी जमीन देंगे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस नीति के अनुसार किसानों को मुआवजे के अलावा इस योजना में वाणिज्यिक और आवासीय प्लॉट भी मिलेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस लैंड पूलिंग योजना में बनाई जाने वाली नियोजित कॉलोनियों में वाणिज्यिक संपत्ति किसानों के लिए स्थायी आय का साधन होगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की नई लैंड पूलिंग नीति का उद्देश्य राज्य के समग्र विकास को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि यह योजना राज्य के समग्र विकास को बड़ा बढ़ावा देकर प्रत्येक आम आदमी को लाभ पहुंचाएगी। भगवंत सिंह मान ने सभी को आश्वासन दिया कि किसी की भी जमीन जबरदस्ती नहीं छीनी जाएगी और अधिग्रहित जमीन पर सारा विकास कानूनी और पारदर्शी ढंग से होगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि पंजाब में देश भर में सबसे अधिक अवैध कॉलोनियां हैं, जिसके लिए पिछली सरकारें जिम्मेदार हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इन कॉलोनियों में कोई भी बुनियादी नागरिक सुविधाएं नहीं हैं, जिस कारण लोगों को दुख-तकलीफें झेलनी पड़ती हैं। उन्होंने कहा कि अवैध कॉलोनियों के बेतरतीब विस्तार को रोकने के लिए लैंड पूलिंग योजना पेश की गई है, जिसमें जमीन मालिक का पूरा अधिकार होगा कि वह इसे अपनाए या न अपनाए। उन्होंने कहा कि लोगों की सहमति से सरकार द्वारा प्राप्त की गई जमीन का उपयोग अर्बन एस्टेटों के निर्माण के लिए किया जाएगा, जिससे नियोजित विकास को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले राज्य के नेता पंजाब के हितों को खतरे में डालते थे, आज राज्य सरकार राज्य के समग्र विकास और खुशहाली पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले के नेता लोगों से मिलने से डरते थे, जबकि आज राज्य सरकार लोगों से बातचीत कर रही है और उनसे फीडबैक ले रही है। भगवंत सिंह मान राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास में सक्रिय भागीदार बनाकर राज्य और इसके लोगों के हितों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत गर्व और संतोष की बात है कि राज्य के युवाओं को 54000 से अधिक नौकरियां प्रदान की गई हैं। उन्होंने कहा कि सभी नौकरियां बिना किसी भ्रष्टाचार या भाई-भतीजावाद के पूरी तरह योग्यता के आधार पर दी गई हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह युवाओं को पंजाब के सामाजिक-आर्थिक विकास में सक्रिय भागीदार बना रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने जमीन की रजिस्ट्री आसान बनाने के लिए 'इजी रजिस्ट्रेशन' नाम का एक अहम प्रोजेक्ट शुरू किया है, जो मोहाली से शुरू किया गया है और पहली अगस्त से इसे राज्य भर में लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह सरकारी कार्यालयों के कामकाज को और सुचारू बनाने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का हिस्सा है और साथ ही कहा कि लोगों को अब जिले के अंदर किसी भी सब रजिस्ट्रार कार्यालय में जाकर अपनी संपत्ति की रजिस्ट्री बिना किसी परेशानी के करवाने की छूट होगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि भ्रष्टाचार के प्रति सरकार की जीरो-टॉलरेंस नीति के हिस्से के तौर पर यह पहल तहसील कार्यालयों में भ्रष्टाचार को खत्म करने में मुख्य भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पिछली सरकारों ने नहर के पानी के महत्व को कैसे नजरअंदाज किया था। उन्होंने कहा कि ट्यूबवेल पर ज्यादा निर्भरता के परिणामस्वरूप भूजल स्तर चिंताजनक हद तक घट गया है, जो राज्य के लिए बहुत घातक साबित हुआ है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पारंपरिक नहरों को पुनर्जीवित करने के लिए राज्य भर में 700 किलोमीटर पाइपलाइन पहले ही बिछाई जा चुकी है ताकि सूखे इलाकों और अंतिम छोर पर पड़ने वाले गांवों तक नहर का पानी पहुंचाया जा सके।

# 55 सालों तक सत्ता सुख भोगने वाली कांग्रेस किसानों की हालत की जिम्मेदार: नायब सैनी

## प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार किसानों को किया सशक्त और मजबूत

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 55 सालों तक सत्ता सुख भोगने वाली कांग्रेस सरकार किसानों की हालत की जिम्मेदार रही है, जबकि वर्ष 2014 में देश के प्रधान सेवक के रूप में देश की बागडोर संभालने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार किसानों को न केवल सशक्त और मजबूत किया है, बल्कि उन्हें विकसित भारत का महत्वपूर्ण स्तंभ मानते हुए आत्मनिर्भर बनाने का काम किया है।




उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने गत दिवस फसलों पर एमएसपी बढ़ाने की घोषणा की है, इसके लिए वे उनका आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं ने चुनाव के समय किसानों को गुमराह करने के लिए कहा कि यदि नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो एमएसपी को खत्म कर देंगे। जबकि सच्चाई यह है कि प्रधानमंत्री वर्ष 2014 से किसानों के हित में लगातार फसलों पर एमएसपी को बढ़ा रहे हैं। विपक्ष को किसान हित के बारे में सवाल उठाने से पहले अपने गिरेबान में झांकना चाहिए, फिर दूसरों पर उंगली उठानी चाहिए। विपक्ष को इस प्रकार के बयान नहीं देने चाहिए, क्योंकि इससे किसानों का नुकसान होता है।

मुख्यमंत्री जिला कुरुक्षेत्र के कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित विकसित कृषि संकल्प अभियान के शुभारंभ अवसर पर प्रदेशभर से आए किसानों को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा भी उपस्थित रहे। कांग्रेस शासनकाल में फसलों के एमएसपी के लिए कुल 7 लाख 41 हजार करोड़ रुपये दिए गए, जबकि मोदी सरकार ने 10 सालों में 23 लाख 61 हजार करोड़ रुपये दिए

नायब सिंह सैनी ने आंकड़े प्रस्तुत करते हुए कहा कि कांग्रेस शासनकाल में फसलों के एमएसपी के लिए कुल 7 लाख 41 हजार करोड़ रुपये दिए गए, जबकि मोदी सरकर ने 10 सालों में 23 लाख 61 हजार करोड़ रुपये दिए। कांग्रेस ने वर्ष 2014 तक गेहूं पर 2 लाख 56 हजार करोड़ रुपये एमएसपी के रूप में दिए, जबकि मोदी सरकार ने वर्ष 2014 से अब तक गेहूं पर 5 लाख 65 हजार करोड़ रुपये एमएसपी दिया। इसी प्रकार, दालों पर कांग्रेस ने 1900 करोड़ रुपये दिए, जबकि वर्तमान सरकार ने 98 हजार करोड़ रुपये दिए।

उन्होंने कहा कि ऑयल सीड्स पर कांग्रेस ने 9 हजार करोड़ रुपये की एमएसपी दी, जबकि मोदी सरकार ने 65 हजार करोड़ रुपये किसानों के खातों में पहुंचाने का काम किया। वहीं, कपास, खोपरा, जूट इत्यादि फसलों पर कांग्रेस ने 26 हजार करोड़ रुपये एमएसपी के रूप मे दिए, जबकि वर्तमान सरकार ने 1 लाख 33 हजार करोड़ रुपये देने का काम किया। उन्होंने कहा कि आंकड़ों से स्पष्ट है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार किसानों को सशक्त और मजबूत करने के साथ-साथ लगातार किसानों की आय में बढ़ोतरी करने का काम कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार भी लगातार किसानों के उत्थान के लिए काम कर रही है। हरियाणा देश का पहला राज्य है, जिसने किसानों की सभी फसलों को एमएसपी पर खरीदने का निर्णय किया है। उन्होंने कहा कि किसानों को मार्केट के जोखिम से बचाने के लिए भावांतर भरपाई योजना चलाई और इस योजना के तहत प्रदेश के किसानों को लगभग 111 करोड़ रुपये भावांतर के रूप में देने का काम किया। 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' योजना के तहत हरियाणा के लगभग 20 लाख किसानों के खातों में 6 हजार 563 करोड़ रुपये की राशि डाली गई है। किसानों को सीधे लाभ पहुंचाने के लिए ई-खरीद पोर्टल के माध्यम से पिछले 10 सीजन में 12 लाख किसानों के खातों में एम.एस.पी. पर फसल खरीद के 1 लाख 48 हजार करोड़ रुपये डाले हैं।

### कांग्रेस काल में किसानों को मुआवजे के नाम पर मिलते थे 2-2 रुपये और 5-5 रुपये के चैक

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में 2014 से पहले का समय सभी ने देखा है, जब प्राकृतिक आपदा से होने वाले फसली नुकसान के लिए मुआवजे के तौर पर किसानों को 2-2 रुपये और 5-5 रुपये के चैक मिलते थे, जबकि वर्तमान सरकार ने किसानों को फसलों के नुकसान पर कहीं ज्यादा मुआवजा दिया है। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस के बड़े नेता कुछ बोलते नहीं है, लेकिन ट्वीट जरूर करते हैं। वे समझें कि कांग्रेस ने 10 साल के शासन में प्रदेश के किसानों को केवल 1155 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया, जबकि हमारी सरकार ने पिछले 10 सालों में 15,145 करोड़ रुपये मुआवजे के तौर पर दिए हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में खेतों में हुई आगजनी के कारण प्रभावित किसानों को भी हमारी सरकार ने फसली नुकसान की भरपाई के रूप में 30 हजार रुपये प्रति एकड़ की दर से मुआवजा दिया है। हमारी सरकार का हर कदम किसान को मजबूत करने का है।

# ममता केंद्र सरकार की योजनाओं को राज्य में लागू नहीं होने दे रही: मोदी

## पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री ने ममता सरकार को घेरा

एजेंसी (हि.स.)
अलीपुरद्वार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को बंगाल की धरती से सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता अब राज्य सरकार के सिस्टम पर भरोसा नहीं कर पा रही है और उसे न्याय की उम्मीद सिर्फ कोर्ट से है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य हिंसा, अराजकता, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के चक्रव्यूह में फंसा हुआ है। ऐसे में राज्य की जनता कह रही है कि बंगाल में मची चीख-पुकार, नहीं चाहिए निर्मम सरकार।

पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने एक बार फिर पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा, आज जब सिंदूर खेला की इस धरती पर आया हूं तो आतंकवाद को लेकर भारत के नए संकल्प की चर्चा स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि भारत अब पहले जैसा नहीं रहा। हमारी सेना ने आतंकियों को सिंदूर की शक्ति का अहसास करा दिया है। पाकिस्तान को समझ लेना चाहिए कि अब भारत घर में घुसकर मारता है। उन्होंने पाकिस्तान पर आरोप लगाया कि उसकी सेना की विशेषज्ञता केवल आतंक और नरसंहार में है। उन्होंने 1971 में बांग्लादेश में पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए अत्याचारों का भी उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री ने मुर्शिदाबाद और मालदा में हुई हिंसक घटनाओं के लिए तृणमूल सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि ये घटनायें तृणमूल सरकार की निर्ममता का खुला प्रमाण हैं। राज्य में माताएं-बहनें असुरक्षित हैं, युवाओं में घोर निराशा है और गरीबों का हक सत्ता की स्वार्थी राजनीति की भेंट चढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल को देश की प्रगति में महत्त्वपूर्ण भागीदार बताते हुए कहा कि भारत जब विकसित राष्ट्र बनने की ओर बढ़ रहा है, तब बंगाल की भागीदारी अनिवार्य है। उन्होंने बंगाल को मेक इन इंडिया और ज्ञान-विज्ञान का केंद्र बनाने का आान किया।

मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार पूर्वोदय की नीति पर चलते हुए पूर्वी भारत के विकास के लिए हजारों करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। कालीयानी एम्स, न्यू अलीपुरद्वार रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) जैसी परियोजनाएं इसी का उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास के मंत्र पर चलते हुए भाजपा सरकार बंगाल को एक समृद्ध राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

### आयुष्मान योजना से बंगाल के लोग वंचित

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार केंद्र की योजनाओं को बंगाल में लागू नहीं होने दे रही है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना से जहां देशभर के बुजुर्गों को 5 लाख रुपये तक की मुफ्त चिकित्सा मिल रही है, वहीं बंगाल के बुजुर्ग इस सुविधा से वंचित हैं। जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार बढ़ाने के लिए शुरू की गई पीएम जनमन योजना को भी तृणमूल सरकार ने राज्य में लागू नहीं किया। उन्होंने कहा कि तृणमूल सरकार आदिवासी समुदायों के साथ भी सौतेला व्यवहार कर रही है। भाजपा सरकार आदिवासी सम्मान और विकास के लिए प्रतिबद्ध है लेकिन तृणमूल बार-बार उनकी उपेक्षा कर रही है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक कारीगरों के लिए बनाई गई योजनाओं के तहत पूरे देश में लाखों लोगों को ट्रेनिंग, आधुनिक औजार और बिना गारंटी के लोन मिल रहे हैं लेकिन बंगाल में 8 लाख आवेदन लटके हुए हैं। प्रधानमंत्री ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठाए।

# 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पहली बार दो दिवसीय दौरे पर आज जम्मू आएंगे शाह

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पहली बार आज जम्मू पहुंच रहे हैं। शाम करीब पांच बजे शाह जम्मू एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे। वह शाम को ही सुरक्षा एजेंसियों के साथ सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा बैठक करेंगे। रात में राजभवन में रुकेंगे और शुक्रवार को पुंछ जाएंगे। शाम होने वाली उच्च स्तरीय बैठक में गृहमंत्री अमित शाह के साथ उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्य सचिव, डीजीपी जम्मू-कश्मीर, सेना, सीआरपीएफ, बीएसएफ सहित खुफिया एजेंसियों के अधिकारी मौजूद रहेंगे।

बैठक में ऑपरेशन सिंदूर के बाद मौजूदा हालात, अमरनाथ यात्रा के सुरक्षा इंतजामों पर विस्तृत चर्चा होगी। गृहमंत्री जम्मू संभाग के सीमावर्ती इलाकों में पाकिस्तान के हमलों से हुए नुकसान पर भी चर्चा करेंगे। इन इलाकों में बंकर निर्माण की मौजूदा स्थिति और नए बंकर बनाने की योजना पर भी चर्चा हो सकती है। शुक्रवार को गृहमंत्री हेलीकॉप्टर से पुंछ जाएंगे। यहां पाकिस्तान की गोलाबारी से प्रभावित लोगों से मुलाकात करेंगे। गृहमंत्री उस गुरुद्वारे में भी जा सकते हैं जिसे पाकिस्तान ने निशाना बनाया था। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर आ रहे हैं। शाह ने 22 अप्रैल की शाम को पहलगाम के बायसरन में हुए आतंकी हमले के तुरंत बाद कश्मीर का दौरा किया था। अगले दिन वह बायसरन भी गए थे। सात से 10 मई तक चले ऑपरेशन सिंदूर के बाद गृहमंत्री का केंद्र शासित प्रदेश का यह पहला दौरा है। गुरुवार की शाम को वह राजभवन में बैठक करेंगे। बैठक में फोकस पहलगाम हमले व ऑपरेशन सिंदूर के बाद आंतरिक सुरक्षा पर होगा। खासकर जम्मू की सुरक्षा स्थिति प्रमुख मुद्दा होगी। बैठक में तीन जुलाई से नौ अगस्त तक होने वाली अमरनाथ यात्रा की तैयारियों पर भी चर्चा होगी।

डोडा, किश्तवाड़, कठुआ, उधमपुर, राजोरी और पुंछ जिलों के ऊपरी इलाकों में आतंकवादियों की मौजूदगी है। यह सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती है। ऐसे में गृहमंत्री अमित शाह का दौरा अहम माना जा रहा है।

# पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर एक न एक दिन भारत का हिस्सा होगा : राजनाथ

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक बार फिर देश को भरोसा दिलाया है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर एक न एक दिन भारत का हिस्सा होगा। पीओके का भारत में एकीकरण इस देश की सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक समृद्धि पर निर्भर करता है। पीओके में रहने वाले अधिकतर लोग भारत से गहरा जुड़ाव महसूस करते हैं। कुछ ही लोग हैं, जिन्हें गुमराह किया गया है। पीओके में रहने वाले हमारे भाइयों की स्थिति वीर योद्धा महाराणा प्रताप के छोटे भाई शक्ति सिंह जैसी है। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा दिलों को जोड़ने की बात करता है और हमारा मानना है कि प्रेम, एकता और सच्चाई के मार्ग पर चलते हुए वो दिन दूर नहीं जब हमारा अपना हिस्सा पीओके वापस आएगा। रक्षा मंत्री गुरुवार को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन-2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आतंकवाद का कारोबार चलाना प्रभावी लागत नहीं है, बल्कि उसकी एक भारी कीमत अदा करनी पड़ सकती है, इसका अंदाजा आज पाकिस्तान को हो चुका है। ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान आतंकवादियों के खिलाफ भारत की रणनीति और प्रतिक्रिया दोनों को नया स्वरूप और पुनर्परिभाषित किया गया है। हमें पाकिस्तान के साथ अपनी सहभागिता और बातचीत के दायरे को फिर से जांचना है। उसके साथ अब जब भी बात होगी तो सिर्फ पीओके पर होगी।

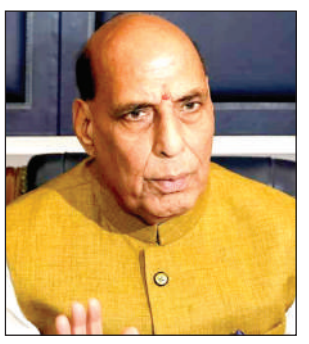



ऑपरेशन सिंदूर में पूरे देश की जनता ने 'मेक इन इंडिया' अभियान की सफलता को देखा-समझा और महसूस किया है। आज यह साबित हो चुका है कि मेक इन इंडिया भारत की सुरक्षा और समृद्धि दोनों के लिए जरूरी है। आपने देखा कि किस तरह हमने पहले आतंकी ठिकानों और उसके बाद दुश्मन के सैन्य अड्डों, एयरबेस को तबाह किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान करने को हम और भी बहुत कुछ कर सकते थे, परंतु शक्ति और संयम के साथ हमने दुनिया के सामने शानदार उदाहरण पेश किया।

## सीएम योगी आदित्यनाथ ने विकसित कृषि संकल्प अभियान का उत्तर प्रदेश में शुभारम्भ किया

# प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विगत 11 वर्षों में देश में खेती और किसानी के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन हुए: योगी

संवाददाता
लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विगत 11 वर्षों में देश में खेती और किसानी के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। अन्नदाता किसानों को स्वॉयल हेल्थ कार्ड, किसान सम्मान निधि तथा एम0एस0पी0 का लाभ दिया जा रहा है। पहली बार किसानों को तकनीकी के साथ जोड़ा गया है। कृषि विज्ञान केन्द्र अन्नदाता किसानों को अच्छी किस्म के बीज और तकनीक देने के लिए एक सेतु के रूप में कार्य कर रहे हैं। कृषि विश्वविद्यालय के प्राध्यापक अपने कैम्पस से बाहर निकलकर किसानों के खेतों तक जाकर उन्हें नवीन जानकारी दे रहे हैं। विकसित कृषि संकल्प अभियान इसी श्रृंखला का एक हिस्सा है। मुख्यमंत्री आज यहां लोक भवन में विकसित कृषि संकल्प अभियान का उत्तर प्रदेश में शुभारम्भ करने के उपरान्त इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने इस अभियान को प्रारम्भ किये जाने के लिए प्रधानमंत्री तथा केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पी0एम0 कुसुम योजना के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया। कार्यक्रम से वर्चुअल माध्यम से प्रदेश के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक एवं अन्नदाता किसान जुड़े रहे। मुख्यमंत्री ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री और किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह की पावन पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि विकसित कृषि संकल्प अभियान का उद्देश्य लैब टू लैण्ड है, अर्थात लैब में जो प्रयोग किये जा रहे हैं, वह धरातल पर साकार होते हुए दिखाई दें। यह एक अभिनव पहल है। इसके अन्तर्गत देश के कृषि वैज्ञानिक अपने संस्थानों से निकलकर जमीन पर अन्नदाता किसानों के साथ कृषि की चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए एक रणनीति के साथ कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से लेकर 12 जून तक यह अभियान संचालित होगा। प्रधानमंत्री के विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने की आधारशिला कृषि बन सके, इस दृष्टि से आई0सी0ए0आर0, देश के कृषि वैज्ञानिक, कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केन्द्र कृषि विभाग से जुड़े अधिकारी व कार्मिक अन्नदाता किसानों को खेती-किसानी के बारे में आधुनिक जानकारी उपलब्ध कराने के एक बड़े अभियान से जुड़ रहे हैं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों की उन्नति के लिए सतत प्रयत्नशील है। विगत 08 वर्षों में कृषि के विकास के लिए प्रदेश में किये गये कार्यों से कृषि उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। विकसित कृषि संकल्प अभियान का उद्देश्य अन्नदाता किसानों को आधुनिक तकनीक की जानकारी देना, उन्हें प्राकृतिक खेती के लिए प्रोत्साहित करना, बायोपेस्टीसाइड्स के प्रयोग को बढ़ावा देना तथा रासायनिक उर्वरकों का संतुलित प्रयोग करने के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह, सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जे0पी0एस0 राठौर, उद्यान एवं कृषि विपणन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह, कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह ओलख, गो-सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता, उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष कैप्टन विकास गुप्ता, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार, प्रमुख सचिव कृषि रविन्द्र सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं किसान उपस्थित थे।

# विमल नेगी मौत मामला: जांच के लिए शिमला पहुंची सीबीआई की टीम

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के चीफ इंजीनियर विमल नेगी की रहस्यमयी मौत के मामले की जांच अब सीबीआई के हाथ में पहुंच चुकी है। सीबीआई की चार सदस्यीय टीम गुरुवार को दिल्ली से शिमला पहुंची। डीएसपी ब्रिजेंद्र प्रसाद सिंह के नेतृत्व में सीबीआई की टीम शुक्रवार से इस हाई-प्रोफाइल मामले की तहकीकात शुरू करने जा रही है।

सीबीआई ने दिल्ली में भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। यह केस न्यू शिमला थाना से ट्रांसफर होकर सीबीआई को हाईकोर्ट के आदेशों के तहत सौंपा गया है। जांच के लिए डीएसपी ब्रिजेंद्र प्रसाद सिंह के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया है, जिसमें इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार और सब-इंस्पेक्टर नीलेश सिंह को भी शामिल किया गया है।

सीबीआई टीम शिमला पहुंचकर न केवल पावर कॉरपोरेशन कार्यालय के कर्मचारियों से पूछताछ कर सकती है, बल्कि शिमला पुलिस द्वारा पहले की गई जांच से जुड़े दस्तावेज और रिकॉर्ड भी अपने कब्जे में लेने की तैयारी में है। माना जा रहा है कि स्थानीय एसआईटी की जांच में आए विरोधाभासों के चलते अब सीबीआई गहराई से पड़ताल करेगी। गौरतलब है कि चीफ इंजीनियर विमल नेगी 10 मार्च को रहस्यमयी परिस्थितियों में लापता हो गए थे और आठ दिन बाद उनका शव बिलासपुर जिले की गोविंदसागर झील से बरामद हुआ। इस मामले की शुरूआत में जांच शिमला पुलिस की एसआईटी द्वारा की गई थी। करीब डेढ़ महीने तक चली जांच के बाद पुलिस ने रिपोर्ट हाईकोर्ट में प्रस्तुत की। लेकिन मृतक की पत्नी किरण नेगी ने इस जांच पर सवाल उठाते हुए सीबीआई से निष्पक्ष जांच की मांग की।

हाईकोर्ट ने किरण नेगी की याचिका को स्वीकार करते हुए मामले की गंभीरता और पुलिस जांच में पाई गई खामियों को देखते हुए केस सीबीआई को सौंप दिया। कोर्ट में दाखिल शिमला पुलिस की रिपोर्ट और डीजीपी द्वारा प्रस्तुत हलफनामे में कई विरोधाभास सामने आए थे, जिन्हें कोर्ट ने गंभीरता से लिया।

इस मामले ने न केवल जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए बल्कि राज्य के प्रशासनिक गलियारों में भी भूचाल ला दिया। कोर्ट के आदेश के तुरंत बाद शिमला के एसपी संजीव गांधी ने मीडिया के सामने आकर डीजीपी डॉ. अतुल वर्मा पर तीखा हमला बोला और उनके हलफनामे को 'भ्रामक और गैर-जिम्मेदाराना' बताया। इसके जवाब में डीजीपी ने गृह विभाग को पत्र लिखकर एसपी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश कर दी।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रदेश सरकार ने पूरे मामले पर सख्त रुख अपनाते हुए तत्काल प्रभाव से अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) ओंकार शर्मा, डीजीपी अतुल वर्मा और एसपी संजीव गांधी को छुट्टी पर भेज दिया। ओंकार शर्मा के विभाग अन्य तीन आईएएस अधिकारियों में बांट दिए गए हैं, जबकि डीजीपी पद की जिम्मेदारी अशोक तिवारी को और एसपी शिमला का अतिरिक्त कार्यभार सोलन के एसपी गौरव सिंह को सौंपा गया है।

# संजौली मस्जिद विवाद: मस्जिद गिराने के आदेश पर स्टे बरकरार, अगली सुनवाई पांच जुलाई को

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

शिमला की संजौली मस्जिद को लेकर चल रहे विवाद में गुरुवार को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश शिमला की अदालत में सुनवाई हुई। वक्फ बोर्ड द्वारा नगर निगम शिमला आयुक्त कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें मस्जिद को अवैध निर्माण घोषित करते हुए उसे गिराने का निर्देश दिया गया था। अदालत में आज हुई सुनवाई के दौरान नगर निगम की ओर से अपना जवाब (रिप्लाई) दाखिल किया गया। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 5 जुलाई 2025 को बहस (आगुमेंट) के लिए निर्धारित की है। तब तक मस्जिद को गिराने पर स्थगन आदेश (स्टे) जारी रहेगा। इससे पहले 26 मई को हुई सुनवाई में अदालत ने वक्फ बोर्ड की याचिका पर विचार करते हुए नगर निगम आयुक्त के फैसले पर अंतरिम रोक लगाई थी। वक्फ बोर्ड ने अदालत में यह अपील की थी कि मस्जिद ऐतिहासिक संरचना है और उसका हालिया निर्माण पुराने ढांचे के पुनर्निर्माण के रूप में किया गया है। संजौली क्षेत्र की यह मस्जिद पिछले एक वर्ष से अधिक समय से विवाद का केंद्र बनी हुई है। 5 अक्टूबर 2024 को नगर निगम आयुक्त भूपिंदर अत्री की अदालत ने मस्जिद की ऊपरी तीन मंजिलों को अवैध करार देते हुए उन्हें गिराने का आदेश दिया था। मस्जिद कमेटी को यह निर्देश दिया गया था कि तय समयसीमा के भीतर निर्माण हटाया जाए लेकिन आदेश पर समय रहते अमल नहीं हो सका। इसके बाद 3 मई 2025 को मामले की सुनवाई करते हुए निगम आयुक्त की अदालत ने मस्जिद की बची हुई दो मंजिलों को भी अवैध ठहराया और पूरे ढांचे को गिराने का आदेश पारित कर दिया। इसी आदेश के खिलाफ वक्फ बोर्ड द्वारा जिला एवं सत्र अदालत में चुनौती दी गई है। वक्फ बोर्ड के अधिवक्ता का कहना था कि मस्जिद का अस्तित्व 1947 से पहले का है और हालिया निर्माण कार्य उसी की मरम्मत और पुर्ननिर्माण की प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने तर्क दिया कि यह धार्मिक स्थल वर्षों से समुदाय की आस्था का केंद्र रहा है और इसे अवैध कहना ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को नजरअंदाज करना होगा। वहीं नगर निगम की दलील थी कि यदि मस्जिद पहले से अस्तित्व में थी तो नए निर्माण के लिए नियमानुसार निगम से अनुमति क्यों नहीं ली गई। अदालत ने भी इस बिंदु पर सवाल उठाते हुए अनुमति न लेने पर आपत्ति जताई थी। संजौली मस्जिद मामला अगस्त 2024 में उस समय प्रमुखता से सामने आया जब 29 अगस्त को शिमला के मल्याणा क्षेत्र में दो समुदायों के बीच झड़प हुई थी।

# वन संसाधनों में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करेगी वन मित्र योजना

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

वन संसाधनों के प्रबंधन में स्थानीय समुदायों की भूमिका सुनिश्चित करने व वानिकी कार्यों से युवाओं को जोड़ने के दृष्टिगत प्रदेश सरकार ने महत्वकांक्षी वन मित्र योजना आरंभ की है। इस योजना के तहत स्थानीय युवाओं को न केवल घर के समीप आजीविका के साधन उपलब्ध हो रहे हैं अपितु वन क्षेत्र को संरक्षित करने में उनका सक्रिय योगदान भी सुनिश्चित हुआ है। इस योजना के तहत प्रदेश के 2061 वन क्षेत्रों में एक-एक ह्यवन मित्रह्व रखा जा रहा है, ताकि जमीनी स्तर की संस्थाओं को शामिल करके वन क्षेत्रों की सुरक्षा, संरक्षण और विकास में स्थानीय समुदायों की भागीदारी मजबूत की जा सके।

मंडी वन वृत्त में योजना के तहत 309 वन मित्र रखे गए हैं। इनमें 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग की 188 युवतियां एवं 121 युवक शामिल हैं। जिला में वन मित्रों के रूप में युवतियों की प्रभावी सहभागिता सामने आई है जो प्रदेश सरकार की महिला सशक्तिकरण की नीति को भी सार्थक करती है। महिलाएं आज किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं और वनों के संरक्षण में उनकी भूमिका निश्चित तौर पर सामाजिक जागरूकता लाने एवं जन चेतना के स्तर पर बेहतर परिणाम प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होगी।

मंडी जिला के करसोग क्षेत्र के शंकर देहरा की रहने वाली प्रशिक्षु वन मित्र आकांक्षा ठाकुर ने बताया कि उन्हें चुनौतियां पसंद हैं। जब वन मित्र योजना के बारे में पता चला तो उन्होंने वनों की सुरक्षा की चुनौती सहज स्वीकार कर ली। स्नातक की पढ़ाई कर चुकी आकांक्षा ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान उन्हें चुनौतियों से पार पाते हुए जंगल की रक्षा करने, नर्सरी प्रबंधन, पौधरोपण इत्यादि के बारे में गहन जानकारी प्रदान की जा रही है। वन संपदा के संरक्षण एवं घर के समीप आजीविका के साधन उपलब्ध करवाने के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त किया है।

# पवन शर्मा ने भारत सरकार की नवीनतम कूटनीतिक पहल को पूरा समर्थन दिया

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

वरिष्ठ भाजपा नेता, पूर्व राज्य सचिव भाजपा जम्मू-कश्मीर और जिला डोडा के प्रभारी पवन शर्मा ने भारत सरकार की नवीनतम कूटनीतिक पहल को अपना पूरा समर्थन दिया है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय शांति, सांस्कृतिक समझ और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए दुनिया भर के विभिन्न देशों की यात्रा करने वाले सात भारतीय प्रतिनिधिमंडल शामिल हैं।

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में शुरू की गई यह दूरदर्शी पहल शांति, आपसी सम्मान और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

पवन शर्मा ने इस पहल को न केवल दूरदर्शी और समयोचित बताया बल्कि पाकिस्तान की नापाक नीतियों को उजागर करने के लिए एक रणनीतिक कदम भी बताया, जो सीमा पार आतंकवाद को प्रायोजित करता है और क्षेत्र में शांति को अस्थिर करने के लिए छद्म युद्ध की रणनीति का उपयोग करता है।

शर्मा ने कहा यह वैश्विक आउटरीच कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण समय पर एक बहुत जरूरी प्रतिक्रिया है। जबकि भारत शांति और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रतीक के रूप में खड़ा है, पाकिस्तान ने बार-बार खुद को आतंकवाद और अस्थिरता का अपराधी साबित किया है। यह पहल अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भारत की शांतिपूर्ण कूटनीति और पाकिस्तान के राज्य प्रायोजित आतंकवादी तंत्र के बीच के अंतर को समझने में मदद करेगी।

बुद्धिजीवियों, सांस्कृतिक राजदूतों और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों से युक्त प्रतिनिधिमंडलों से वैश्विक हितधारकों के साथ जुड़ने और भारत के वसुधैव कुटुम्बकम (विश्व एक परिवार है) के संदेश को उजागर करने की उम्मीद है। साथ ही वे पाकिस्तान की छद्म युद्ध रणनीतियों और सीमाओं के पार आतंकवाद को बढ़ावा देने में दशकों से चली आ रही भागीदारी को उजागर करने में विश्वसनीय आवाज के रूप में काम करेंगे, खासकर जम्मू और कश्मीर के संदर्भ में।

## संक्षिप्त-समाचार

### पंडोह झील मंडी में मिला हुरला थरास की मीरा का शव

**मंडी।** ब्यास नदी पर बने मंडी जिले के पंडोह बांध की झील से वीरवार को 11 दिनों बाद नगवाईं पुल से घास काटती बार ब्यास में गिरने वाली 55 वर्षीय मीरा का शव बरामद किया गया। इसका पता उस वक्त चला जब सुबह साढ़े सात बजे बांध के सुरक्षा कर्मियों की नजर झील में गई तो देखा कि एक शव तैर रहा था। उन्होंने पडोह पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौका पर जा कर एस डी आर एफ की टीम की मदद से बडी मशक्कत के बाद शव को रस्सी व नाव के द्वारा बाहर निकाला। शव की पहचान ना हो सकी। पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए अपने तन्त्र से 3 घंटे में ही शव की शिनाख्त करने में सफलता प्राप्त की। मीरा के बेटे विरेन्द्र ने जोनल हस्पताल मंडी पहुंच कर इस शव को अपनी माता के रूप में पहचान करते हुए बताए कि ये 18 मई को नगवाईं पुल के पास घास काटती बार ब्यास में गिर गई थी। हमने बड़ी तलाश की मगर हमें शव तक नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा कि यह लंगड़ा कर चलती थी। आज 11 दिनों बाद शव में पानी भर जाने से वह पानी में तैरने लगा और डैम पर तैनात सिक्योरिटी जवानों को नजर आ गया। बता दें की डैम से पानी छोड़ा गया है जिस कारण पानी का प्रेशर बढ़ने से शव जल्दी बाहर आ गया। पुलिस चौकी पंडोह के प्रभारी अनिल कटोच ने ख़बर की पुष्टि करते हुए बताया कि गत दिनों थलौट में अज्ञात पांव मिलने से लोगों में भय की स्थिति बन गई थी। इस शव का एक पांव मिसिंग है। इससे पांव मिलने के रहस्य से भी पर्दा उठ गया है। यानी वह पांव इसी महिला का था। जिसकी तलाश ओट पुलिस कर रही थी। शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

### कमरे में ठहरे युवक ने उड़ाई दोस्त की बाइक, मोबाइल और नकदी

**शिमला।** राजधानी शिमला के उपमंडल सुन्नी में एक युवक के साथ बड़ा धोखा हो गया। जिस व्यक्ति को उसने अपना दोस्त मानकर एक ही कमरे में रात बिताई, उसी ने उसकी बाइक, मोबाइल फोन और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर सुन्नी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता गुरमीत सिंह पुत्र बलबीर सिंह, गांव पदराणा, तहसील गढ़शंकर, जिला होशियारपुर (पंजाब), वर्तमान में दलिप ठाकुर बिल्डिंग, जुब्बड़ (सुन्नी) में रह रहा है। उसने पुलिस को बताया कि 27 मई की रात वह अपने दोस्त सतवंत सिंह पुत्र गुरचैन सिंह, गांव दोपालपुर, नवांशहर (पंजाब) के साथ किराए के कमरे में रुका था। दोनों साथ ही सोए थे। गुरमीत ने अपनी बाइक कमरे के बाहर खड़ी की थी और उसकी चाबियां व मोबाइल फोन (ओप्पो 5जी) अपने बेड पर रखा था। मोबाइल के कवर में 10 हजार रुपये की नकदी भी थी, जो उसने तकिए के पास रख दी थी। सुबह करीब 5 बजे जब गुरमीत सिंह की नींद खुली, तो उसे न मोबाइल मिला, न ही नकदी। उसने कमरे में देखा तो सतवंत सिंह भी वहां मौजूद नहीं था। जब वह बाहर निकला तो बाइक भी गायब थी। आसपास तलाशने पर भी सतवंत सिंह का कोई सुराग नहीं लगा। गुरमीत सिंह का आरोप है कि सतवंत सिंह ही उसकी बाइक, मोबाइल और 10 हजार रुपये चुराकर रातोंरात फरार हो गया। इस पर उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सुन्नी थाना पुलिस ने गुरमीत सिंह की शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) और 305(बी) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है और विभिन्न पहलुओं से जांच की जा रही है।

### पहली बार वृंदावन जा रही एचआरटीसी की बस पर पंजाब में पत्थरबाजी, फ्रंट शीशा टूटा

**धर्मशाला।** हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम एचआरटीसी की बस पर पंजाब में एक बार फिर हमला हुआ है। यह वही बस है जिसे बुधवार को कांगड़ा जिला के शक्तिपीठ श्री चामुंडा धाम से वृंदावन के लिए पहली बार रवाना किया गया था। घटना बुधवार देर रात की है जब पंजाब के नंगल भानूपल्ली के समीप बाइक सवार तीन युवकों ने बस पर पत्थर से हमला कर दिया। इस घटना में बस का अगला शीशा टूट गया वहीं चालक को भी चोटें आई हैं।बस में सवार यात्रियों के अनुसार अंधेरे में तीन युवकों ने बस पर तीन बार पत्थर मारे। इससे बस का फ्रंट मिरर टूटा। शीशे के टुकड़े यात्रियों और ड्राइवर पर गिरे। घटना के बाद बस को करीब आधा घंटा भानूपल्ली के पास खड़ा रखा गया और पुलिस को शिकायत दी गई। इसके बाद एचआरटीसी के उच्च अधिकारियों को सूचना के बाद बस वृंदावन के लिए रवाना की गई। गौर हो कि अप्रैल में हिमाचल की कई बसों को पंजाब के अलग अलग क्षेत्रों में खालिस्तानी समर्थकों ने निशाना बनाया था। इसके बाद कुछ दिन हिमाचल ने पंजाब में नाइट स्टे करने वाली बसों को बंद कर दिया था। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से बात करने के बाद माहौल सामान्य होने के बाद अप्रैल में ही बस सेवा शुरू की गई थी।

### कुल्हाड़ी से हमला कर युवक को किया लहूलुहान, आरोपी फरार

**शिमला।** जिला शिमला के चौपाल थाना क्षेत्र के बमनोल गांव में एक युवक पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला किया गया है। घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसे उपचार के लिए इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आइजीएमसी) शिमला रेफर किया गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार चौपाल के बमनोल गांव निवासी मनोज शर्मा पर कराटी गांव के निवासी नंद लाल ने किसी विवाद के चलते कुल्हाड़ी से हमला किया। हमले में मनोज शर्मा की गर्दन पर गंभीर चोट आई है। ये वारदात बुधवार देर रात सामने आई। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस थाना चौपाल की से प्रभारी उप निरीक्षक अपनी टीम के साथ मौके के लिए रवाना हो गए, जबकि हेड कांस्टेबल लीला राम और संदीप कुमार आरोपी को पकड़ने के लिए मौके पर पहुंचे।

# अरविंद गुप्ता ने भाजपा मुख्यालय में लगाया जनता दरबार

एजेंसी (हि.स.)
जम्मू

जम्मू-कश्मीर भाजपा सचिव और जम्मू पश्चिम से विधायक अरविंद गुप्ता ने जम्मू के त्रिकुटा नगर में पार्टी मुख्यालय में जनता दरबार लगाया। जनता दरबार में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और समाज के विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिनिधिमंडलों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। मुख्य रूप से जम्मू शहर और इसके आसपास के क्षेत्रों से विभिन्न क्षेत्रों के लोग प्रमुख सार्वजनिक सेवा विभागों से संबंधित मुद्दों को उठाने के लिए आगे आए।

दर्जनों प्रतिनिधिमंडलों ने राजस्व, लोक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग (पीएचई), बिजली विकास विभाग (पीडीडी), लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), और अन्य जैसे क्षेत्रों से संबंधित शिकायतें रखीं। जनता ने सड़क के बुनियादी ढांचे, पानी की कमी, स्ट्रीट लाइटों की खराबी या अनुपस्थिति, गलियों और नालियों के निर्माण और मरम्मत की आवश्यकता, राशन कार्ड से जुड़े मुद्दों और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने में देरी सहित मामलों पर चिंता व्यक्त की। त्वरित और उत्तरदायी दृष्टिकोण का प्रदर्शन करते हुए, भाजपा नेता ने सुनिश्चित किया कि मुद्दों को आवश्यक कार्रवाई के लिए तुरंत संबंधित विभागीय अधिकारियों को भेज दिया जाए। उन्होंने जनता द्वारा उठाई गई सभी वास्तविक चिंताओं के समयबद्ध समाधान के महत्व पर जोर दिया, उन्हें आश्वासन दिया कि कोई भी आवाज अनसुनी नहीं रहेगी।

अरविंद गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में जनता का भारी विश्वास पार्टी की ईमानदारी, जवाबदेही और जमीनी स्तर से जुड़ाव का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि भाजपा लोगों की सेवा करने और सभी के लिए, विशेष रूप से वंचितों के लिए शासन सुलभ बनाने के अपने मिशन पर अडिग है। गुप्ता ने दोहराया कि ये जनसंपर्क कार्यक्रम एक आवर्ती विशेषता होगी, जिसका उद्देश्य नागरिकों और प्रशासन के बीच की खाई को पाटना है। उन्होंने कहा कि इस तरह के जुड़ाव पारदर्शिता को बढ़ावा देते हैं और आम लोगों के दैनिक जीवन को प्रभावित करने वाले मुद्दों के समाधान में तेजी लाने में मदद करते हैं। भाजपा के व्यापक दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए, अरविंद गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पार्टी कतार में अंतिम व्यक्ति तक पहुँचने के अंत्योदय के मिशन के लिए प्रतिबद्ध है।

# ऑकलैंड हाउस स्कूल शिमला की छात्राओं का ग्रैपलिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

इंदिरा गांधी राज्य खेल परिसर में आयोजित चौथी जिला शिमला ग्रैपलिंग चैंपियनशिप में ऑकलैंड हाउस स्कूल की छात्राओं ने अपनी शानदार प्रदर्शन किया है। प्रतियोगिता के 27 किग्रा से कम वर्ग में रुद्रांशी शर्मा (कक्षा 4), काव्या शर्मा (कक्षा 5), और स्वरांजलि (कक्षा 3) ने अलग-अलग वजन वर्गों में स्वर्ण पदक जीते। इसी तरह, 30 किग्रा से कम वर्ग में वराही ठाकुर (कक्षा 5) और रक्षिता ठाकुर (कक्षा 5) ने स्वर्ण पदक हासिल किए। जबकि योकशिता डोगरा (कक्षा 3) ने कांस्य पदक प्राप्त किया।

स्कूल के कोच अजय ठाकुर ने बताया कि ये सभी छात्राएं ऑकलैंड हाउस स्कूल से हैं। इसी तरह वृद्धि सूद (कक्षा 4) ने 38 किग्रा से कम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि अवनी अरोड़ा (कक्षा 4) ने 30 किग्रा से कम वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया।

जिला शिमला की ग्रैपलिंग कमेटी द्वारा आयोजित इस चैंपियनशिप में सब-जूनियर, कैडेट, जूनियर और सीनियर वर्गों में जोरदार मुकाबले देखने को मिले। यह चैंपियनशिप ग्रैपलिंग कमेटी ऑफ इंडिया से संबद्ध है और भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त है। यह भारतीय कुश्ती संघ के तहत संचालित होती है। प्रतियोगिता में जिले भर के एथलीटों ने भाग लिया।

# श्री अमरनाथ जी यात्रा 2025 की तैयारियों पर हुई चर्चा, 36 आवास केंद्रों को दिया गया अंतिम रूप

एजेंसी (हि.स.)
कठुआ

आगामी श्री अमरनाथ जी यात्रा 2025 की तैयारियों के मद्देनजर गुरूवार को डीसी कार्यालय में अतिरिक्त उपायुक्त कठुआ विश्वजीत सिंह की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में यात्रियों के ठहरने के लिए कठुआ के विभिन्न स्थानों पर स्थापित किए गए आवास केंद्रों के नोडल अधिकारी शामिल हुए। बैठक का एजेंडा रसद व्यवस्था को अंतिम रूप देना, बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना और यात्रा के सुचारू संचालन के लिए समन्वय को सुव्यवस्थित करना था। बैठक के दौरान एडीसी ने बताया कि सभी 36 आवास केंद्रों की क्षमता को अंतिम रूप दे दिया गया है और संबंधित नोडल अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है। कुशल संचार और वास्तविक समय समन्वय के लिए, सभी प्रमुख हितधारकों को शामिल करते हुए एक समर्पित व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है। इसके अलावा सभी नोडल अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे चिन्हित किए गए आवास केंद्रों पर सुरक्षित पेयजल, बिजली, शौचालय की सुविधा और स्वच्छता जैसी आवश्यक सुविधाओं की स्थिति की पुष्टि करने के लिए तत्काल निरीक्षण करें। एडीसी ने कल शाम तक स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के स्पष्ट निर्देश जारी किए जिसमें किसी भी कमी या तत्काल आवश्यकताओं को उजागर किया गया हो। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी कमी को तुरंत चिन्हित किया जाना चाहिए।

## मिड डे वर्करों को आ रही समस्याओं पर किया गया विचार

# मंडी में मिड डे मील वर्कज का पांचवां त्रैवार्षिक जिला सम्मेलन आयोजित

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

सीटू से सबंधित मिड डे मील वर्करज यूनियन का पांचवा त्रैवार्षिक जिला सम्मेलन कामरेड तारा चंद भवन मंडी में आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता बिमला, पवना देवी, संतोष, लालमन और रमेश ने की। इस अवसर पर जिला प्रधान भुपेंद्र सिंह ने भी सम्मेलन को संबोधित किया। वहीं यूनियन के जिला प्रभारी गुरदास वर्मा ने तीन वर्षों की रिपोर्ट पेश की जिसे चर्चा में के बाद पारित किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए जगत राम ने कहा कि मिड डे मील योजना वर्ष 2004 में शुरू हुई थी और उस समय 150 रुपए महीने का का मानदेय दिया जाता था और उसके बाद 2007 में यूनियन बनने और लंबे संघर्ष के बाद आज वरकरों को 4500 रुपए महीने का मानदेय मिल रहा है जो यूनियन के संघर्ष का परिणाम है। पिछले साल हिमाचल सरकार द्वारा स्कूल बंद करने के बाद सरप्लस हुए वर्करों को घर भेजा जा रहा था। लेकिन उसका भी यूनियन ने विरोध किया और अब उन्हें दूसरे स्कूलों में एडजस्ट किया जा रहा है। यूनियन ने 12 महीने के वेतन के लिए हाई कोर्ट से केस दायर करके उसमें भी जीत हासिल की थी। लेकिन राज्य सरकार ने उसके खिलाफ अपील दायर करके उस पर रोक लगा कर मजदूर विरोधी कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार इन स्कीम वर्करों को बीस साल बाद भी शिक्षा विभाग का कर्मचारी बनाने के लिए तैयार नहीं है और उन्हें न्यूनतम वेतन भी नहीं दिया जाता है। यही नहीं इन वर्करों को आकस्मिक, मैडिकल व प्रसूता अवकाश नहीं दिया जाता है। अब सरकार ने 25 बच्चों की शर्त लगाकर इनकी छंटनी शुरू कर दी है। सीटू के जिला प्रधान भुपेंद्र सिंह ने कहा कि यूनियन मिड डे मील वर्करों को सरकारी कर्मचारी घोषित करने और सरकार का न्यूनतम वेतन देने, 12 महीने का वेतन हर महीने की 7 तारीख तक देने, बीस साल से काम कर रहे वर्करों की छंटनी रोकने, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को मिलने वाली छुट्टियां देने, वर्दी देने तथा खाना बनाने के अलावा अन्य अतिरिक्त काम न करवाने, न्यायालय के फैसले के तहत 12 महीने का वेतन देने, स्कूल बंद होने पर उन्हें दूसरे स्कूलों में एडजस्ट करने तथा बीमार, प्रसूता तथा जरूरी कार्य होने पर अवकाश देने का भी प्रस्ताव पारित किया। इन सभी मांगो को लेकर 9 जुलाई को मंडी जिला में हड़ताल की जाएगी। गुरदास वर्मा ने कहा कि वर्तमान में यूनियन की सदस्यता 600 है ,जिसे इस साल एक हजार करने का लक्ष्य रखा है कुल 24 शिक्षा खंडों में से 15 में ही सदस्यता है जो इस साल सभी खंडों में की जाएगी। सम्मेलन में अगले तीन साल के लिए 41 सदस्यीय जिला कमेटी का भी चुनाव किया गया। जिसमें गोपालपुर की बिमला को प्रधान, धर्मपुर की राणो और च्चचयोट के बक्सी राम को उप प्रधान, सदर की ललिता को महासचिव, सदर की ही पवना देवी, कटौला के दुनीचंद और सदर के लालमन को सह सचिव तथा बालीचौकी के भीष्म देव को कोषाध्यक्ष चुना गया इसके अलावा तिलकराज, रीता, गायत्री, हल्या, ढिमेश्वरी, भामा, सत्या, रजनी, तारा, संतोष, रमेश, ममता, माया, लक्ष्मी आदि मौजूद रहे।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

# मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कुरुक्षेत्र से शुरू किया विकसित कृषि संकल्प अभियान

## यह अभियान, एक जन आंदोलन, जो किसानों को ज्ञान, नवाचार और तकनीक से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा : नायब सैनी

**संवाददाता**
चंडीगढ़

राष्ट्रव्यापी विकसित कृषि संकल्प अभियान की कड़ी में आज हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र से विकसित कृषि संकल्प अभियान का आगाज किया। इस अभियान का उद्देश्य किसानों को नई तकनीक, योजना और नवाचार से जोड़कर कृषि क्षेत्र में सुधार लाना है। किसानों को खरीफ फसलों की वैज्ञानिक तकनीकों की जानकारी देना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड के महत्व को समझाना और सरकारी योजनाओं व नीतियों का लाभ पहुंचाना है। इस अभियान के तहत किसानों से सीधा संवाद करके फीडबैक लेकर कृषि अनुसंधान को एक नई दिशा मिलेगी। आज से आगामी 12 जून तक प्रदेशभर में चलाया जा रहा यह अभियान, किसानों को सशक्त करने की प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय परिसर में हरियाणा के कृषि, बागवानी, मत्स्य और पशुपालन विभागों तथा आईसीएआर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए किसानों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसानों की मेहनत, धैर्य और समर्पण से ही आज भारत खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बना है।

उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से हर किसान को नीति का सहभागी और नवाचार का भागीदार बनाएंगे। यह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक जन आंदोलन है, जो किसानों को ज्ञान, नवाचार और तकनीक से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। यह अभियान एक ऐसी त्रिवेणी है, जिसमें कृषि वैज्ञानिक, कृषि से जुड़े विभागों के अधिकारी और किसान एक-दूसरे से सीधा संवाद करेंगे।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'विकसित भारत' का जो संकल्प लिया है, उसमें हमारे अन्नदाता को एक प्रमुख स्तंभ माना है। एक विकसित, मजबूत और समृद्ध भारत तभी संभव होगा, जब हमारा किसान खुशहाल और आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की संयुक्त पहल है।

उन्होंने कहा कि इस महा अभियान के तहत देशभर में 2 हजार से अधिक कृषि वैज्ञानिकों और कृषि अधिकारियों की टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें गांव-गांव जाकर लगभग डेढ करोड़ किसानों से सीधा संवाद करेंगी। यह अपने आप में कृषि क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा जनसंपर्क अभियान होगा। इस दौरान किसानों को स्थानीय जलवायु, मिट्टी और फसलों के अनुरूप विशेष सुझाव दिए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा कृषि प्रधान राज्य है। इस समय जलवायु परिवर्तन, जल संकट, भूमि की उपजाऊ शक्ति कम होना और बाजार की बदलती मांगें, ये सभी चुनौतियां आज हमारे सामने हैं। 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' इन्हीं चुनौतियों का सामना करने में किसानों को सशक्त बनाएगा। यह अभियान लैब से खेत तक, यानी कृषि अनुसंधान को सीधे हमारे किसानों के खेतों तक पहुंचाने का काम करेगा। कृषि वैज्ञानिक, कृषि अधिकारी और प्रगतिशील किसान मिलकर राज्य के 1,380 गांवों और 109 ब्लॉकों को कवर करेंगे। उन्होंने कहा कि आज डिजिटल तकनीक ने खेती को बदल दिया है। इस अभियान' के दौरान डिजिटल टूल्स की जानकारी भी दी जाएगी। इससे किसान परंपरागत तरीकों के साथ-साथ स्मार्ट एग्रीकल्चर की ओर आगे बढ़ सकेंगे।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार किसानों के हितों में लगातार कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। सरकार ने खरीफ फसलों के लिए हर किसान को 2 हजार रुपये प्रति एकड़ की दर से 1,345 करोड़ रुपये का बोनस दिया है। ऐसा हरियाणा के इतिहास में पहली बार हुआ है। इसके अलावा, हमने अंग्रेजों के जमाने से चले आ रहे आबियाने को जड़ से खत्म किया है और आबियाना के 133 करोड़ रुपये की बकाया राशि को भी माफ किया है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि देश में किसानों की फसलों का उत्पादन बढ़ाने के लिए 15 दिनों का विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम लॉन्च किया गया है। ये कार्यक्रम प्रदेश के किसानों को उनकी भूमि की जानकारी मुहैया करवाने, सरकार की योजनाओं का किसानों को लाभ पहुंचाने और उनके संदेश को कृषि विभाग तक पहुंचाने का काम करेगा। ये वैज्ञानिक किसानों के बीच जाकर उनकी बात को सुनेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों प्रदेश के 15 लाख किसानों को मिट्टी जांच की रिपोर्ट उनके मोबाइल पर भेजी गई। इस रिपोर्ट से किसानों को अपने खेत की हेल्थ के बारे में जानकारी हासिल हुई। इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री श्री सुभाष सुधा, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ राजा शेखर वुंडरू, मत्स्य पालन विभाग की आयुक्त एवं सचिव श्रीमती अमनीत पी. कुमार, कृषि विभाग के निदेशक श्री राज नारायण कौशिक, पशुपालन विभाग के महानिदेशक डॉ. प्रेम सिंह, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव श्री प्रवीण आत्रेय, चेयरमैन श्री धर्मवीर मिजार्पुर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति डॉ. बलदेव राज कम्बोज, महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय के कुलपति श्री सुरेश कुमार मल्होत्रा और लुवास विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति श्री नरेश जिंदल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

# अधिकारी अपने आप को जनता का सेवक समझ कर करें लोगों की समस्याओं का समाधानः महीपाल ढ़ांडा

**संवाददाता**
चंडीगढ़

> लोगों के साथ किसी प्रकार की धोखाधड़ी या ज्यादती होने पर ठोस कार्रवाई करें पुलिस अधिकारी

हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढ़ांडा ने कहा कि अधिकारी और कर्मचारी जनता के सेवक हैं, वे अपने आप को जनता का सेवक समझकर ही उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समाधान करें। यदि किसी आमजन के साथ कोई धोखाधड़ी या ज्यादती होती है तो पुलिस विभाग ठोस कार्रवाई करे, ताकि दोषी को सजा मिल सके। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी मामले में पीड़ित व्यक्ति के साथ न्याय न करने वाले और उसे परेशान करने वाले संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। शिक्षा मंत्री श्री ढ़ांडा आज भिवानी के पंचायत भवन में जिला लोक संपर्क एवं कष्टनिवारण समिति की बैठक में परिवादों का निपटारा करने के दौरान अपना संदेश दे रहे थे। शिक्षा मंत्री ने बैठक में रखे गए कुल 15 परिवादों में से 9 का मौके पर ही समाधान किया तथा शेष के लिए संबंधित विभागों को गहनता से जांच के आदेश दिए। शिक्षा मंत्री ने कहा कि बच्चों के उज्जवल भविष्य को लेकर प्रदेश में स्कूलों के आधारभूत ढ़ांचों में तेज गति से सुधार किया जा रहा है। जून के महीने में होने वाली छुट्टियों के दौरान शिक्षा विभाग और पंचायत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सभी सरकारी स्कूलों की छतों की सफाई व मरम्मत करवाएं ताकि स्कूलों की छत सही हो।

# करनाल के सालवन गांव में भव्य तरीके से मनाई गई वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती

**संवाददाता**
चंडीगढ़

हरियाणा में आज वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती को बड़े धूमधाम से मनाया गया, जिसमें सर्व समाज की भागीदारी रही। जिला करनाल के गांव सालवन में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने महाराणा प्रताप को नमन करते हुए कहा कि वे केवल योद्धा ही नहीं, बल्कि स्वाभिमान, शौर्य और बलिदान के जीवंत प्रतीक हैं। युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देना चाहिए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सालवन गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का नाम मोहन सिंह के नाम पर करने की घोषणा की। असंध में महाराणा प्रताप धर्मशाला बनवाने के लिए 21 लाख रुपये देने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत सालवन द्वारा जमीन उपलब्ध करवाने पर खेल स्टेडियम का निर्माण किया जाएगा। असंध में एचएसवीपी का



सेक्टर विकसित करने के संबंध में फिजिबिलिटी चैक करवाकर इसे विकसित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने असंध विधानसभा क्षेत्र की 54 सड़कों, जिनकी लंबाई 186 किलोमीटर है, उनकी स्पेशल रिपेयर के लिए 88 करोड़ रुपये की घोषणा की। इसके अलावा, 16 अन्य सड़कों, जिनकी लंबाई 91.49किलोमीटर है, की भी स्पेशल रिपेयर करवाई जाएगी। साथ ही, 123 किलोमीटर लंबाई की 41 अन्य सड़कों को भी ठीक करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि गांव सालवन से निकल रही ड्रेन को भी पक्का किया जाएगा। श्री नायब सिंह सैनी ने असंध बाइपास के सुदृढ़ीकरण के लिए 9 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। कोहंड से असंध रोड की स्पेशल रिपेयर के लिए 34 करोड़ 37 लाख रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि करनाल असंध रोड गांव जुंडला, जलमाना में बाईपास के कार्य को भारत सरकार को भेज कर जल्द मंजूर करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने असंध विधानसभा क्षेत्र में सामुदायिक भवनों के निर्माण के लिए 5 करोड़ रुपये देने की घोषणा की । इसके अलावा, असंध विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए अलग से 5 करोड़ रुपये देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो समाज एवं राष्ट्र अपने महापुरुषों, वीरों व शहीदों को याद करता है, उनका सम्मान करता है, वह सदा समृद्धि और प्रगति की ओर अग्रसर होता है। इसलिए, हमारी सरकार ने संतों-महापुरुषों की जयंतियों को सरकारी स्तर पर मनाने की पहल की। उन्होंने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पहले, केवल अपने परिवारों के महापुरुषों को ही याद किया जाता था। समाज से उन्हें कोई सरोकार नहीं था। कार्यक्रम में विधायक श्री योगेंद्र राणा ने हल्के के विकास संबंधी अनेक मांगों को मुख्यमंत्री के समक्ष रखा, जिन्हें मुख्यमंत्री ने पूरा करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर विधायक श्री रामकुमार कश्यप, श्री सतपाल जांबा, श्री भगवान दास कबीरपंथी, राजस्थान के शिव विधानसभा क्षेत्र से विधायक श्री रविंद्र भाटी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री श्री सुरेश राणा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

## संक्षिप्त-समाचार

### 7 वें दिन लाड़वा बजाजा बाजार मे चला सफाई अभियान : नीरज

**लाड़वा।** लाड़वा नगरपालिका ने लाड़वा मे 10 दिवसीय सफाई अभियान चलाया हुआ है जिसके तहत आज 7 वें दिन लाड़वा के सबसे व्यस्त बजाजा बाजार मे सुबह जल्दी सफाई अभियान चलाया गया । मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सैनी जी के आदेशानुसार पूरे हरियाणा मे सफाई अभियान जोरों पर चल रहा है। शहरों में लेगसी वेस्ट पर सख्त निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरों में सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। किसी भी शहर में कूड़े-कचरे के ढेर नहीं दिखाई दिए जाने चाहिएं। सरकार का लक्ष्य शहरों को स्वच्छ बनाना है। इसलिए सभी अधिकारियों को जिम्मेवारी के साथ काम करने की आवश्यकता है। स्वच्छता हमारी पहली प्राथमिकता है। जानकारी देते हुए नगरपालिका सचिव नीरज ने बताया कि कुरुक्षेत्र नगर आयुक्त सतिंदर सिवाच के दिशा निदेर्शानुसार लाड़वा सीएम सिटी मे 10 दिवसीय सफाई अभियान के सातवें दिन लाड़वा के बाजारों को साफ किया गया। सचिव नीरज ने लोगों से भी सफाई के लिए सहयोग की अपील की।

### महाराणा प्रताप जयंती पर श्रद्धांजलि एवं कक्षा 8 का नैतिक भ्रमण

**लाडवा।** संजय गांधी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी पब्लिक स्कूल, धनौरा लाडवा में 29 मई को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की जयंती पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। स्टाफ सदस्यों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर मौन श्रद्धांजलि दी। विद्यालय सचिव रविंदर बंसल ने महाराणा प्रताप के त्याग, साहस और मातृभूमि प्रेम को विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया। इसी दिन कक्षा 8 के विद्यार्थियों को वृद्धाश्रम और गौशाला का नैतिक व शैक्षिक भ्रमण कराया गया। वृद्धाश्रम में विद्यार्थियों ने बुजुर्गों से संवाद कर फल व ब्रेड वितरित किए, वहीं गौशाला में गायों को गुड़ व चारा खिलाया। इस अनुभव से बच्चों में सेवा, करुणा और सामाजिक सरोकारों की भावना विकसित हुई।प्रधानाचार्य नरेंद्र शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि ह्लऐसी गतिविधियां बच्चों में संवेदनशीलता, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीज बोने का कार्य करती हैं। विद्यालय सदैव ऐसे प्रयासों के माध्यम से छात्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

### हरियाणा सरकार ने नागरिक सेवाओं में सुधार के लिए राजस्व कार्यालयों का पुनर्गठन शुरू किया

**चंडीगढ़।** मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के कुशल, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित शासन प्रदान करने के दृष्टिकोण के अनुरूप, राज्य सरकार ने सभी जिलों में राजस्व कार्यालयों का व्यापक पुनर्गठन शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य संपत्ति पंजीकरण, भूमि रिकॉर्ड और म्यूटेशन सेवाओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सेवा वितरण को बढ़ाना है।

# कोरोना ना घबराना - उचित सलाह अपनाना : डॉ. कृष्णकांत

**अनिल गोयल**
लाडवा

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाडवा के एस एम ओ डॉ कृष्ण कांत ने कहा कि बढ़ते हुए कोरोना के केसिस को देखते हुए भयावह होने की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है ।डॉक्टर कृष्णकांत वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि कोरोना जैसी बीमारी से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग लाडवा द्वारा सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है । उन्होंने बताया कि माना कि कोरोना बीमारी के केसिस बढ़ रहे हैं परंतु इसके लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाडवा में सभी व्यवस्थाएं जैसे कि सेंट्रलाइज्ड ऑक्सीजन सप्लाई सभी मरीज के लिए मरीज के वार्ड में व इमरजेंसी कक्ष में उपलब्ध है। जिससे कि आपातकालीन स्थिति में मरीज को ऑक्सीजन की दुरुस्त सप्लाई दी जा सकती है। सरकारी अस्पताल लाडवा में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर ऑक्सीजन सिलेंडर, उचित दवाइयां, मास्क व सेनीटाइजर प्राप्त मात्रा में उपलब्ध है। मरीज के लिए आइसोलेशन वार्ड भी बना दिया गया है ।

कोरोना बीमारी के मुख्य लक्षण जैसे कि बुखार, खांसी, जुकाम, गले में दर्द व सांस लेने में दिक्कत होती है तो आप तुरंत ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाडवा में दिखा सकते हैं । आप सभी को बताया जाता है कि जिन व्यक्तियों की प्रतिरोधक क्षमता कम है या वह दमा या शुगर या बीपी की बीमारी से ग्रसित हैं तो उन्हें कोरोना जैसी बीमारी के समय में खास ध्यान रखने की जरूरत है। अगर किसी भी प्रकार के लक्षण पाए जाते हैं तो आप घबराएं नहीं। इसके लिए आप तुरंत अस्पताल में संपर्क कर सकते हैं। बीमारी से बचने के लिए आप मास्क का प्रयोग करें। आपस में दूरी बनाए रखें, अच्छे से हाथ धोएं, सैनिटाइजर का उपयोग करें और खास तौर वह मरीज जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम है या उन्हें कोई लंबी बीमारी जैसे कि ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हाइपरटेंशन इत्यादि है तो वह भीड़ भाड़ वाले इलाके में जाने से बचें । अगर जाना अति आवश्यक है तो मास्क और सैनिटाइजर का प्रयोग करना सुनिश्चित करें ।इस विषय पर डॉक्टर कृष्णकांत वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाडवा ने आम जनता से अपील की कि हमें कोरोना जैसी बीमारी की वजह से बिल्कुल भी चिंतित होने की जरूरत नहीं है । अगर किसी को कोई भी लक्षण होते हैं तो आप उचित जांच हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाडवा में संपर्क कर सकते हैं ।

# स्वास्थ्य सेवा ढांचे को मजबूत करने के लिए 50 करोड़ की लागत वाली दवाइयों और चिकित्सा उपकरणों के लिए टेंडर मंजूर

**संवाददाता**
चंडीगढ़

हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव ने आज पंचकूला में उच्चस्तरीय क्रय समिति की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें राज्य के स्वास्थ्य सेवा ढांचे को मजबूत करने के लिए 50 करोड़ रुपये की लागत वाली दवाइयों और चिकित्सा उपकरणों के लिए कई महत्वपूर्ण टेंडर मंजूर किए गए। इस दौरान 10.78 करोड़ रुपये की लागत वाली 19 एफेरेसिस मशीनों की खरीद के लिए टेंडर को मंजूरी दी गई। ये मशीनें डेंगू के मरीजों के इलाज में प्लेटलेट पृथक्करण के लिए आवश्यक हैं और इनसे राज्य में डेंगू के मामलों के प्रबंधन में अभूतपूर्व सुधार होने की उम्मीद है।

थैलेसीमिया रोगियों के लिए स्वास्थ्य सेवा में सुधार के लिए एक और कदम उठाते हुए समिति ने ल्यूको रिडक्शन फिल्टर के लिए 1.9 करोड़ रुपये की निविदा को मंजूरी दी। इससे हरियाणा में थैलेसीमिया रोगियों के चल रहे उपचार और प्रबंधन के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण फिल्टर की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। हीमोफीलिया रोगियों की तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए 19 करोड़ रुपये की कीमत के एंटी-हीमोफीलिया फैक्टर श्ककक्क और 3.6 करोड़ रुपये के ईएचएल रिकॉम्बिनेंट फैक्टर श्ककक्क की खरीद के लिए निविदा को भी मंजूरी दी गई। इसके अतिरिक्त समिति ने अन्य महत्वपूर्ण इंजेक्शन और दवाओं के साथ-साथ कैंसर रोधी दवाओं और इंजेक्शन की खरीद के लिए लगभग 16 करोड़ रुपये की निविदा को मंजूरी दी। इस कदम का उद्देश्य कैंसर रोगियों के लिए उपचार के विकल्पों को बढ़ाना और राज्य की स्वास्थ्य सुविधाओं में आवश्यक दवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना है। आरती सिंह राव ने डेंगू, थैलेसीमिया, हीमोफीलिया और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के लिए आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं और समय पर उपचार उपलब्ध कराने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ये निर्णय पूरे हरियाणा में रोगी देखभाल और उपचार परिणामों को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

# मुख्यमंत्री नायब सैनी की सादगी के कायल हुए ग्रामीण

**संवाददाता**
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज असंध के गांव सालवन में आयोजित राज्य स्तरीय वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जयंती समारोह से लौटते वक्त गांव फफड़ाना व जलमाना में अचानक अपना काफिला रुकवाया और ग्रामीणों से मिले। अचानक अपने बीच मुख्यमंत्री को देखकर ग्रामीण उत्साहित नजर आए। ग्रामीण उनके सौम्य स्वभाव व सादगी के कायल हो गए। मुख्यमंत्री ने लोगों का हाल चाल जाना और बच्चों ने उनके साथ सेल्फी भी ली। नायब सिंह सैनी ने अपना काफिला रूकवा कर फफड़ाना गांव में पेड़ के नीचे बैठे ग्रामीणों के पास पहुंचे तथा उनका कुशलक्षेम जाना और विकास कार्यों पर चर्चा की। इसके बाद करनाल आते समय अचानक जलमाना गांव में मुख्य बस अड्डे के आगे काफिला रुकवाया और ग्रामीणों तथा दुकानदारों से बातचीत की। मुख्यमंत्री ने आम आदमी की तरह ग्रामीणों के बीच खड़े होकर बातचीत की। लोगों का कहना था कि इस प्रकार मुख्यमंत्री का सादगी और अपनेपन के भाव के साथ उनसे मिलना उनके मिलनसार व्यक्तित्व की झलक दिखाता है।

**तैयारी** | **पारदर्शिता, निष्पक्षता और समयबद्ध चुनाव संचार तंत्र को जमीनी स्तर तक लागू करने की दिशा में बनाना है सक्षम**

# एमएनओ, एसएमएनओ और एसएनओ के लिए 5 जून को होगा ओरिएंटेशन कार्यक्रम: पंकज अग्रवाल

**संवाददाता**
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री पंकज अग्रवाल ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग चुनाव प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी तथा आधुनिक बनाने की दिशा में लगातार सार्थक कदम उठा रहा है। इसी कड़ी में भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 5 जून को एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन होगा।

उन्होंने बताया कि यह विशेष कार्यक्रम राज्यों/केंद्र शासित के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के कार्यालयों से जुड़े मीडिया नोडल अधिकारियों, सोशल मीडिया नोडल अधिकारियों तथा राज्य नोडल अधिकारियों के लिए निर्धारित है। इस कार्यक्रम में उन्हें चुनाव से जुड़ी सूचना संचार प्रणाली, मीडिया प्रबंधन और सोशल मीडिया निगरानी से संबंधित नवीनतम दिशा-निर्देशों एवं तकनीकी पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों को सूचना एवं मीडिया प्रबंधन से जुड़ी नई तकनीकों और प्लेटफॉर्म्स से परिचित कराना, सोशल मीडिया पर फेक न्यूज, गलत जानकारी और अफवाहों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु रणनीति साझा करना जैसा प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी आईआईआईडीईएम द्वारा 9 अप्रैल को एक ओरिएंटेशन सत्र का आयोजन किया गया था।

श्री अग्रवाल ने कहा कि यह कार्यक्रम अधिकारियों के व्यावसायिक विकास के साथ-साथ भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अपनाई जा रही श्डिजिटल सजगता, निष्पक्षता और सूचना पारदर्शिताश् की भावना को धरातल पर साकार करने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने बताया कि चुनाव केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतंत्र का पर्व है, जिसे समर्पण, पारदर्शिता और तकनीकी दक्षता से ही सफल बनाया जा सकता है। यह ओरिएंटेशन कार्यक्रम निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों को एकजुट कर उन्हें एक साझा मंच पर विचार-विमर्श और नवाचार की दिशा में प्रेरित करेगा।

### भारत निर्वाचन आयोग ने 19 फरवरी से 29 मई, 2025 तक की 21 पहल

हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री पंकज अग्रवाल ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने चुनावी प्रक्रिया और मतदाता सुविधा को मजबूत करने के लिए पिछले 100 दिनों में 21 पहल की हैं। मतदाताओं के अनुभव को बेहतर बनाने और चुनाव प्रबंधन को कारगर बनाने के लिए एक बड़े कदम के रूप में, भारतीय चुनाव आयोग ने पिछले तीन महीनों में ये नई पहल की हैं। इनमें प्रक्रियागत सुधार, प्रशिक्षण कार्यक्रम और हितधारक जुड़ाव शामिल हैं। उन्होंने बताया कि भारत के 26वें मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार के पदभार ग्रहण करने के पहले 100 दिनों में कई उद्देश्यपूर्ण, व्यावहारिक और सक्रिय उपाय किए गए हैं। मार्च 2025 में आयोजित मुख्य चुनाव अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन के दौरान चुनाव आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी की उपस्थिति में सीईसी द्वारा एक नए सिरे से चुनाव आयोग के लिए दृष्टिकोण तैयार किया गया था। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने 19 फरवरी से 29 मई, 2025 तक 21 पहल की है। इन पहलों में मतदान केन्द्र पर मतदाताओं की अधिकतम संख्या 1200 तक सीमित कर दी गई है और ऊंची इमारतों/कॉलोनियों में अतिरिक्त मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इसके अलावा, मतदाता सूची अद्यतनीकरण के लिए, मृत्यु पंजीकरण का डेटा सीधे आरजीआई डेटाबेस से प्राप्त किया जाएगा, सत्यापन के बाद इसे अद्यतन किया जाएगा। इसी प्रकार, मतदाता सूचना पर्चियों को मतदाताओं के लिए अधिक अनुकूल बनाया जाएगा और मतदाता की क्रम संख्या और भाग संख्या अब अधिक प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएगी। मतदान केन्द्रों के ठीक बाहर मोबाइल डिपाजिट सुविधा का प्रावधान होगा। सीईआ/डीईओ/ईआरओ स्तर पर अखिल भारतीय सर्वदलीय 4,719 बैठकें (सीईओ-40/डीईओ-800/ईआरओ-3879) आयोजित की गईं। राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों आप, भाजपा, बसपा, माकपा, एनपीपी के प्रमुखों के साथ चुनाव आयोग की बैठकें हुई। आईआईआईडीईएम (बिहार, तमिलनाडु और पुडुचेरी) में राजनीतिक दलों के बूथ स्तर के एजेंटों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम, प्रचार के लिए दूरी के मानदंडों में ढील-उम्मीदवारों/राजनीतिक दलों को अब 200 मीटर की बजाय 100 मीटर से आगे बूथ स्थापित करने की अनुमति दी गई। उन्होंने बताया कि नए एकीकृत डैशबोर्ड -ईसीआईएनईटी की शुरूआत, जिसका उद्देश्य सभी हितधारकों को एक ही स्थान पर सभी सेवाएं प्रदान करना है (एकल ऐप 40 से अधिक ऐप्स/वेबसाइटों की जगह लेगा)। डुप्लिकेट ईपीआईसी नंबर का मुद्दा हल हो गया; अद्वितीय ईपीआईसी नंबर के लिए नई व्यवस्था लागू। मतदाता सूची तैयार करने और चुनाव कराने की पूरी प्रक्रिया में 28 हितधारकों की पहचान की गई, जिनमें जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, 1951, मतदाता पंजीकरण नियम 1960, चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर ईसीआई द्वारा जारी निदेर्शों के आधार पर मतदाता, चुनाव अधिकारी, राजनीतिक दल, उम्मीदवार और अन्य शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से प्रत्येक हितधारक के लिए आयोग के अधिनियमों, नियमों और निदेर्शों के आधार पर प्रशिक्षण प्रस्तुतियाँ तैयार की जा रही हैं। तालमेल को मजबूत करने और कानूनी ढांचे को पुनः दिशा देने के लिए ईसीआई और सीईओ का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। बीएलओ को मानक फोटो पहचान पत्र मिलेगा।

संपादकीय

# सिद्धांत और व्यावहारिकता के संतुलन में भारत की वैश्विक भूमिका

जी हां भारत के साथ चल रहे सैन्य तनाव के बीच पाकिस्तान को आई एम एफ द्वारा प्रदान किया गया 2.4 अरब डॉलर का ऋण बहुपक्षीय संस्थानों की तटस्थता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यह निर्णय अंतरराष्ट्रीय संगठनों की पारदर्शिता और निष्पक्षता की सीमाओं को उजागर करता है, विशेषकर तब जब कोई देश उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में अपने रणनीतिक हितों की रक्षा करना चाहता है। भारत के लिये आवश्यक हो गया है कि वह बहुपक्षीय मंचों और लघु-गठबंधनों के बीच संतुलन साधते हुए एक सशक्त, समावेशी और उत्तरदायी वैश्विक व्यवस्था की दिशा में कार्य करे। आईये बात करते हैं बहुपक्षीय मंचों की भूमिका और वैश्विक चुनौतियों के समाधान की। जलवायु परिवर्तन, महामारी और आर्थिक संकट जैसे मुद्दों के समाधान के लिये बहुपक्षीय मंच महत्वपूर्ण हैं। पेरिस समझौता और कोवेक्स पहल जैसे उदाहरण यह दशार्ते हैं कि कैसे विभिन्न देश मिलकर साझा लक्ष्यों की प्राप्ति कर सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र चार्टर और डबल्यू टी ओ जैसी संस्थाएँ अंतरराष्ट्रीय नियमों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इनके माध्यम से वैश्विक व्यापार और सुरक्षा संबंधी विवादों का शांतिपूर्ण समाधान संभव होता है। डबल्यू टी ओ की विवाद निपटान प्रणाली ने 1995 से अब तक 600 से अधिक विवाद सुलझाए हैं। बहुपक्षीय मंच छोटे और कमजोर देशों को वैश्विक निर्णयों में भागीदारी का अवसर देते हैं। भारत द्वारा आयोजित 'वॉयस ऑफ द ग्लोबल साउथ' शिखर सम्मेलन इस बात का उदाहरण है कि कैसे विकासशील देशों के हितों को उभारा जा सकता है। आई एम एफ और विश्व बैंक जैसे संस्थान आर्थिक स्थिरता और विकास में सहायक हैं। भारत जैसे देश को जी20 और डबल्यू टी ओ के माध्यम से निवेश, व्यापार और विकास परियोजनाओं में साझेदारी का अवसर प्राप्त होता है। संयुक्त राष्ट्र की सतत विकास लक्ष्य रिपोर्टिंग और डबल्यू टी ओ में एन जी ओ की भागीदारी वैश्विक निर्णयों में पारदर्शिता सुनिश्चित करती है। इससे शासन प्रणाली में विश्वास भी बढ़ता है। लाइफ अभियान और अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन जैसे प्रयास भारत की सॉफ्ट पॉवर और मानदंड आधारित कूटनीति का उदाहरण हैं। ये पहल वैश्विक नैतिकताओं और पर्यावरणीय लक्ष्यों को बढ़ावा देती हैं। आतंकवाद, साइबर सुरक्षा और महामारी जैसी चुनौतियों से निपटने में बहुपक्षीय सहयोग अत्यंत आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना और आतंकवाद-रोधी समिति जैसे मंच सुरक्षा तंत्र को मजबूत करते हैं। 2008 का आर्थिक संकट और कोविड-19 महामारी ऐसे उदाहरण हैं जब जी20 और डबल्यू एच ओ जैसे मंचों ने तेज, समन्वित और न्यायपूर्ण हस्तक्षेप की भूमिका निभाई। इससे वैश्विक पुनर्प्राप्ति और लचीलापन सुनिश्चित हुआ। बहुपक्षीय मंचों की प्रासंगिकता में गिरावट के कारण पर गौर करें तो अमेरिका, चीन और रूस जैसी शक्तियों के बीच वैचारिक टकराव से बहुपक्षीय मंचों की कार्यक्षमता प्रभावित होती है। रूस-यूक्रेन युद्ध में संयुक्त राष्ट्र की निष्क्रियता इसका उदाहरण है। भारत-पाक तनाव के बीच आई एम एफ द्वारा पाकिस्तान को ऋण देना इसी प्रवृत्ति की ओर संकेत करता है। देश अब बहुपक्षीयता के स्थान पर द्विपक्षीय समझौतों को प्राथमिकता दे रहे हैं। भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और भारत-यू ए ई मुद्रा स्वैप जैसे समझौते इसका प्रमाण हैं। डबल्यू टी ओ की दोहा वार्ता लंबे समय से रुकी हुई है, जिससे इसकी प्रासंगिकता पर प्रश्न उठते हैं। कई बहुपक्षीय समझौते स्वैच्छिक अनुपालन पर आधारित होते हैं। जलवायु समझौतों में भी कई बार देशों द्वारा लक्ष्यों की अवहेलना देखी गई है। इस पर निगरानी और दंड का अभाव कार्यान्वयन को कमजोर करता है।यू एन एस सी जैसे मंचों में स्थायी सदस्यता की व्यवस्था आज भी 1945 की संरचना पर आधारित है। भारत जैसे देश की स्थायी सदस्यता की मांग वर्षों से लंबित है। इस असमानता से विकासशील देशों का विश्वास कमजोर होता है।बहुपक्षीय संस्थाएं अक्सर धीमी, अक्षम और नौकरशाही से ग्रसित होती हैं। तेज निर्णय लेने और नवाचार की क्षमता की कमी उन्हें बदलती वैश्विक आवश्यकताओं के अनुकूल नहीं बनाती। आईये देखते हैं भारत की रणनीतिक दिशाः सिद्धांत और व्यावहारिकता के संतुलन पर। भारत को यू एन, डबल्यू टी ओ और आई एम एफ जैसे संस्थानों में संरचनात्मक सुधार की वकालत करनी चाहिए, ताकि उन्हें अधिक समावेशी, उत्तरदायी और प्रासंगिक बनाया जा सके। भारत की यू एन एस सी में स्थायी सदस्यता की मांग इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत को जहाँ एक ओर पारंपरिक मंचों में सक्रिय रहना है, वहीं क्वाड, आई 2 यू 2 और ब्रिक्स जैसे केंद्रित गठबंधनों में अपनी भागीदारी को भी मजबूत करना है। इससे उसे लचीले और तीव्र निर्णय लेने वाले सहयोग का लाभ मिलेगा। भारत को अमेरिका, जापान और यूरोपीय संघ जैसे विकसित देशों के साथ तकनीकी, आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को गहराना होगा, ताकि वह वैश्विक नेतृत्व में प्रभावशाली भूमिका निभा सके। भारत को विकासशील देशों की आवाज को वैश्विक मंचों पर प्रस्तुत करने के अपने प्रयासों को और मजबूत करना चाहिए। जलवायु न्याय, खाद्य सुरक्षा और वित्तीय समानता जैसे मुद्दों पर उसे नेतृत्व प्रदान करना चाहिए। डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचा, डिजिटल पेमेंट, और फिनटेक में भारत की सफलता को वैश्विक मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर उसे सॉफ्ट पॉवर के रूप में इस्तेमाल करना चाहिए। अंत में कह सकते हैं कि भारत आज एक ऐसे मुकाम पर खड़ा है जहाँ वह बहुपक्षीयता की नैतिकता और क्षेत्रीय व्यावहारिकता के बीच संतुलन बनाकर वैश्विक व्यवस्था को अधिक उत्तरदायी, समावेशी और स्थायी बना सकता है। उसे चाहिए कि वह अपने रणनीतिक हितों की रक्षा करते हुए वैश्विक नेतृत्व के नैतिक और व्यावहारिक पहलुओं को समरस कर सके। इसके लिए भारत को अपनी नीतियों में सतत सुधार, बहुपक्षीय मंचों में सक्रिय भागीदारी और लघु गठबंधनों के प्रति लचीला दृष्टिकोण अपनाना होगा। यही सिद्धांत और व्यावहारिकता का मिश्रण भारत को एक उत्तरदायी वैश्विक शक्ति में रूपांतरित कर सकता है।

## आज का राशिफल

**मेषः** आज धार्मिक आयोजनों में भागीदारी संभव है। समय पर कार्य पूरे होने से संतोष मिलेगा। सहकर्मियों से संबंध मधुर बनाए रखें। विदेश यात्रा के योग बन सकते हैं। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। प्रेम संबंधों में भावनात्मक समझ जरूरी होगी।

**वृषभः** जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बितेगा, लेकिन कार्यस्थल पर तालमेल की चुनौती हो सकती है। दूसरों की बातों पर तुरंत प्रतिक्रिया न दें। आज के दिन आप विवादों से दूरी रखें और अप्रमाणित जानकारी साझा न करें।

**मिथुनः** व्यापार में अनुकूल परिणाम मिलेंगे। प्रेम संबंध मजबूत होंगे। आज आपके लिए पर्यटन या छुट्टी की योजना बन सकती है। आज परिवार में किसी मेहमान का आगमन संभव है। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा।

**कर्कः** कार्यक्षेत्र में थोड़ा दबाव महसूस हो सकता है। आज के दिन अनावश्यक प्रतिक्रियाओं से बचें। आज आप अपने गुस्से को काबू में रखें। मन में उलझनें रह सकती हैं। किसी भी आर्थिक निर्णय से पहले विशेषज्ञ से सलाह लें।

**सिंहः** आज के दिन कारोबारी यात्राएं आपके लिए लाभकारी रहेंगी। आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और नये व्यापार की शुरूआत के लिए आज का दिन उत्तम है। आज कोई लंबित कार्य शाम तक पूरा हो सकता है।

**कन्याः** आज आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। तकनीकी क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज लाभ मिलेगा। शेयर बाजार से मुनाफा संभव है। खर्चों पर नियंत्रण रखें। विवाह योग्य जातकों के लिए शुभ समाचार मिल सकता है।

**तुलाः** आज आपके लिए नया कार्य प्रारंभ करने का अच्छा समय है। आज के दिन तीर्थयात्रा की योजना बनने के योग हैं। पुराने विवाद सुलझ सकते हैं। कार्यक्षेत्र में नई मित्रता हो सकती है। लोन चुकाने के लिए उचित समय है।

**वृश्चिकः** आज आप व्यक्तिगत जीवन को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे। आज के दिन महिलाओं को पारिवारिक चिंताएं रह सकती हैं। आज के दिन आपको अनुसंधान व विश्लेषणात्मक कार्यों में सफलता मिल सकती है।

**धनुः** आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। आज आपके दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी। आज आपके लिए नए व्यापारिक समझौते संभव हैं। सामाजिक उत्सवों में भागीदारी हो सकती है। अपरिचित लोगों से दूरी बनाकर रखें।

**मकरः** आज आपको नई स्किल सीखने का अवसर मिलेगा। आज के दिन अपने प्रेम संबंधों में स्पष्टता रखें। छात्र करियर को लेकर आज मार्गदर्शन लें। आज के दिन आपको उच्चाधिकारियों से सकारात्मक व्यवहार मिलेगा।

**कुंभः** आज आपके लिए नये व्यापार में साझेदारी के योग हैं। आज आप जीवनसाथी को कोई उपहार दे सकते हैं। बच्चों की शिक्षा या करियर को लेकर सोच-विचार करेंगे। आज के दिन ध्यान और योग से मानसिक संतुलन बना रहेगा।

**मीनः** सरकारी कर्मचारियों को आज के दिन थोड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। आज अधूरे कार्यों को पूरा करने की आवश्यकता होगी। आज के दिन आप नकारात्मक संगति से दूर रहें और आत्मविश्वास बनाए रखें।

# गुरु अर्जन देव के विचारों में जीवन-दर्शन की झलक

गुरु परंपरा की महिमा अपार है। भारतीय सनातन संस्कृति में गुरु का स्थान अत्यंत पूज्य माना गया है। इसी गौरवशाली परंपरा में सिख धर्म के पंचम गुरु अर्जन देव जी का स्थान विशिष्ट है। 30 मई को उनका शहीद दिवस है। उनके विचारों में संपूर्ण जीवन-दर्शन की झलक है। उन्होंने अपने जीवन और विचारों के माध्यम से संपूर्ण मानव जाति को सत्य, सेवा और समर्पण का मार्ग दिखाया। गुरु अर्जन देव न केवल धार्मिक संत, बल्कि महान समाज सुधारक, कुशल संगठक और ज्ञान के अद्वितीय स्त्रोत थे। उन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मानवता की सर्वोच्चता को महत्व दिया। वे सभी धर्मों का सम्मान करते थे और बिना किसी भेदभाव के सभी की सहायता और सेवा करते थे। उनके पास दूर-दूर से विभिन्न धर्मों और आस्थाओं के लोग ज्ञान, शांति और मार्गदर्शन की खोज के लिए पहुंचते थे।

एक बार एक श्रद्धालु उनके पास पहुंचा और अत्यंत भावुक होकर कहने लगा कि गुरुजी, आपकी संगति में रहकर मैंने जीवन का सच्चा मार्ग जाना है। अब मैं लड़ाई-झगड़ों से दूर रहता हूं, सत्य के मार्ग पर चलता हूं और लोगों से प्रेम करता हूं, इसीलिए अब लोग भी मुझसे स्नेह करने लगे हैं। पहले कोई मेरा चेहरा तक नहीं देखना चाहता था लेकिन अब सभी मुझसे स्नेहपूर्वक मिलते हैं। यह सुनकर गुरु अर्जन देव मुस्कराए और बोले कि यदि समस्त मानव जाति इस सत्य का बोध कर ले तो यह संसार स्वर्ग बन जाएगा। उस श्रद्धालु ने स्वर्ण मुद्राओं से भरी एक थैली निकालकर गुरु जी की ओर बढ़ाई और आग्रहपूर्वक कहा कि मैं आपको यह भेंट देना चाहता हूं। उन्होंने विनम्रतापूर्वक स्वर्ण मुद्राएं लेने से मना कर दिया और कहा कि ज्ञान अनमोल होता है, उसका कोई मूल्य नहीं होता। यह निःस्वार्थ और निःशुल्क दिया जाता है। श्रद्धालु ने फिर भी आग्रह किया कि यह ज्ञान की कीमत नहीं बल्कि उसकी श्रद्धा का प्रतीक है। इस पर गुरु अर्जन देव ने कहा कि यदि तुम सचमुच कुछ देना ही चाहते हो तो इस ज्ञान को दुनिया में बांटो क्योंकि ज्ञान प्रसाद की भांति होता है और इसका वितरण ही इसकी सच्ची पूजा है। श्रद्धालु यह सुनकर भावविभोर हो गया और गुरु जी के चरणों में नतमस्तक होकर बोला कि आज आपने मुझे जीवन का सबसे बड़ा सत्य बता दिया।

गुरु अर्जन देव का जीवन अनेक शिक्षाप्रद प्रसंगों से भरा है। एक बार

श्वेता गोयल (हि.स.)

बाला और कृष्णा नामक दो पंडित गुरु अर्जन देव के पास आए और बोले कि महाराज! हम कथा सुनाकर दूसरों को आत्मिक शांति तो देते हैं लेकिन स्वयं हमारे मन को शांति नहीं मिलती। हम क्या करें? गुरु अर्जन देव ने उन्हें बहुत सरल लेकिन गहन उत्तर दिया। उन्होंने कहा कि जब तक तुम कथा वाचन को धन प्राप्ति का माध्यम समझकर करते रहोगे, तब तक तुम्हारा मन कभी शांत नहीं हो सकता। जब तक कर्म में निष्काम भाव नहीं होगा, तब तक आत्मिक शांति मिलना असंभव है। उन्होंने पंडितों से कहा कि कथा करते समय अपने मन को शुद्ध करो, कथा को परमात्मा की उपस्थिति में किया गया एक पवित्र कार्य मानो और जो उपदेश दूसरों को देते हो, उसे स्वयं भी जीवन में उतारो। यही वह मार्ग है, जिससे तुम्हारा चंचल और अशांत मन भी सच्ची शांति का अनुभव करेगा।

गुरु अर्जन देव के ये उपदेश आज भी सार्थक और मूल्यवान हैं। गुरु अर्जन देव केवल उपदेशक नहीं थे बल्कि उन्होंने अपने जीवन में हर उस आदर्श को जिया, जो वे दूसरों को सिखाते थे। उन्होंने सेवा, विनम्रता और त्याग की ऐसी मिसाल पेश की, जो युगों-युगों तक स्मरणीय रहेगी। आज के यांत्रिक और आत्मकेंद्रित युग में जहां मानवता हाशिये पर पहुंच गई है और लोग मानसिक अशांति से जूझ रहे हैं, वहां गुरु अर्जन देव के विचार एक प्रकाश स्तंभ की तरह मार्गदर्शन करते हैं। गुरु अर्जन देव का मानना था कि मन की शांति ही सच्चे सुख का मार्ग है। भौतिक वस्तुएं चाहे कितनी भी मिल जाएं लेकिन यदि मन अशांत है तो व्यक्ति कभी भी सच्चा सुख अनुभव नहीं कर सकता। उन्होंने जीवनभर सेवा, संतोष और आत्मसमीक्षा को प्राथमिकता दी।

आज अधिकांश लोग मानसिक अशांति, चिंता और अवसाद जैसी समस्याओं से ग्रसित हैं। इसका मूल कारण यही है कि लोग अपने जीवन में आत्मसंतोष नहीं पा पाते। जब तक मन में संतुष्टि नहीं होगी, तब तक शांति भी नहीं मिल सकती। आत्मसंतोष और आंतरिक संतुलन ही सच्ची मन की शांति का मार्ग है। मन को शांत रखने का सबसे अच्छा उपाय है, सेवा का भाव, निष्काम कर्म और सत्य के मार्ग पर चलना। गुरु अर्जन देव की वाणी और उनका जीवन-दर्शन हमें सिखाता है कि सच्ची शांति केवल बाहरी साधनों से नहीं बल्कि आत्ममंथन, सेवा और निष्काम कर्म से मिलती है। यदि हम प्रतिदिन कुछ समय केवल अपने मन के साथ बिताएं, स्वयं से संवाद करें और आत्मा की आवाज को सुनें तो न केवल हमारी मानसिक शांति लौटेगी बल्कि हम एक बेहतर इंसान बन पाएंगे। उन्होंने शिक्षा दी कि बलिदान केवल शरीर का नहीं होता अपितु अपने विचारों, इच्छाओं और लालसाओं का भी होता है। उनका बलिदान इस बात का प्रतीक है कि सत्य और धर्म की रक्षा के लिए केवल शब्दों की नहीं, आचरण और संघर्ष की भी आवश्यकता होती है। उन्होंने अपनी शहादत से यह सिद्ध कर दिया कि जीवन की सार्थकता केवल जीने में नहीं बल्कि सत्य के लिए जीने और मरने में है।

**(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

# दवा से परे टीबी का उपचार

डॉ मनीषा वर्मा, अपर महानिदेशक (मीडिया), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

जिनेवा में हाल ही में संपन्न विश्व स्वास्थ्य सभा में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के भारत को ट्रेकोमा-मुक्त घोषणा करना, केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि नहीं है। यह सामूहिक राष्ट्रीय इच्छाशक्ति का एक उत्कृष्ट प्रमाण है। स्वच्छता, सफाई और जागरूकता में दशकों के सक्रिय प्रयासों से प्राप्त यह उपलब्धि, इस बात का परिचायक है कि भारत तपेदिक (टीबी) से किस प्रकार निपट रहा है। वास्तव में, ट्रेकोमा पर जीत की गूंज, टीबी-मुक्त भारत की दिशा में राष्ट्र के महत्वाकांक्षी अभियान में दृढ़ता को दशार्ती है।

जिस तरह मौलिक सार्वजनिक स्वास्थ्य सिद्धांतों पर निरंतर ध्यान ने ट्रेकोमा के खिलाफ लड़ाई को रेखांकित किया, उसी तरह टीबी के खिलाफ वर्तमान लड़ाई भी समान रूप से व्यापक और महत्वपूर्ण रूप से गहराई से निहित जनभागीदारी यानी लोगों की भागीदारी के सिद्धांत के साथ लड़ी जा रही है। यह केवल एक नारा नहीं है, बल्कि यह सरकार की रणनीति का आधार है। हाल ही में शुरू किया गया 100-दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान इस संकल्प का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस अभियान के अंतर्गत 12 करोड़ 97 लाख लोगों की जांच की गई और 7 लाख 19 हजार से अधिक टीबी रोगियों की जानकारी दी गई।

लेकिन जो बात इस प्रयास को अलग बनाती है, वह है टीबी के सामाजिक लक्षणों को खत्म करने की समानांतर प्रतिबद्धता। 13 करोड़ 46 लाख 'नि-क्षय शिविर' या सामुदायिक जांच और जागरूकता शिविरों का आयोजन, इस मान्यता के बारे में बहुत कुछ कहता है कि प्रभावी उपचार, दवा से परे कलंक, मिथकों और गलत सूचनाओं के उन्मूलन तक फैला हुआ है।

टीबी उन्मूलन के संदर्भ में जन-भागीदारी जीवंत और बहुआयामी है। यह एक ऐसा तंत्र है जो आशा और आंगनवाड़ी कार्यकताओं जैसे सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकताओं के अथक समर्पण का समर्थन करता है, जो दूरदराज के गांवों में संपर्क का सबसे मूल्यवान माध्यम हैं। वे संभावित मामलों की पहचान करने, उपचार नियमों का पालन सुनिश्चित करने और महत्वपूर्ण पोषण सहायता प्रदान करने वाले गुमनाम नायक हैं। इस नींव पर स्थानीय स्वयं-सहायता समूहों, गैर-सरकारी संगठनों और आस्था-आधारित संगठनों द्वारा संसाधनों को जुटाने से महत्वपूर्ण रोगी सहायता नेटवर्क स्थापित करके समुदाय-नेतृत्व वाले इस प्रयास को और मजबूती मिलती है।

हालांकि, अग्रिम पंक्ति के इन योद्धाओं के मैदान में उतरने से पहले ही, भारत के सशक्त मीडिया द्वारा जमीन तैयार की जा रही है। 100 दिवसीय अभियान का आकर्षक नारा, 'जन-जन का रखे ध्यान, टीबी-मुक्त भारत अभियान', सिर्फ.एक आकर्षक मुहावरा नहीं है, यह एक राष्ट्रीय आह्वान है जो असंख्य स्थानीय भाषाओं में टेलीविजन, रेडियो और सार्वजनिक स्थानों पर गूंज रहा है। इस व्यापक जागरूकता सृजन को अटूट राजनीतिक इच्छाशक्ति द्वारा महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा दिया गया है जिसमें माननीय प्रधानमंत्री सहित सरकार के सर्वोच्च स्तर के अधिकारी लगातार भारत की प्रगति का आधार रख रहे हैं। माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री के तत्वावधान में एक 'संपूर्ण-सरकार' का दृष्टिकोण जिस तरह से मंत्रालयों में सहयोग को बढ़ावा दे रहा है और राज्य स्तर पर सक्रिय प्रयास जारी है, वह एकीकृत राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

टीबी के खिलाफ भारत की लड़ाई की एक और आधारशिला, इसकी पंचायती राज संस्थाओं की व्यापक पहुंच है। 2,50,000 से ज्यादा पंचायतें टीबी उन्मूलन को चर्चा में ला रही हैं और सरपंचों तथा ग्राम प्रधानों को सार्वजनिक स्वास्थ्य के अग्रणी के रूप में शामिल कर रही हैं। टीबी के बारे में अब खुलकर चर्चा की जाती है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ग्रामीण स्तर पर इस पर कार्रवाई की जाती है।

### सार्वजनिक स्वास्थ्य सहयोगी के रूप में मीडिया

इस महान प्रयास में मीडिया की भूमिका अपरिहार्य है। सरकारी पहलों, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और समुदाय द्वारा संचालित उपायों की प्रेरक कहानियों पर प्रकाश डालकर, मीडिया जनता का विश्वास बढ़ाता है और देखभाल के लिए आगे आने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह विकेंद्रीकृत, जन-केंद्रित मॉडल निक्षय-मित्र पहल के रूप में अपनी अभिव्यक्ति को उजागर करता है। पोषण और टीबी उपचार परिणामों को जोड़ने वाले भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के साक्ष्य के बारे में व्यापक मीडिया कवरेज ने सामुदायिक कार्रवाई की एक शक्तिशाली लहर को प्रज्वलित किया, जिससे निगम, गैर-सरकारी संगठन, व्यक्ति और यहां तक कि बच्चे भी निक्षय मित्र बनने के लिए आगे आए। हाल ही में 100 दिनों के अभियान के दौरान 1.05 लाख से अधिक निक्षय मित्रों द्वारा टीबी रोगियों और उनके परिवारों को 3.06 लाख से अधिक खाद्य टोकरियां वितरित की गईं, जो जमीनी स्तर पर इस दृष्टिकोण के दूरगामी प्रभाव को स्पष्ट रूप से उजागर करती हैं।

संभवतः सबसे शक्तिशाली रूप से, टीबी से उबरने वाले लोगों के विजेता के रूप में सामने आने से यह कहानी बदल गई है। ये व्यक्ति, सफलतापूर्वक अपने स्वयं के ठीक होने की कहानी को आगे बढ़ाते हुए, अब अभिन्न सहयोगी हैं, जो सहानुभूति, मार्गदर्शन और प्रमाण देते हैं कि टीबी पूरी तरह से उपचार-योग्य है। उनका संरचित प्रशिक्षण- जहां वे टीबी को समझते हैं, वे तरीके जिनसे यह रोगी को मनोवैज्ञानिक रूप से प्रभावित करता है तथा सामुदायिक नेटवर्क बनाने की तकनीकें - तथा अनुभवों को सार्वजनिक रूप से साझा करने से उपचार अनुपालन को प्रेरित करता है तथा महत्वपूर्ण सामुदायिक सहानुभूति का निर्माण करता है।

जैसे-जैसे देश टीबी-मुक्त भारत की ओर अग्रसर हो रहा है, इन प्रमुख उत्प्रेरकों और जन-भागीदारी की भावना के बीच निरंतर तालमेल सर्वोपरि होगा। सूचना देने, प्रेरित करने और लोगों को संगठित करने की उनकी संयुक्त शक्ति निस्संदेह भारत की सबसे बड़ी संपत्ति है। प्रौद्योगिकी का रणनीतिक लाभ उठाकर, नवीन संचार रणनीतियों को बढ़ावा देकर और सामुदायिक भागीदारी को मजबूत करके, भारत केवल एक बीमारी को खत्म करने का प्रयास नहीं कर रहा है, वह एक स्वस्थ, अधिक सक्रिय समाज का भी निर्माण कर रहा है जहां हर नागरिक जागरूक है, हर रोगी को सहायता दी जाती है और जहां टीबी वास्तव में अतीत की बात बन जाती है।

# खरीफ की फसल की बुवाई से पहले एमएसपी की घोषणा अच्छा कदम

केन्द्र सरकार की खरीफ फसल की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की घोषणा धरती पुत्रों के फायदे के लिए लिए अच्छा कदम है। खरीफ की बुवाई से पहले की गई इस घोषणा को सकारात्मक माना जाना चाहिए। इसमें कोई दोराय नहीं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार भविष्य की रणनीति के तहत आवश्यकतानुसार उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध नजर आ रही है।किसानों को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी कदम बढ़ाए जा रहे हैं। सरकार ने श्रीअन्न को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का सफल प्रयास कर अब देश को दलहन और तिलहन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी सार्थक प्रयास कर रही है। 2027 तक दलहन के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ सरकार आगे बढ़ रही है तो तिलहन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रयास किए जा रहे हैं।

केंद्र सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आगामी खरीफ के लिए घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य में रामतिल के भाव में सर्वाधिक 820 रुपये की बढ़ोतरी करते हुए इसे 9537 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया है। तिल की एमएसपी में 579 रुपये, सोयाबीन में 436 रुपये, सूरजमुखी में 441 रुपये और मूंगफली की एमएसपी में 480 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। उड़द में 400 रुपये तो मूंग की एमएसपी में 86 रुपये और अरहर की एमएसपी में 450 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। बाजरा, रागी, ज्वार, कपास, धान आदि अन्य खरीफ फसलों की एमएसपी दर में भी बढ़ोतरी की गई है।

जहां तक एमएसपी दर की घोषणा की बात है सरकार की इच्छा शक्ति पर किसी तरह का संदेह नहीं किया जा सकता है। मोदी सरकार के 2013-14 से 2025-26 तक के कार्यकाल की एमएसपी दरों में बढ़ोतरी निश्चित रूप से सकारात्मक दिशा में बढ़ता कदम माना जा सकता है। 2013-14 की तुलना में 226 प्रतिशत की बढ़ोतरी रागी के समर्थन मूल्य में की गई है। बाजरा में 122 प्रतिशत तो ज्वार की एमएसपी में 147 प्रतिशत तक की बढोतरी हो चुकी है। दलहन और तिलहन की खरीफ फसलों में भी 82 प्रतिशत से रामतिल में 172 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। यह भी दावा है कि एमएसपी घोषणा करने से पहले सरकार ने फसलों की लागत के सभी पहलुओं को ध्यान में रखा।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा (हि.स.)

किसान आंदोलनों के दौरान सबसे अहम मुद्दा एमएसपी को लेकर ही रहता आया है। अब किसान नेताओं का कहना है कि सरकार एमएसपी पर खरीद की व्यवस्था भी सुनिश्चित करें। एफसीआई और नैफेड एमएसपी खरीद की नोडल एजेंसी हैं। कपास की खरीद सीसीआई करती है। एफसीआई व नैफेड की खरीद सुविधा में राज्यों की सहकारी विपणन संस्थाएं प्रमुखता से सहभागी रहती हैं। खरीद व्यवस्था को भी पारदर्शी और ऑनलाइन कर दिया गया है। रजिस्ट्रेशन से लेकर सीधे खातों में भुगतान तक की व्यवस्था की गई है। पर कहीं ना कहीं व्यवस्था में झोल अवश्य है। इसको यूं समझा जा सकता है कि एक समय था जब सरकारी खरीद शुरू होने की घोषणा और लगभग 10 से 15 प्रतिशत उत्पादन की खरीद होते होते मंडियों में भाव एमएसपी के आसपास आ जाते थे। इसका परिणाम यह होता था कि ना तो किसानों की नाराजगी रहती थी और ना ही अन्य कोई समस्या आती थी। ठीक इसके उलट आज खरीद व्यवस्था के पारदर्शी होने के बावजूद किसान अपने आप को ठगा महसूस करता है।

इसका एक बड़ा कारण तो यह है कि बाजरा आदि की खरीद तो सरकार किसी ना किसी बहाने टालती रहती है क्योंकि बाजरा की खरीद के बाद रखरखाव को लेकर संकट रहता है।सरकार का मानना है कि उसे नुकसान अधिक होता है क्योंकि खरीदा हुआ बाजरा जल्दी खराब हो जाता है। दूसरी ओर व्यवस्था को लाख पारदर्शी और जबावदेह बनाने के बावजूद बिचौलिये इस व्यवस्था का भरपूर लाभ उठाते हैं। कहीं कहीं तो खरीद केन्द्रों पर जितनी मात्रा में खरीद हो रही है वह उस क्षेत्र में उत्पादित पैदावार से भी अधिक हो जाती है।

इसके साथ ही किसानों की तात्कालीक आवश्यकताओं के चलते आढ़तियों की मौज रहती है।हालांकि इसे व्यवस्था का ही दोष माना जा सकता है। होना तो यह चाहिए कि जिन फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा सरकार करती है उन फसलों के तैयार होकर मंडियों में आने से पहले ही सरकार को खरीद की आवश्यक तैयारियां पूरी कर लेनी चाहिए। आज सरकार के पास उत्पादन का सारा डेटा उपलब्ध होता है। ऐसे में संभावित खरीद का आकलन भी सुनिश्चित हो जाना चाहिए।

न्यूनतम समर्थन मूल्य को लेकर सरकार को श्रीअन्न खासतौर से बाजरा आदि की खरीद की भी स्पष्ट नीति बनानी होगी। इसके लिए बाजार ताकतों को भी सक्रिय करना होगा ताकि बाजार में श्रीअन्न बाजरा आदि की मांग बढ़े और सरकारी खरीद ना होने की स्थिति में भी एमएसपी दर तो कम से कम उत्पादक किसान को बाजार में मिल सके। इसके लिए सरकार को इच्छाशक्ति के साथ आगे आना होगा। अब श्रीअन्न को प्रोत्साहित करने का हमारा दायित्व भी हो जाता है। इस क्षेत्र में काम कर रहे गैर सरकारी संगठनों को भी ठोस प्रयास करने होंगे।

**(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

# शहीदों के परिवारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है पंजाब की मान सरकार: मोहिंदर भगत

## पंजाब सरकार द्वारा शहीदों के परिवारों को सम्मानित करने के लिए राज्य स्तरीय समारोह आयोजित

संवाददाता
चंडीगढ़/ जालंधर

पंजाब के रक्षा सेवा कल्याण, स्वतंत्रता सेनानी और बागवानी मंत्री मोहिंदर भगत ने आज कहा कि राज्य सरकार शहीदों के परिवारों के कल्याण, सम्मान और समृद्ध जीवन को सुनिश्चित करने के लिए वचनबद्ध है और उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

वह आज यहां जिला रक्षा सेवाए कल्याण दफ्तर में पंजाब सरकार द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह में पंजाब सरकार द्वारा पिछले दो वर्षों में गौरव और कृतज्ञता योजना के तहत शहीदों के परिवारों को दी गई सरकारी नौकरियों के लाभार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल और रक्षा सेवाएं कल्याण पंजाब के निदेशक ब्रिगेडियर भूपिंदर सिंह ढिल्लों (सेवानिवृत) भी मौजूद थे।

कैबिनेट मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने शहीद सैनिकों के आश्रितों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए कई सैन्य समर्थकीय पहल की हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जहां शहीदों के वारिसों के लिए एक्स-ग्रेशिया राशि बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये कर दी है, वहीं पिछले दो सालों में 25 आश्रितों को विभिन्न संस्थाओं में सरकारी नौकरियां दी गई है। उन्होंने कहा कि भले ही यह मदद परिवार के नुक्सान की भरपाई नहीं कर सकती, लेकिन सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए अपना कर्तव्य निभा रही है कि उनकी आय का स्त्रोत बरकरार रहे और वे अपना जीवन बेहतर ढंग से जी सकें। श्री भगत ने कहा कि देश हमेशा उन पूर्व सैनिकों का ऋणी रहेगा जिन्होंने सीमाओं की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। देश की रक्षा करने वालों को बनता मान-सम्मान व सुविधाएं देने की वचनबद्धता दोहराते हुए उन्होंने

कहा कि पंजाब सरकार शहीदों व पूर्व सैनिकों के आश्रितों के मसलों को हल करने के लिए कटिबद्ध है और इसी वचनबद्धता के तहत स्थानीय सैनिक कल्याण दफ्तर में फील्ड दफ्तर शुरू किया गया है।

अलावा विभिन्न जिलों में पूर्व सैनिकों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनकर उनका समाधान किया जा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने शहीदों के पारिवारिक सदस्यों की समस्याएं भी सुनीं और उन्हें उचित समाधान का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने पूर्व सैनिकों से पंजाब सरकार द्वारा नशे के खिलाफ शुरू की गई मुहिम ह्युद्ध नशे के विरुद्ध ह्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह उन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अपनी बहुमूल्य सेवाएं दी हैं, उसी तरह वे नशे के खिलाफ मुहिम में भी पंजाब सरकार का डटकर साथ दें ताकि इस बुराई को जड़ से खत्म किया जा सके। समारोह में जिला फतेहगढ़ के गांव कायपूर अरायण अमलोह के शहीद नायक गुरजंट सिंह, गांव बदेशे मलेरकोटला के शहीद सिपाही गुरप्रीत सिंह, शहीद एच.सी./जी.डी. मीठा सिंह, 36वीं बटालियन सीआरपीएफ, जिला मानसा, शहीद सिपाही प्रभजोत सिंह, गांव बूडॉ गुज्जर, जिला श्री मुक्तसर साहिब, शहीद नायक मनदीप सिंह, गांव चट्ठा, जिला गुरदासपुर, शहीद नायक गज्जन सिंह, पचरंडा, जिला रूपनगर, शहीद हवलदार गुरनिंदर सिंह, गांव गनुरा, जिला रूपनगर, शहीद सिपाही अमरदीप सिंह, गांव करमगढ़, जिला बरनाला, शहीद सिपाही वरिंदर सिंह, लहरागागा, जिला संगरूर, शहीद गनर जसबीर सिंह, गांव वैइपूई, जिला तरनतारन, नायक गुरजंट सिंह, शोरेया चक्र, (मरणोपरांत) गांव रल्ला, जिला मानसा, शहीद सिपाही जसमन सिंह, गांव ढिलवां, जिला बरनाला, शहीद इंस्पेक्टर मोहिंदर सिंह, नारायणगढ़, जिला अमृतसर, शहीद सिपाही राजेश कुमार, गांव जंडियाली, जिला लुधियाना, शहीद सिपाही जगसीर सिंह, गांव लोहगढ़ ठाकरावाला , जिला फिरोजपुर, शहीद लांस कुलदीप सिंह, बठिंडा, शहीद लांस कॉर्पोरल नायक कुलदीप सिंह गांव लाहोके कलां, जिला फिरोजपुर आदि मौजूद रहे।

# कैबिनेट सब-कमेटी द्वारा विभिन्न कर्मचारी यूनियनों के साथ बैठकें

संवाददाता
चंडीगढ़

वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा की अगुवाई में बनी कैबिनेट सब-कमेटी द्वारा आज विभिन्न कर्मचारी यूनियनों के प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण सिलसिलेवार बैठकें की गईं। इन बैठकों के दौरान यूनियनों की जायज समस्याओं के समाधान के लिए विस्तारपूर्वक विचार-विमर्श किया गया ताकि इनका शीघ्र और उपयुक्त हल निकाला जा सके।

आज के व्यापक विचार-विमर्श में भाग लेने वाली यूनियनों में पावरकॉम और ट्रांसको कॉन्ट्रैक्ट एम्पलाईज यूनियन, होम गार्ड एसोसिएशन, पंजाब पुलिस कोरोना वॉरियर्स यूनियन, सरकारी आई.टी.आई. कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी यूनियन, सर्व समग्र शिक्षा अभियान (मिड-डे मील) दफ्तरी कर्मचारी यूनियन, मुड बहाल कच्चे अध्यापक यूनियन, विशेष अध्यापक (आई ई आर टी) यूनियन और मास्टर कैडर यूनियन शामिल थीं।

वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने यूनियनों के प्रतिनिधियों से गहराई से बातचीत करते हुए उन्हें अपनी चिंताओं और मांगों को विस्तृत रूप से रखने के लिए आवश्यक मंच प्रदान किया। इन बैठकों के दौरान संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे ताकि यूनियनों द्वारा उठाए गए मुद्दों और मांगों पर विभाग की राय और वर्तमान स्थिति पर चर्चा की जा सके।

बैठकों के बाद वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की अपने कर्मचारियों की शिकायतों के समाधान के लिए अटल प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि 'आप' सरकार ने एक दशक से अधिक समय से संघर्ष कर रही कई कर्मचारी यूनियनों के साथ सक्रियता से बातचीत कर उनके मुद्दों का समाधान करने में सफलता प्राप्त की है। उन्होंने यूनियनों के प्रतिनिधियों को भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार उनकी जायज मांगों पर सक्रिय रूप से काम कर रही है ताकि न्यायसंगत और आवश्यक समाधान निकाला जा सके।

आज हुई बैठकों के दौरान पावरकॉम और ट्रांसको कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी यूनियन के प्रधान बलिहार सिंह, होम गार्ड एसोसिएशन के प्रधान गुरदीप सिंह, पंजाब पुलिस कोरोना वॉरियर्स यूनियन के प्रधान गुरबाज सिंह, सरकारी आई.टी.आई. कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी यूनियन के प्रधान सेवा सिंह, सर्व समग्र शिक्षा अभियान (मिड-डे मील) दफ्तरी कर्मचारी यूनियन के प्रधान कुलदीप सिंह, मुड बहाल कच्चे अध्यापक यूनियन के प्रधान विशाल साहनी, विशेष अध्यापक (आई ई आर टी) यूनियन के प्रधान रमेश कुमार और मास्टर कैडर यूनियन के प्रधान वाशिंगटन सिंह ने अपनी-अपनी यूनियनों की ओर से पक्ष रखा।

# पंजाब सरकार ने अनुसूचित जातियों के लाभार्थियों के लिए 37.50 करोड़ रुपये की राशि जारी की: डॉ. बलजीत कौर

संवाददाता
चंडीगढ़

सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि पंजाब सरकार द्वारा आशीर्वाद योजना के तहत वित्त वर्ष 2025-26 में अनुसूचित जातियों के 7352 लाभार्थियों को 37.50 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। इस संबंध में और जानकारी देते हुए मंत्री ने बताया कि अनुसूचित जातियों के लिए आशीर्वाद योजना के तहत जिला बरनाला, बठिंडा, फरीदकोट, श्री फतेहगढ़ साहिब, फाजिल्का, गुरदासपुर, होशियारपुर, जालंधर, कपूरथला, मानसा, मोगा, श्री मुक्तसर साहिब, पटियाला, पठानकोट, रूपनगर, एसएएस नगर (मोहाली), संगरूर, मालेरकोटला और तरनतारन से प्राप्त कुल 7352 आवेदन इस वर्ष आशीर्वाद पोर्टल पर प्राप्त हुए थे, जिनके लिए 37.50 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई। डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि जारी राशि से बरनाला के 313, बठिंडा के 826, फरीदकोट के 166, फतेहगढ़ साहिब के 178, फाजिल्का के 360, गुरदासपुर के 104, होशियारपुर के 731, जालंधर के 837, कपूरथला के 69 लाभार्थियों को वित्तीय सहायता दी गई है। इसी प्रकार मानसा के 310, मोगा के 360, श्री मुक्तसर साहिब के 502, पटियाला के 630, पठानकोट के 112, रूपनगर के 158, एसएएस नगर के 159, संगरूर के 797, मालेरकोटला के 80, और तरनतारन के 660 लाभार्थियों को भी लाभ दिया गया है।

# जीरकपुर के लिए बड़ी खुशखबरी: नगर परिषद को जल्द ही नगर निगम का दर्जा मिलेगा, डॉ. रवजोत सिंह

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने आज जीरकपुर का दौरा करते हुए जीरकपुर नगर परिषद को नगर निगम का दर्जा देने की घोषणा की। शहर के तेजी से हो रहे शहरी विस्तार को देखते हुए उन्होंने कहा कि बेहतर पेयजल आपूर्ति, सीवरेज ट्रीटमेंट और सफाई जैसी सुविधाओं के प्रभावी प्रबंधन के लिए एक सशक्त स्थानीय निकाय की आवश्यकता है। उन्होंने विधायक कुलजीत सिंह रंधावा से अपील की कि नगर परिषद के माध्यम से एक औपचारिक प्रस्ताव स्थानीय निकाय विभाग को भेजा जाए ताकि प्रक्रिया जल्द शुरू की जा सके। उन्होंने पुष्टि की कि यह बदलाव जीरकपुर में आगामी नगर निगम चुनावों से पहले लागू कर दिया जाएगा। कैबिनेट मंत्री, जो सुबह सफाई और अन्य नागरिक सुविधाओ का निरीक्षण करने के लिए यहां पहुंचे थे, ने शहर में गंदगी की स्थिति पर नाराजगी जताते हुए सफाई कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने और व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। सुखना चोए जोकि चंडीगढ़ की तरफ से तरल वेस्टेज भी साथ लेकर जाता है, के बंद होने और उसमें कचरा जमा होने पर चिंता जताते हुए उन्होंने ड्रेनेज विभाग की मदद से मानसून से पहले उसकी तुरंत सफाई करवाने के आदेश दिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि चोए में कचरा न फेंकें, जिससे बाढ़ जैसी स्थिति बन सकती है। उन्होंने बल्लटाणा की फर्नीचर मार्केट का दौरा करते हुए घोषणा की कि सुखना चोए पर 5.96 करोड़ रुपये की लागत से एक उच्च स्तरीय पुल जल्द बनाया जाएगा, ताकि बारिश के दौरान लोगों को राहत मिल सके। डॉ. रवजोत सिंह ने पुरानी कालका रोड और ढकोली क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए सफाई कार्यों का जायजा लिया और अधिक सफाई कर्मचारियों की तैनाती के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़कों और गलियों की खराब स्थिति से लोगों के स्वास्थ्य पर असर पड़ता है।

उन्होंने बताया कि दो नए एसटीपी, एक 47 एमएलडी का और दूसरा 37 एमएलडी का जल्द स्थापित किए जाएंगे। पहला सनोली में बनेगा और जमीन जल आपूर्ति व सीवरेज बोर्ड को सौंप दी गई है, जबकि दूसरे के लिए जमीन की तलाश जारी है। विधायक रंधावा द्वारा पंचकूला से आने वाले अतिरिक्त पानी की समस्या उठाए जाने पर मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे हरियाणा सरकार के अधिकारियों से मिलकर इस मुद्दे का जल्द समाधान करें।

## संक्षिप्त-समाचार

### अब सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट के साथ भी उपलब्ध होगी नई निसान मैग्नाइट

**चंडीगढ़।** निसान मोटर इंडिया की लोकप्रिय एसयूवी नई निसान मैग्नाइट अब सरकार द्वारा प्रमाणित सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट के साथ भी उपलब्ध होगी। सीएनजी किट को देश के नियामकीय मानकों के अनुरूप मोटोजेन (थर्ड पार्टी) द्वारा डेवलप, मैन्यूफैक्चर और क्वालिटी एश्योर किया गया है। मोटोजेन किट के कंपोनेंट्स के लिए वारंटी देगी। यह पहल ग्राहकों को ध्यान में रखकर समाधान देने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दिखाती है। सरकार द्वारा अधिकृत फिटमेंट सेंटर पर किट को लगाया जाएगा। पूरा रेट्रोफिटमेंट मात्र 74,999 रुपये की अतिरिक्त कीमत पर उपलब्ध होगा। पर्यावरण के प्रति सचेत ग्राहकों को ध्यान में रखकर पेश की गई इको फ्रेंडली सीएनजी किट फिटमेंट को चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में उपलब्ध कराया जाएगा। पहले चरण में 7 राज्यों झ दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, केरल और कर्नाटक में निसान के ग्राहक निसान की अधिकृत डीलरशिप से सीएनजी किट इंस्टॉल करा सकेंगे। कुछ समय बाद दूसरे चरण में पूरे देश में इसे विस्तार दिया जाएगा।

### फोर्टिस मोहाली ने शुरू की वास्कुलर रोगों के इलाज के लिए एडवांस्ड क्लॉट रिट्रीवल तकनीक

**चंडीगढ़।** फोर्टिस अस्पताल मोहाली ने वास्कुलर रोगों (नसों से जुड़ी बीमारियों) के उपचार विशेष रूप से डीप वेन थ्रॉम्बोसिस (डीवीटी) के इलाज के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल के वास्कुलर सर्जरी विभाग ने डॉ. रावुल जिंदल (डायरेक्टर, वास्कुलर सर्जरी) के नेतृत्व में अत्याधुनिक नॉन-थ्रोम्बोलिटिक मैकेनिकल थ्रॉम्बेक्टॉमी उपकरणों को सफलतापूर्वक लागू किया है। ये उन्नत उपकरण उन मरीजों के लिए तेज, सुरक्षित और अधिक प्रभावी इलाज उपलब्ध कराते हैं जो शरीर में फैले बड़े रक्त के थक्कों (ब्लड क्लॉट्स) से पीड़ित है। डीप वेन थ्रॉम्बोसिस (डीवीटी) एक ऐसी स्थिति है जिसमें आमतौर पर टांगों की गहरी नसों में रक्त का थक्का जम जाता है। यदि इसका समय पर इलाज न किया जाए तो यह गंभीर जटिलताओं का कारण बन सकता है। पारंपरिक रूप से डीवीटी का इलाज एंटीकोएगुलेंट थैरेपी से किया जाता था, जो केवल थक्के को बढ़ने से रोकती है, लेकिन उसे सक्रिय रूप से हटाती नहीं है। फोर्टिस मोहाली अब अगली पीढ़ी के क्लॉट रिट्रीवल सिस्टम्स की सुविधा प्रदान कर रहा है, जिनमें पेनुम्ब्रा इंडिगो लाइटनिंग सिस्टम (एक वैक्यूम-आधारित, इमेज-गाइडेड एस्पिरेशन सिस्टम) और इनारी क्लॉटट्रीवर सिस्टम (एक कैथेटर-आधारित उपकरण जो बिना थ्रोम्बोलिटिक दवाओं के बड़े थक्कों को एक ही सत्र में हटाने के लिए डिजाइन किया गया है) शामिल हैं।

### ओजस्वी ठाकुर ने जर्मनी में आयोजित आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप में जीता सिल्वर मेडल

**चंडीगढ़।** लर्निंग पाथ्स स्कूल की प्रतिभाशाली छात्रा ओजस्वी ठाकुर ने जर्मनी के सुहल में आयोजित प्रतिष्ठित आईएसएसएफ- जूनियर वर्ल्ड कप की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीतकर देश और स्कूल का नाम रोशन किया है। विश्व भर के श्रेष्ठ युवा निशानेबाजों के साथ मुकाबला करते हुए ओजस्वी ने असाधारण कौशल, एकाग्रता और खेल भावना का प्रदर्शन किया। रोबिन अग्रवाल, डायरेक्टर, लर्निंग पाथ्स स्कूल, मोहाली ने कहा कि ओजस्वी की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार उपलब्धि न केवल उसकी कड़ी मेहनत और समर्पण को दशार्ती है, बल्कि यह हमारे विद्यालय के मूल्यों की भी एक सशक्त झलक है। उन्होंने ओजस्वी और उसके परिवार को इस अद्भुत सफलता के लिए हार्दिक बधाई दी।

### पावरग्रिड और पेक मिलकर बनाएंगे ऊर्जा क्षेत्र में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

**चंडीगढ़।** पावरग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पी जी सी आई एल) और पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (डीन टू बी यूनिवर्सिटी), चंडीगढ़ के बीच एक अहम सहमति बनी है, जिसके अंतर्गत कॉलेज में पावरग्रिड सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सी ओ ई) की स्थापना की जाएगी। यह केंद्र पूरी तरह से पी जी सी आई एल द्वारा उसकी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सी एस आर) पहल के अंतर्गत फंडेड किया जाएगा, जिसका उद्देश्य पैक की शैक्षणिक और अनुसंधान क्षमताओं को और मजबूत बनाना है। इस केंद्र की स्थापना का कुल अनुमानित बजट ₹17.19 करोड़ (सत्रह करोड़ उन्नीस लाख छब्बीस हजार रुपये) है। इस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की कल्पना एक अत्याधुनिक सुविधा के रूप में की गई है, जो विद्युत और ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे तेज बदलावों के बीच इनोवेशन, स्किल डेवलपमेंट और ज्ञान संवर्धन को मजबूती देगी। इस केंद्र में कई एडवांस्ड लेबोरेट्रीज स्थापित की जाएंगी, जिनमें रीयल-टाइम डिजिटल सिमुलेशन लैब शामिल होगी, जो पॉवर हार्डवेयर- इन - दी - लूप (पी एच आई एल) क्षमताओं से युक्त होगी और वास्तविक परिस्थितियों में सिस्टम के मूल्यांकन में सहायक होगी। इसके अलावा, एक साइबर सुरक्षा लैब भी स्थापित की जाएगी, जिसमें छात्र और शोधकर्ता डिजिटल सुरक्षा ढांचे का प्रैक्टिकल एक्सपीरिएंस प्राप्त कर सकेंगे। एक एसी-डीसी हाइब्रिड माइक्रो ग्रिड लैब की भी स्थापना होगी, जो लचीले और विस्तार योग्य पावर सिस्टम्स पर शोध कार्य को बढ़ावा देगी। इसके साथ ही, ई-मोबिलिटी लैब का निर्माण किया जाएगा, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहनों के चार्जिंग व्यवहार, कंट्रोलर संचालन और बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, कॉलेज की मौजूदा ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन लैब को भी नवीनतम माइक्रोप्रोसेसर-आधारित रिले और फेजर मेजरमेंट यूनिट (पी एम यू) तकनीकों से सुसज्जित किया जाएगा। इस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के जरिए छात्रों और शोधकताओं को एक ऐसा अनुभवात्मक वातावरण मिलेगा, जिसमें वे उच्च स्तरीय मॉडलिंग, सिमुलेशन और हार्डवेयर इंटीग्रेशन के माध्यम से लाइव प्रोजेक्ट्स और प्रशिक्षण से सीख सकेंगे।

# आईआईटी रोपड़ ने एनएम-आईसीपीएस लैब स्थापित करने के लिए सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज भिखीविंड, तरनतारन के साथ समझौता किया

संवाददाता
चंडीगढ़

तकनीकी शिक्षा और डिजिटल कौशल को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, आईआईटी रोपड़ प्रौद्योगिकी एवं नवाचार फाउंडेशन ने राष्ट्रीय अंत:विषय साइबर-भौतिक प्रणाली मिशन के तहत साइबर-भौतिक प्रणाली लैब स्थापित करने के लिए सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज भिखीविंड, तरनतारन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

आगामी उढर लैब अत्याधुनिक लाट डिवाइस, स्मार्ट सेंसर और उद्योग-ग्रेड प्रयोगात्मक किट से सुसज्जित एक अत्याधुनिक सुविधा होगी। यह छात्रों और शिक्षकों को स्मार्ट ऑटोमेशन, बुद्धिमान सिस्टम और उद्योग 4.0 प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में 100 से अधिक वास्तविक दुनिया के प्रयोग करने में सक्षम बनाएगी। इस पहल को उभरती प्रौद्योगिकियों में क्षमता निर्माण, नवाचार को बढ़ावा देने और ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में रोजगार क्षमता में सुधार करने के लिए डिजाइन किया गया है। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. नवनीत वालिया के नेतृत्व को स्वीकार करता है, जिनके सक्रिय प्रयासों ने इस सहयोग को संभव बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

श्री रमन कुमार, श्री तरसेम सिंह, सुश्री हरप्रीत कौर, श्री दिलपाल सिंह और श्री सतनाम सिंह सहित संकाय सदस्यों को उनके सहयोग के लिए विशेष रूप से धन्यवाद दिया जाता है। इस पहल का नेतृत्व डॉ. पुष्पेंद्र पी. सिंह, परियोजना निदेशक; डॉ. राधिका त्रिखा, औरपैरी सूद, कार्यक्रम प्रबंधक कर रहे हैं, जो उद्योग-अकादमिक भागीदारी को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह सहयोग ठट-क्ठढर मिशन के तहत युवाओं को भविष्य के लिए तैयार कौशल के साथ सशक्त बनाने के साझा दृष्टिकोण को मजबूत करता है।

# लाल चंद कटारूचक्क द्वारा मंडियों में ढुलाई के काम में लगे मजदूरों के लिए बढ़ी हुई मजदूरी के तौर पर 373.81 करोड़ रुपए जारी करने की मंजूरी

संवाददाता
चंडीगढ़

मंडियों में ढुलाई के काम में लगे मजदूरों की भलाई के मकसद से महत्वपूर्ण फैसला लेते हुये खाद्य, सिवल सप्लाई और उपभोक्ता मामलों के मंत्री श्री लाल चंद कटारूचक्क ने आज पंजाब मंडी बोर्ड और राज्य स्तरीय कमेटी की प्रवानित दरों अनुसार ऐसे मजदूरों को बढ़ी हुई मजदूरी के भुगतान के तौर पर 373.81 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की है। धान की खरीद सीजन के प्रबंधों की समीक्षा के दौरान मंत्री को अवगत करवाया गया कि अब तक 117 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) भंडारण जगह की जरूरत है और यदि इस साल अगस्त से हर महीने औसतन 10 लाख मीट्रिक टन अनाज स्टाक राज्य से बाहर भेजा जाता है तो जनवरी 2026 तक लगभग 50 लाख मीट्रिक टन भंडारण जगह आसानी के साथ उपलब्ध हो जायेगी।

मंत्री के ध्यान में यह भी लाया गया कि कस्टम मिलिंग नीति 2025-26 का मसौदा इस साल जून के दूसरे हफ़्ते तक पेश कर दिया जायेगा। इसके इलावा फोटीफाईड चावलों के लिए टैंडर के मसौदे को अंतिम रूप देने के लिए कमेटी का गठन किया गया है।

मंत्री ने आगामी धान के खरीद सीजन को ध्यान में रखते हुए बारदाने के इलावा ट्रांसपोर्ट, लेबर और कारटेज नीति सम्बन्धी उचित प्रबंधों पर जोर दिया। मंत्री को भरोसा दिया गया कि 30 सितम्बर तक यह सभी प्रबंध हो जाएंगे। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एक्ट (एनएफएसए), 2013 के अधीन लाभार्थियों की ई- केवाईसी प्रक्रिया के बारे मंत्री को बताया गया कि 1.25 करोड़ लाभार्थियों के सम्बन्ध में प्रक्रिया मुकम्मल हो गई है।

मंत्री ने गेहूँ के खरीद सीजन को सफल बनाने के लिए विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना भी की और उनको धान के खरीद सीजन को भी इसी तरह सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए कहा। इस मौके पर अन्यों के इलावा डायरैक्टर वरिन्दर कुमार शर्मा, अतिरिक्त सचिव पनग्रेन कमल कुमार गर्ग, अतिरिक्त डायरैक्टर डा. अंजुमन भास्कर और जीएम (वित्त) सरवेश कुमार मौजूद थे।

## मुख्यमंत्री मान के नेतृत्व वाली सरकार विद्यार्थियों को सपने साकार करने के समर्थ बना रही है: शिक्षा मंत्री

# ओरिएंटेशन प्रोग्राम: पेशेवरों ने स्कूल आफ एमिनेंस के विद्यार्थियों को पढ़ाया जिंदगी में सफलता का पाठ

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब के स्कूल शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि विद्यार्थियों में ऊँची बुलन्दियां छूने की भावना पैदा करने, बड़े सपने देखने और दृढ़ इरादे को और मजबूत करने के मकसद से पंजाब सरकार द्वारा राज्य भर के स्कूल आफ एमिनेंस (एस. ओ. ई.) कैंपसों में नये दाखिल हुए 9वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए 3 दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम करवाया गया।

उन्होंने कहा कि 26 से 28 मई तक करवाए गए इस ओरिएंटेशन प्रोग्राम के द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग ने हजारों विद्यार्थियों को आत्म-विश्वास और अकादमिक उत्कृष्टता हासिल करने के समर्थ बना कर विद्यार्थियों के हुनर को निखारने के प्रति अपनी वचनबद्धता दोहराई है। प्रोग्राम के अंतर्गत स्कूलज आफ एमिनेंस में अकादमिक और सीखने के रचनात्मक माहौल में दो सालों का सफर शुरू करने वाले विद्यार्थियों का स्वागत करते हुये उनको अकादमिक उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया गया।

ओरिएंटेशन प्रोग्राम के अहम पहलूओं को उजागर करते हुये स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि इसमें माहिरों के भाषण, विद्यार्थी रोल माडल सैशन, और इंटरऐक्टिव सह- पाठ्यक्रम गतिविधियां शामिल थी, जो विद्यार्थियों में आत्म- विश्वास पैदा करने, उत्सुकता पैदा करने और लम्बे समय के कॅरियर सम्बन्धी लक्ष्य निश्चित करने के लिए तैयार की गई थीं। उन्होंने कहा कि सिवल सेवाओं, मैडीकल, कानून, रक्षा सेवा, इंजीनियरिंग, कारोबार और शिक्षा समेत अलग- अलग क्षेत्रों के प्रसिद्ध पेशेवरों और पूर्व विद्यार्थियों ने विद्यार्थियों को जीवन में उच्च सपने देखने और अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करने के लिए अपनी निजी सफरों, संघर्षों और सफलताओं की कहानियाँ

**स्कूलज आफ एमिनेंस के 9वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए करवाया 3 दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम सफलता का करेगा मार्ग प्रशस्त**

सांझी की। उन्होंने बताया कि कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी से पी. एच. डी. प्राप्त और ऐमाजोन और ओरेकल के पूर्व तकनीकी पेशेवर डा. संदीप सिंह संधा ने फिरोजपुर जिले के गाँव मल्लांवाला खास स्थित स्कूल आफ एमिनेंस (एस. ओ. ई.) का दौरा किया और अपने संघर्ष के बारे बताते हुये विश्व स्तर पर उपलब्ध मौकों के बारे विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

स्कूल आफ एमिनेंस (एस. ओ. ई.) खमाणों कलाँ (फतेहगढ़ साहिब) के विद्यार्थियों को अनमोल सूझ प्रदान करते हुये पशु पालन, डेयरी विकास और मछली पालन विभाग के प्रमुख सचिव श्री राहुल भंडारी ने विद्यार्थियों को पढ़ने की आदत डालने और हमेशा कुछ नया सीखने के लिए उत्सुक रहने के लिए कहा, जो जिंदगी में सफलता की एकमात्र कुंजी है। उन्होंने बताया कि यह आदतें कैसे दृष्टिकोण को विशाल करती हैं, नवीनता को उत्साहित कर सकती हैं और अकादमिक और पेशेवर उत्कृष्टता प्राप्त करने का रास्ता साफ कर सकती हैं।

स्कूल आफ एमिनेंस (एस. ओ. ई.) फीलखाना (पटियाला) की छात्रा रही डी. एस. पी. करमजीत कौर ने स्कूल में आकर अपनी जिंदगी में आईं रुकावटों को दूर करने और पुलिस में उच्च पदों पर पहुँचने सम्बन्धी अपने शानदार सफर को सांझा किया। उन्होंने विद्यार्थियों को निडरता से अपने सपनों को साकार करने के लिए यत्नशील रहने के लिए प्रेरित किया।

स्कूल आफ एमिनेंस (लड़कियाँ) जंडियाला गुरू (अमृतसर) में माहिर सैशन के दौरान सीनियर मैडीकल अफसर डा. मनजीत सिंह रटौल ने विद्यार्थियों को एक सफल डाक्टरी कॅरियर अपनाने, मुकाबले की परीक्षाएं पास करने, जीवन में सर्वपक्षीय विकास के लिए स्वस्थ सेहत और अनुशासन को प्राथमिकता देने के बारे मार्गदर्शन किया।

कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के फेकल्टी मैंबर प्रो. अमनदीप कौर धालीवाल ने दिल्ली यूनिवर्सिटी से अमरीका तक के अपने शानदार सफर के साथ स्कूल आफ एमिनेंस, अजनाला (अमृतसर) के विद्यार्थियों को प्रेरित किया। दृढ़ता और सख़्त मेहनत के द्वारा जिंदगी की रुकावटों को दूर करने वाली औरतों के बारे उनके भाषण से विद्यार्थियों ने अनमोल प्रेरणा हासिल की। विद्यार्थियों को जीवन में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए जरुरी मार्गदर्शन, सहायता और मौकों के साथ सशक्त बनाने के लिए पंजाब सरकार की वचनबद्धता दोहराते हुये शिक्षा मंत्री स. बैंस ने कहा कि सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी हर क्षेत्र में नयी बुलन्दियों को छूएंगे।

# सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का सशक्त माध्यम है वोकल फॉर लोकल का विचार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

## मुख्यमंत्री डॉ. यादव और उत्तरप्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया क्राफ्टरूट्स हस्तशिल्प प्रदर्शनी का शुभारंभ

एजेंसी (हि.स.)
भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए वोकल फॉर लोकल के विचार को साकार करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। यह हमारी पारंपरिक शिल्प कला, लोक कला और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का सशक्त माध्यम है। साथ ही वोकल फॉर लोकल का विचार स्थानीय उत्पादों को पहचान दिलाते हुए कारीगरों की आत्मनिर्भरता और उनके स्वावलंबन के लिए भी प्रभावी है। इस दिशा में ग्राम श्री ट्रस्ट द्वारा क्राफ्टरूट्स प्रदर्शनी के माध्यम से की गई पहल कारीगरों को नई पहचान और अवसर प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को उत्तरप्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की उपस्थिति में क्राफ्टरूट्स हस्त शिल्प प्रदर्शनी के भोपाल हाट में शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा राज्यपाल पटेल ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजा भोज ने भोपाल और इस संपूर्ण अंचल को विशेष पहचान दी है। इसके साथ ही देश लोकमाता देवी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती मना रहा है। देवी अहिल्याबाई ने महिला स्वावलंबन और महिला सशक्तिकरण के अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। यह प्रदेशवासियों के लिए सौभाग्य का विषय है कि देवी अहिल्याबाई की 300 वीं जयंती पर भोपाल में होने वाले महिला सशक्तिकरण सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पधार रहे हैं। क्राफ्टरूट्स प्रदर्शनी भी महिला स्वावलंबन की दिशा में सार्थक कदम है। इस दृष्टि से इस प्रदर्शनी का शुभारंभ महिला सम्मेलन के आरंभ का प्रतीक ही है।

**राज्य सरकार औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के लिए प्रतिबद्धः सीएम**


फोटोः हि.स.

उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न अंचलों के हस्तशिल्प की अपनी विशेष पहचान है। ऐसी प्रदर्शनियों के माध्यम से क्षेत्रीय स्तर के उत्पादों की ख्याति दूर-दूर तक फैलती है और कारीगरों को अपने व्यवसाय का विस्तार करने का अवसर मिलता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। बड़े उद्योगों से लेकर कुटीर उद्योगों तक के विस्तार के लिए प्रदेश में गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। प्रदेश में रोजगार परक उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हस्तशिल्प से बनने वाले उत्पाद प्लास्टिक का प्रभावी विकल्प हो सकते हैं। राज्य सरकारें, संस्थाओं सहित व्यक्तिगत स्तर पर भी इसे प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपने संबोधन में हस्तशिल्प को प्रोत्साहित करने के लिए क्राफ्ट यूनिवर्सिटी स्थापित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि कारीगरों को एक राज्य से दूसरे राज्य आने-जाने में यात्रा के लिए राज्य सरकारों द्वारा सहयोग उपलब्ध कराया जाना चाहिए। महेश्वर में स्थापित धागा बैंक का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि कारीगरों को उनके कार्यस्थल के आसपास ही कच्चा माल उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाना आवश्यक है। श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि शासकीय अमले को कारीगरों के प्रति संवेदनशीलता, सहयोगी प्रवृत्ति और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान की पहल से हस्तशिल्प को तेजी से प्रोत्साहित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने मध्यप्रदेश में स्व-सहायता समूह और बालिका शिक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

क्राफ्टरूट्स संस्था के संस्थापक अनार पटेल ने कहा कि हस्तशिल्प कृषि के बाद रोजगार देने वाला दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है। वर्ष 1995 में स्थापित उनकी संस्था द्वारा अब तक 70 हजार से अधिक बहनों को प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया है।

# एलन मस्क का ट्रंप प्रशासन से अलग होने का एलान, कहा-छोड़ रहा हूं वाशिंगटन

एजेंसी (हि.स.)
वाशिंगटन

आखिर जिस बात का डर था, वही हुआ। कुछ समय से ट्रंप प्रशासन की कछ नीतियों से नाराज चल रहे टेस्ला के सीईओ एलन मस्क सरकार से अलग गए। वह सरकारी दक्षता विभाग का राजपाट छोड़कर अपने कारोबार की दुनिया में लौट गए। इस साल जनवरी में एक अंतराल के बाद दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप ने सरकारी दक्षता विभाग का गठन कर उसकी जिम्मेदारी मस्क को सौंपी थी। इस विभाग के गठन का मकसद सरकारी खर्चों में कटौती करना था। मस्क ने कहा कि वह वाशिंगटन छोड़ रहे हैं।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, एलन मस्क ने कहा कि वे अपनी कंपनियों पर अधिक समय बिताने के लिए अब सरकार से अलग हो रहे हैं। व्हाइट हाउस के अधिकारियों के अनुसार मस्क और राष्ट्रपति ट्रंप के साथ अभी भी अच्छे संबंध हुए हैं। लेकिन उन्होंने (मस्क) यह स्पष्ट कर दिया है कि वे वाशिंगटन और संघीय नौकरशाही को उलटने के दौरान आई बाधाओं से निराश हैं।


फोटोः हि.स.

मस्क ने राष्ट्रपति ट्रंप के घरेलू नीति कानून पर कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा कि इससे राष्ट्रीय घाटा बढ़ेगा। उन्होंने प्रशासन के अधिकारियों से एक कंपनी की शिकायत की। इस कंपनी से मध्य पूर्व में एक कृत्रिम-बुद्धिमत्ता डेटा सेंटर बनाने के लिए एक समझौता किया गया था। इस कंपनी ने ट्रंप की राजनीति के संचालन के लिए 100 मिलियन डॉलर का वादा किया था। ट्रंप का आरोप है कि इस कंपनी ने यह रकम अब तक नहीं दी। कभी खुद को ट्रंप का भरोसेमंद दोस्त बताने वाले मस्क ने अब उनसे कुछ फासला बना लिया है। उनका कहना है कि वे अब अपनी कंपनियों पर ध्यान देंगे।

टेस्ला सीईओ एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन से खुद को अलग करने की घोषणा बुधवार को एक्स पर की। पिछले दिनों मस्क ने ट्रंप के 'बिग ब्यूटीफुल' टैक्स बिल की खुलकर आलोचना की थी। मस्क ने एक्स पर लिखा कि उनका विशेष सरकारी कर्मचारी के रूप में निर्धारित समय समाप्त हो रहा है। वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को व्यर्थ व्यय को कम करने के अवसर के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। यह मिशन समय के साथ और मजबूत होगा। यह आने वाली सरकारों में जीवन का एक तरीका बन जाएगा। सनद रहे राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान दोनों के बीच अच्छे संबंध बने। मस्क ने ट्रंप की उम्मीदवारी का समर्थन ही नहीं किया बल्कि 25 करोड़ डॉलर का योगदान दिया। संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के इस घटनाक्रम से राष्ट्रपति और दुनिया के सबसे अमीर आदमी के बीच गठबंधन की गांठ इतनी जल्द छूट जाएगी, इसकी किसी को उम्मीद नहीं थी।

# राष्ट्रीय पत्रकार संस्था ने पक्षियों के लिए विभिन्न स्थानों पर परिंडे लगाने का लिया निर्णय

संवाददाता
पीलीबंगा



लगातार प्रदेश में लू के येलो अलर्ट के चलते जंहा आम जन जीवन अस्त व्यस्त है वहीं इस भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षियों को दाना पानी उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय पत्रकार संस्था पीलीबंगा द्वारा नगरपालिका क्षेत्र पीलीबंगा में विभिन्न जगहों पर वृक्षों के ऊपर शीघ्र ही परिंडे बांधने का निर्णय लिया गया, इस दौरान संस्था अध्यक्ष हेतराम इंदलिया ने कहा कि अत्यधिक गर्मी के चलते इस मौसम में पक्षी प्यास व भूख से दम तोड़ देते हैं, जिसको ध्यान में रखते हुए विभिन्न स्थानों पर शीघ्र ही संस्था द्वारा वृक्षो के ऊपर परिंडे बांधे जाएंगे व इन परिंडो को लगाने के पश्चात इनमें समय-समय पर पानी भरने तथा इनके देखभाल की भी समुचित व्यवस्था की जाएगी ।संस्था उपाध्यक्ष जितेंद्र बंसल ने बताया कि हम पक्षियों को पीने के लिए पानी का स्त्रोत उपलब्ध करवाने जैसी छोटी-छोटी चीज करके उन्हें बचा सकते हैं, संस्था सचिव संदीप सचदेवा व संगठन मंत्री प्रेम आजाद ने पक्षियों के संरक्षण के बारे में जानकारी देते हुए इस मौके पर कहा कि पक्षी संरक्षण प्रयासों का उद्देश्य प्रजातियों की रक्षा करना है, इनकी रक्षा के लिए इन्होंने प्रत्येक जन से अपनी सुविधा अनुसार विभिन्न स्थानों पर परिंडे बांधकर उनमें समय-समय पर दाना पानी डालने की विनम्र अपील की, संस्था कोषाध्यक्ष सुशील काठपाल व सहसचिव मदन लाल पंडितावाली ने कहा कि गर्मियों में जैसे-जैसे पारा चढ़ता है, पक्षियों के लिए दाना पानी ढूंढ पाना उतना ही मुश्किल होता है, ऐसे में कई बेजुबान पक्षी दाना पानी नहीं मिलने की वजह से अपनी जिंदगी भी नहीं बचा पाते हैं, इस स्थिति में सभी से इन पक्षियों की रक्षा करने का आग्रह किया गया।

# युवक का अधजला शव बरामद, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

**पलामू।** मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के रेडमा रांची रोड से सुरेश सिंह चौक की ओर जाने वाले मार्ग पर गुरुवार देर रात एक युवक का अधजला शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान राज कुमार चंद्रवंशी (23) के रूप में हुई है, जो संजय चंद्रवंशी का पुत्र था और रेडमा स्थित देवी मंडप मुहल्ले का निवासी था। पुलिस को घटनास्थल से कुछ दूरी पर लगे एक सीसीटीवी कैमरे में युवक की खुदकुशी की कोशिश की पूरी घटना कैद मिली है। फुटेज में साफ देखा जा रहा है कि युवक ने खुद पर तेल छिड़ककर आग लगा ली। यह वारदात गुरुवार देर रात करीब 12:30 बजे की बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही शहर थाना प्रभारी देवव्रत पोद्दार और टीओपी-2 के प्रभारी राकेश कुमार सिंह दल-बल के साथ गुरुवार को मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने बताया कि कि प्रारंभिक जांच में यह मामला खुदकुशी का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं पर गहराई से छानबीन कर रही है।

# छात्र सुजल ने 10वीं में 98.33 प्रतिशत अंक हासिल कर राजस्थान स्टेट मेरिट में 9वीं रैंक प्राप्त की



संवाददाता
पीलीबंगा

जहां संकल्प हो, वहां सफलता अवश्य कदम चूमती है। प्रकाश मॉडल स्कूल पीलीबंगा ने इस वर्ष कक्षा 12वीं में शानदार प्रदर्शन के बाद अब कक्षा 10वीं के परिणामों में भी इतिहास रच दिया है। इस विद्यालय ने यह साबित कर दिया कि यहां हर विद्यार्थी सिर्फ पढ़ाई नहीं करता, बल्कि अपने सपनों को ऊंचाइयों तक पहुंचाना सीखता है। कक्षा 10वीं के प्रतिभाशाली छात्र सुजल ने 98.33 प्रतिशत अंक हासिल कर राजस्थान स्टेट मेरिट में 9वीं रैंक प्राप्त की है। यह पूरे विद्यालय एवं पीलीबंगा क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण है। इसी कड़ी में कंचन ने 97 प्रतिशत, परिणीति ने 96.67 प्रतिशत, गुंजन ने 95.33 प्रतिशत, सुखमन ने 95.33 प्रतिशत, करण, मो. गुलाम साबिर, पायल सारस्वत तथा पूजा ने 95.17 प्रतिशत तथा दिव्यांशी पारिक ने 95 प्रतिशत अंक अर्जित कर अपनी उत्कृष्टता का परिचय दिया है ।इस तरह से शाला के 10 विद्यार्थियों ने 95 प्रतिशत से अधिक, 38 विद्यर्थियों 90 प्रतिशत से अधिक, 66 विद्यार्थियों 85 प्रतिशत से अधिक तथा 92 विद्यार्थियों 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर शिक्षा की गुणवत्ता का प्रमाण दिया है। यह केवल नंबरों का खेल नहीं है यह मेहनत, निष्ठा, लगन और उत्कृष्ट मार्गदर्शन की कहानी हैं। संस्था निदेशक अनिल सहारण, प्रबंधक मनोज भादू, जितेन्द्र सहारण, सुमन भादू, बलविंद्र शर्मा और सुभाष छिम्पा ने सभी विद्यार्थियों, उनके माता-पिता और शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि प्रकाश मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों ने एक बार फिर दिखा दिया कि प्रतिभा और परिश्रम का संगम जब सही दिशा में होता है, तो परिणाम हमेशा चमकदार होते हैं। हमारा परिवार सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

# भारतीय सेना के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाल दिया देशभक्ति का संदेश

संवाददाता
पीलीबंगा



भारतीय सेना के ऑप्रेशन सिंदूर के समर्थन में गुरुवार को कस्बे में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई ।इस तिरंगा यात्रा में सैंकड़ों महिलाओं व पुरुषों ने हाथों में तिरंगा लेकर भाग लिया। देश भक्ति के नारों व गानों के साथ निकली इस यात्रा ने सेना के शौर्य और पराक्रम के प्रति जलनसमर्थन को बुलंद आवाज दी। आज भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को सलाम करने के लिए पीलीबंगा की सड़कों पर देशभक्ति की गूंज सुनाई दी। इससे पूर्व एस.सी. मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश मेघवाल, पूर्व विधायक धर्मेन्द्र मोची, पालिकाध्यक्ष हरजिंद्र सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रमोद डेलू, नगर अध्यक्ष एडवोकट हनीश ग्रोवर, देहात मंडल अध्यक्ष नत्थूराम बगडिया, पूर्व नगर अध्यक्ष महेश गुप्ता, व्यापार मंडल अध्यक्ष हनुमान प्रसाद जैन, शिक्षण समिति अध्यक्ष शांतिलाल दफ्तरी, अग्रवाल सभा अध्यक्ष रामस्वरूप लीला, गीता भवन कमेटी अध्यक्ष मोहनलाल गर्ग, गौशाला अध्यक्ष संजय मांझू, सुरेश जिंदल, श्री दुर्गा मंदिर कमेटी अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंगला, गुरमीत बराड़, विजय सहगल, पार्षद भवानी शंकर सोनी, श्रवण राजपुरोहित, जे.पी. बलाना, चमकौर सिंह, सुनील सैन, पवन किरोड़ीवाल, तेजी रूपाणा, महिला मोर्चा अध्यक्ष बिंदु दुग्गड़, ज्योति शाक्य, पालाराम झाझडिया, युवा भाजपा नेता सुरेन्द्र बंसल, भाजपा महिला नेत्री निशा शर्मा, मालचंद सारस्वत सहित विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक, संगठनों के प्रतिनिधियों ने नगरपालिका कार्यालय के सामने स्थित शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया व गगनभेदी देशभक्ति नारों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। यहां से तिरंगा यात्रा कस्बे के प्रमुख मार्गो से होती हुई रेलवे स्टेशन के सामने तिरंगा चौक पर समाप्त हुई। यहां पर उपस्थित लोगों ने पहलगाम हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए भारतीय सेना के शौर्य एवं पराक्रम की प्रशंसा की और कहा कि देश के जवानों की बदौलत ही हम चैन की नींद सोते है। पालिकाध्यक्ष हरजिंद्र सिंह ने जोश भरे शब्दों में कहा कि तिरंगा हमारी शान है, और हर भारतीय के दिल की पहचान है। यहीं हमारा गंगा, हिमालय और हिन्दूस्तान है। पालिकाध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आतंकवाद के खिलाफ लिए गए फैसलों की भी तारीफ की और कहा कि भारतीय सेना ने उन फैसलों को पूरी ताकत के साथ जमीन पर उतारा है।

# शहबाज अजरबैजान में सिंधु जल संधि का मुद्दा उठा ताजिकिस्तान रवाना

**बाकू (अजरबैजान)।** पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अजरबैजान की यात्रा समाप्त कर ताजिकिस्तान के लिए रवाना हो गए। उन्होंने अजरबैजान में भारत के साथ दशकों पुरानी सिंधु जल संधि को स्थगित करने का मुद्दा उठाया। मगर इसे स्थगित क्यों किया इस पर गोलमोल बात की। उन्होंने कहा कि भारत पहलगाम पर हुए आतंकी हमले का दोष पाकिस्तान पर मढ़ रहा है पर उसके साक्ष्य नहीं दे रहा। पाकिस्तान के दुनिया न्यूज अखबार के अनुसार, शहबाज ने अजरबैजान में राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव से मुलाकात की। अलीयेव ने त्रिपक्षीय (पाकिस्तान, तुर्किये और अजरबैजान) शिखर सम्मेलन में पाकिस्तान में 2 बिलियन डॉलर के निवेश की घोषणा की। इस अवसर पर शहबाज ने अपने हमदर्दों के बीच मासूम बनते हुए कहा कि भारत पाकिस्तान का पानी रोकना चाहता है। इसे कभी नहीं होने दिया जाएगा। सिंधु का पानी पाकिस्तान की जीवन रेखा है। शबहाज ताजिकिस्तान में दो दिन रुकेंगे।

# वित्त वर्ष 2025-26 में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा भारतः आरबीआई

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली/मुंबई



फोटोः हि.स.

देश चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। भारतीय अर्थव्यवस्था को खपत में वृद्धि, बैंकों और कॉरपोरेट्स की स्वस्थ बैलेंस शीट से मदद मिलेगी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी अपनी वार्षिक रिपोर्ट में यह बात कही है।

आरबीआई ने गुरुवार को जारी अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था अपने मजबूत वृहद आर्थिक बुनियादी ढांचे, मजबूत वित्तीय क्षेत्र और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता का लाभ उठाकर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी रहेगी।

रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक यह स्थिति तब है जब वैश्विक वित्तीय बाजार में अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार विखंडन, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और जलवायु-प्रेरित अनिश्चितताएं विकास के दृष्टिकोण के लिए नकारात्मक जोखिम और मुद्रास्फीति के दृष्टिकोण के लिए सकारात्मक जोखिम पैदा कर रही हैं। केंद्रीय बैंक के अनुसार व्यय पक्ष पर उपभोग मांग और शुद्ध निर्यात में सुधार तथा आपूर्ति पक्ष पर सेवा क्षेत्र में तेजी और कृषि उत्पादन में सुधार से भारत की आर्थिक गतिविधि को बल मिला है।

## संक्षिप्त-समाचार

### मणिपुर के चुराचांदपुर में लगे भूकंप के झटके, 3.7 रही तीव्रता

**आइजोल।** मणिपुर के चुराचांदपुर जिला में आज तड़के मध्यम तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किये गये। जानकारी के अनुसार तड़के 04 बजकर 11 मिनट 28 सेकेंड पर भूकंप का झटका महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.7 मापी गई। भूकंप के चलते कहीं से किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार भूकंप का केंद्र भारत और म्यांमार के सीमावर्ती चुराचांदपुर जिले में जमीन के अंदर 25 किलोमीटर नीचे स्थित था। भूकंप का एपीक सेंटर 24.37 उत्तरी अक्षांश तथा 93.78 पूर्वी देशांत्तर पर स्थित था। उल्लेखनीय है कि बीती बुधवार की रात लगभग 11 बजे के आसपास अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले में भी 3.3 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया था।

### महाराष्ट्र में एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीमें तैनात

**मुंबई।** महाराष्ट्र में भारी बारिश के दौरान राहत व बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को तैनात कर दिया गया है। मुंबई में एनडीआरएफ की दो टीमें तैनात की गई हैं। ठाणे, पालघर, रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, सातारा, सांगली और कोल्हापुर जिले में एनडीआरएफ की एक-एक टीमों को भेजा गया है। गडचिरोली और नांदेड़ में एसडीआरएफ की एक-एक टीमों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह जानकारी आपदा प्रबंधन निदेशक सतीश कुमार खड़के ने बुधवार को दी। खड़के ने बताया कि सचेत ऐप के माध्यम से राज्य के 93 लाख 33 हजार नागरिकों को आपदाओं के प्रति सतर्क रहने के लिए चेतावनी संदेश भेजे गए हैं। अहिल्यानगर जिले के अहिल्यानगर तहसील में अकोलनेर, खड़की, वालकी, सोनेवाड़ी रोड, शिरढोन में भारी बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई थी। बाढ़ में फंसे 39 लोगों का रेस्क्यू कर उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। खड़के ने बताया कि मौसम विभाग ने रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, वाशिम, यवतमाल, वर्धा, नागपुर और गोंदिया जिलों के लिए बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। 27 से 28 मई 2025 तक दीवार गिरने, पेड़ गिरने, बिजली गिरने, आग लगने और बाढ़ के पानी में डूबने की घटनाओं के कारण राज्य में 14 लोगों और 20 जानवरों की मौत हो गई है। इसी तरह विभिन्न घटनाओं में 16 लोग और 1 जानवर घायल हुए हैं।

### नेपाल में राजतंत्र की बहाली और हिन्दू राष्ट्र घोषित करने की मांग के साथ काठमांडू में प्रदर्शन शुरू

**काठमांडू।** नेपाल में राजतंत्र की बहाली और हिन्दू राष्ट्र घोषित करने की मांग सहित काठमांडू में गुरुवार से दोरा प्रदर्शन शुरू हुआ है। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के नेतृत्व में शुरू हुए इस आंदोलन में नेपाल में फिर से राजसंस्था की बहाली और हिन्दू राष्ट्र घोषित करने की मांग की जा रही है। नेपाल में आज ही गणतंत्र दिवस भी मनाया जा रहा है। आज ही के दिन 2008 में नेपाल में नए संविधान की घोषणा के साथ ही राजतंत्र के खात्मे की औपचारिकगोषण की गई थी। राजशाही समर्थित राजनीतिक दलों ने आज के दिन से गणतंत्र को खत्म कर दुबारा राजसंस्था की पुनर्बहाली की मांग के साथ अनिश्चितकालीन प्रदर्शन शुरू किया है। राजशाही पक्षधर प्रदर्शन को देखते हुए सुरक्षा के भारी इंतजाम किए गए हैं। मार्च में हुए हिंसक झड़प की तरह इस बार किसी भी अप्रिय घटना को नहीं होने देने के लिए बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।

### हिताची इंडिया ने एन वेणु को प्रबंध निदेशक नियुक्त किया

**नई दिल्ली।** हिताची इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (हिताची इंडिया) ने एन. वेणु को अपना प्रबंध निदेशक (एमडी) नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति 2 जून से प्रभावी होगी। कंपनी ने गुरुवार को जारी एक बयान में बताया कि हिताची इंडिया के पहले भारतीय प्रबंध निदेशक (एमडी) भरत कौशल को एक अप्रैल से कंपनी के कार्यकारी चेयरमैन के रूप में पदोन्नत करने के बाद एन. वेणु की नियुक्ति की गई है। कंपनी ने भारत में कारोबार को और गति देने की अपनी विकास रणनीति के तहत वेणु की नियुक्ति का फैसला लिया है। कंपनी ने बताया कि एन वेणु हिताची इंडिया के प्रबंध निदेशक के रूप में समूह की नई प्रबंधन योजना-इंस्पायर 2027 के अनुरूप भारत में हिताची की विरासत का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। भारत में हिताची समूह की करीब 28 कंपनियों के बीच सामंजस्य को मजबूत कर एन. वेणु ग्राहकों के लिए मूल्य बनाने का प्रयास करेंगे। जापानी कंपनी हिताची समूह भारत में बड़े पैमाने पर विस्तार करने की योजना बना रहा है। इसमें रेल, डिजिटल, ऊर्जा, वित्तीय समावेशन, ई-शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा सहित कई अन्य व्यवसाय शामिल हैं।

### सेल को चौथी तिमाही में 1,251 करोड़ का मुनाफा, 1.6 रुपये प्रति शेयर लाभांश घोषित

**नई दिल्ली।** स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में महारत्न पीएसयू कंपनी सेल की शुद्ध आय पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के 1,126 करोड़ रुपये से 11 फीसदी बढ़कर 1,251 करोड़ रुपये पर पहुंच गई है। इस्पात मंत्रालय ने गुरुवार को जारी बयान में बताया कि सेल ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही के वित्तीय नतीजे घोषित कर दिए हैं। सेल को पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की इसी अवधि के मुकाबले 16 फीसदी की वृद्धि हासिल हुई है। कंपनी ने आगामी एजीएम में शेयरधारकों के अनुमोदन के लिए 1.60 रुपये प्रति शेयर (अंकित मूल्य 10 रुपये प्रति शेयर) का अंतिम लाभांश प्रस्तावित किया है। मंत्रालय के मुताबिक सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी का मुख्य परिचालन से राजस्व वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 4.8 फीसदी बढ़कर 29,316 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 27,958 करोड़ रुपये था, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 12 फीसदी की वृद्धि दर्ज करता है। क्रमिक रूप से राजस्व 20 फीसदी अधिक था। सेल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक अमरेंदु प्रकाश ने कहा कि ₹बदलती व्यापार नीतियों और आयात गतिशीलता द्वारा आकार लेने वाले वैश्विक इस्पात परिदृश्य में सेल लचीलापन और रणनीतिक चपलता का प्रदर्शन जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा कि हमारे नवीनतम वित्तीय परिणाम परिचालन दक्षता, सतत विकास और स्टेकहोल्डर्स के लिए वैल्यू क्रिएशन के प्रति हमारी मजबूत प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं।

## सऊदी अरब में असदुद्दीन ओवैसी ने कहा- इस मुल्क को एफएटीएफ की ग्रे सूची में रखना जरूरी

# पाकिस्तान आतंकवादियों को भारत भेजकर कराता है खूनखराबा, मकसद हिन्दू-मुस्लिम दंगे भड़काना'

एजेंसी (हि.स.)
रियाद (सऊदी अरब)

भारत दुनिया के प्रमुख देशों में पहलगाम में आतंकी हमला कराने वाले आतंकवाद पोषक पड़ोसी पाकिस्तान के कुटिल चेहरे से कलई उतार रहा है। इन दिनों भारतीय संसदीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल सदस्य कई देशों की यात्रा पर हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद बैजयंत पांडा के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल सऊदी अरब में है। इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने रियाद में कहा कि आतंकवादी समूहों के वित्तपोषण पर अंकुश लगाने के लिए पाकिस्तान को एफएटीएफ की ग्रे सूची में वापस रखा जाना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान शराफत कालबादा ओढ़कर दुनिया के धोखा दे रहा है। सच यह है कि आतंकवादी संगठनों को पाकिस्तान में प्रशिक्षित किया जा रहा है और वे भारत में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। ओवैसी ने एक तस्वीर दिखाते हुए कहा कि इसमें पाकिस्तान के सेना प्रमुख के बगल में एक कुख्यात आतंकवादी बैठा हुआ है। इससे साबित होता है कि पाकिस्तान आतंकवादियों का साथ देता है।

**'असीम मुनीर को पाकिस्तान में फील्ड मार्शल बनाया गया तब उसके बगल में आतंकवादी मोहम्मद एहसान बैठा था'**

उन्होंने कहा कि असीम मुनीर को पाकिस्तान में फील्ड मार्शल बनाया गया तब उसके बगल में आतंकवादी मोहम्मद एहसान बैठा था। इस फील्ड मार्शल के साथ हाथ मिलाते हुए उसकी तस्वीरें हैं। पाकिस्तान में आतंकवादी फल-फूल रहे हैं। पाकिस्तान का इरादा आतंकवादियों के माध्यम से भारत को अस्थिर करना है। इसका मकसद है कि भारत में और अधिक हिंदू-मुस्लिम दंगे हों। उन्होंने कहा कि मुंबई हमले के बाद पाकिस्तान को सारे साक्ष्य दिए गए। ओवैसी ने कहा कि पाकिस्तान नंबर एक का झूठा है। उसने पहले दावा किया कि मुख्य आरोपी साजिद मीर मर चुका है। बाद में उसने कुबूल किया कि एफएटीएफ की जांच के तहत वह जीवित है।


फोटोः हि.स.

इस प्रतिनिधिमंडल में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, भाजपा सांसद फंगनन कोन्याक, भाजपा सांसद रेखा शर्मा, सांसद सतनाम सिंह संधू, गुलाम नबी आजाद और राजदूत हर्ष श्रृंगला भी शामिल हैं। दुनिया भर में भेजे गए सभी प्रतिनिधिमंडल का प्रमुख उद्देश्य 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले पर भारत की प्रतिक्रिया और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ इसकी व्यापक लड़ाई के बारे में अंतरराष्ट्रीय भागीदारों को जानकारी देना है।

पनामा सिटी में कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो और विदेशमंत्री जेवियर मार्टिनेज आचा से मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद विदेशमंत्री आचा ने कहा कि आतंकवाद के मामले में वह भारत के साथ हैं। पनाम किसी भी तरह के आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करता। पनामा लोकतांत्रिक देश हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। पनामा किसी भी तरह के आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ मिलकर लड़ेगा।

एथेंस (ग्रीस) द्रमुख सांसद कनिमोझी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल में शामिल राजद सांसद प्रेम चंद गुप्ता ने कहा कि यह खुशी की बात है कि लोगों ने हमारी बात को समझा। लोग भी समझते हैं कि आतंकवाद पूरी दुनिया के लिए एक बीमारी है। उससे ठीक से नहीं निपटा गया तो वो सबको परेशान करेगी। कनिमोझी ने कहा कि हम यह बताने में सक्षम रहे हैं कि पाकिस्तान से सीमा पार आतंकवाद से भारत को नुकसान पहुंचा रहा है। यूरोपीय संघ और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को संज्ञान लेना चाहिए और जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए।

रोम (इटली) में भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि नेशनल असेंबली और सीनेट में भारत कॉकस के साथ हमारी बहुत अच्छी बैठक हुई। इटली ने शांति और सौहार्द के लिए हमारे साथ काम करने की अपनी प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया है। दूसरे सदस्य गुलाम अली खटाना ने कहा कि हमारा प्रतिनिधिमंडल कल रात इटली पहुंचा और यहां थिंक टैंक, चैंबर ऑफ डेप्युटीज (इटली की संसद का निचला सदन) और सांसदों के साथ हमारी अच्छी बातचीत हुई। परिणाम सकारात्मक रहे। हमने आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता के भारत के रुख और ऑपरेशन सिंदूर के महत्व को सामने रखा। इस बीच शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में ग्रुप 4 का प्रतिनिधिमंडल आउटरीच कार्यक्रम के तहत सिएरा लियोन पहुंच चुका है। प्रतिनिधिमंडल का स्वागत सिएरा लियोन में भारत के उच्चायुक्त बैसनब चरण प्रधान ने किया।

# छठे एनएमपीए इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग के लिए देश के शीर्ष सर्फर तैयार, कल से दिखेगा रोमांच

## देश के सर्वश्रेष्ठ सर्फरों के लिए कीमती रैंकिंग अंक अर्जित करने का अवसर

एजेंसी (हि.स.)
मंगलुरु

- लहरों के पूवार्नुमान में 10 से 12 फीट ऊंची लहरों की संभावना जताई गई

भारत की सर्फिंग दुनिया की नजरें एक बार फिर कर्नाटक के तटीय शहर मंगलुरु पर टिकी हैं, जहां शुक्रवार से तन्निरभवी इको बीच पर छठा एनएमपीए इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग (एनएमपीए आईओएस) शुरू होने जा रहा है। यह प्रतियोगिता 30 मई से 1 जून 2025 तक आयोजित की जाएगी और 2025 नेशनल सर्फिंग चैंपियनशिप सीरीज का दूसरा पड़ाव होगी।

सर्फिंग स्वामी फाउंडेशन की ओर से आयोजित और मंतर सर्फ क्लब की मेजबानी में इस प्रतियोगिता को सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) का समर्थन प्राप्त है। यह संस्करण न केवल नेशनल चैंपियनशिप सीरीज का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, बल्कि देश के सर्वश्रेष्ठ सर्फरों के लिए कीमती रैंकिंग अंक अर्जित करने का भी अवसर है।

तीन दिन की प्रतियोगिता में 50 से अधिक शीर्ष सर्फर हिस्सा लेंगे, जो चार श्रेणियों में मुकाबला करेंगे: मेन्स ओपन, विमेन्स ओपन, अंडर-16 (लड़के) और अंडर-16 (लड़कियां)। इस बार की मुख्य झलकियों में से एक है डिफेंडिंग नेशनल चैंपियन रमेश बुडिहाल और किशोर कुमार की वापसी, जो पिछले संस्करण से चूक गए थे, लेकिन इस बार पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरेंगे।

वे हरीश मुथु, कमली पी, अजीश अली, श्रीकांत डी और संजय सेल्वमणि जैसे शीर्ष सर्फरों के साथ मैदान में उतरेंगे, जिन्होंने 2024 में

फोटोः हि.स.

एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप और मरुहाबा कप जैसे प्रतिष्ठित इवेंट्स में शानदार प्रदर्शन किया था। इन खिलाड़ियों के योगदान से भारत ने पिछले साल एशिया में 5वां स्थान हासिल किया और एची-नागोया 2026 एशियन गेम्स के लिए दो कोटा भी सुनिश्चित किए।

इस वर्ष की प्रतियोगिता को और रोमांचक बनाता है लहरों का पूवार्नुमान, जिसमें 10 से 12 फीट ऊंची लहरों की संभावना जताई गई है। ये विशाल लहरें सर्फरों की तकनीक, सहनशक्ति और रणनीति की कड़ी परीक्षा लेंगी। अरब सागर में चक्रवाती गतिविधि और अस्थिर मौसम के चलते समुद्र की स्थिति अनिश्चित बनी हुई है, जिससे कार्यक्रम की समय-सारणी भी प्रभावित हो सकती है। बढ़ती चुनौती का असर राष्ट्रीय रैंकिंग पर भी पड़ेगा, खासकर जब एशियन सर्फ चैंपियनशिप 2025 निकट है, जो 2026 एशियन गेम्स के लिए क्वालीफायर भी है।

इस साल की प्रतियोगिता मूल रूप से ससीहितलू बीच पर आयोजित की जानी थी, लेकिन मौसम और लहरों की अनुकूल स्थिति न होने के कारण इसे टन्नीभावी इको बीच स्थानांतरित कर दिया गया। वर्षों से इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग का पर्याय बन चुका ससीहितलू इस बार मेजबान नहीं रहेगा, लेकिन नया स्थल समान लहर गुणवत्ता के साथ-साथ खिलाड़ियों और दर्शकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देता है।

सर्फिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष और मंत्रा सर्फ क्लब के निदेशक राममोहन परांजपे ने कहा, 'हम मंगलुरु के तट पर छठा एनएमपीए इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग लेकर आने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। 10-12 फीट की लहरों और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की उपस्थिति इस प्रतियोगिता को बेहद रोमांचक और प्रतिस्पर्धी बनाएगी।

# एशियाई ऑल-स्टार्स ने प्रदर्शनी मैच में मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1-0 से हराया

- अगला मुकाबला हांगकांग से, बेहद खराब रहा यह सत्र

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

मैनचेस्टर यूनाइटेड को बुधवार को कुआलालंपुर स्थित बुकित जलिल मैदान में खेले गए एक प्रदर्शनी फुटबॉल मुकाबले में दक्षिण-पूर्व एशिया के चुनिंदा खिलाड़ियों की टीम एशियन ऑल-स्टार्स से 0-1 की हार झेलनी पड़ी। म्यांमार की पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के कप्तान मौंग मौंग ल्विन ने 71वें मिनट में एकमात्र गोल कर अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई। कोच रुबेन अमोरीम की टीम को मुकाबले की अंतिम सीटी बजने के बाद दर्शकों की नाराजगी का सामना करना पड़ा। कुछ समर्थक तो मुकाबला समाप्त होने से पहले ही मैदान छोड़कर चले गए। मैच के बाद अमोरीम ने कहा, 'हम धीमी गति से खेले और हमारे अंदर अभी यह भावना नहीं है कि हम हर अभ्यास सत्र या हर खेल में जीत दर्ज करें। दर्शकों की नाराजगी जरूरी है, ताकि हमें अपनी कमियाँ समझ में आएं।

32 डिग्री सेल्सियस (90 फॉरेनहाइट) की गर्मी में शुरू हुए इस मुकाबले के पहले भाग में दक्षिण-पूर्व एशियाई खिलाड़ियों की टीम अधिक आक्रामक नजर आई। 16वें मिनट में उनका एक प्रयास गोल के पास से निकल गया, जबकि यूनाइटेड के रक्षक गोलपाल (गोलकीपर) आद्रे ओनाना ने एक शानदार नीचे जाती हुई गेंद को रोककर दर्शकों का दिल जीत लिया। किशोर मिडफील्ड खिलाड़ी कोबी मैनू ने यूनाइटेड के लिए पहला वास्तविक अवसर 25 गज से मारा, जिसे प्रतिद्वंद्वी गोलपाल ने बाहर भेज दिया। 38वें मिनट में उनका एक और प्रयास रेखा से पहले ही रोक लिया गया। दूसरे भाग की शुरूआत में कप्तान ब्रूनो फर्नांडेस को मैदान में उतारा गया, जिनकी एक हाफ-वॉली ने थोड़ी ऊर्जा दिखाई, लेकिन परिणाम नहीं बदल सका। अर्जेंटीना के युवा विंगर एलेजांद्रो गारनाचो, जो संभवतः क्लब छोड़ सकते हैं, ने बेंच से उतरने के बाद कुछ तीव्रता जरूर लाई, लेकिन वह भी व्यर्थ रही।

71वें मिनट में मौंग मौंग ल्विन ने शानदार ढंग से यूनाइटेड की रक्षापंक्ति को छकाते हुए गोलपाल टॉम हीटन को पछाड़कर गेंद को जाल के ऊपरी कोने में पहुंचा दिया। जल्द ही हीटन ने एक और अवसर पर बचाव कर यूनाइटेड को और अधिक शर्मिंदगी से बचाया।

मैनचेस्टर यूनाइटेड अब 30 मई को एक और मिश्रित प्रदर्शनी मुकाबले में हांगकांग की राष्ट्रीय टीम से भिड़ेगा। यह सत्र यूनाइटेड के लिए बेहद निराशाजनक रहा, जिसमें उसे देश की प्रमुख फुटबॉल लीग में 38 मुकाबलों में केवल 42 अंक मिले और वह 15वें स्थान पर रही।

# बीबीएल : जैमी ओवर्टन की एडिलेड स्ट्राइकर्स में वापसी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

इंग्लैंड के ऑलराउंडर जैमी ओवर्टन बिग बैश लीग (बीबीएल) के अगले सीजन में एक बार फिर एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए खेलते नजर आएंगे। फ्रेंचाइजी ने उन्हें आगामी ओवरसीज ड्राफ्ट से पहले इंटरनेशनल प्री-साइनिंग के तहत टीम में शामिल कर लिया है।

ओवर्टन पिछले दो सीजन में स्ट्राइकर्स के लिए 18 मुकाबले खेल चुके हैं और उन्हें पिछले सीजन का 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर' (एमवीपी) भी चुना गया था। उन्होंने अब तक 27 विकेट चटकाए हैं और 8.81 की इकॉनमी से गेंदबाजी की है। वहीं बल्लेबाजी में भी उन्होंने शानदार फिनिशर की भूमिका निभाई, 276 रन बनाए जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 150.81 रहा। सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ पिछले सीजन के मुकाबले में उन्होंने सिर्फ 14 गेंदों में नाबाद 32 रन ठोके थे।

बीबीएल में पिछले साल से एक नया नियम लागू हुआ है, जिसके तहत टीमें एक विदेशी खिलाड़ी को ड्राफ्ट से पहले साइन कर सकती हैं, बशर्ते वह पूरा सीजन और फाइनल मुकाबले खेलने के लिए उपलब्ध हो। इससे सीजन के आखिरी चरण में खिलाड़ियों के बाहर जाने की समस्या को दूर करने की कोशिश की गई है।

स्ट्राइकर्स के कोच टिम पेन ने ओवर्टन को फिर से साइन किए जाने पर खुशी जताई। उन्होंने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक बयान में कहा, जैमी को ड्राफ्ट से पहले साइन करना हमारी प्राथमिकता थी। पिछले दो सीजन में उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से जबरदस्त प्रदर्शन किया है और उनकी एनर्जी पूरी टीम में जोश भर देती है।

## भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण के लिए रवाना

बेंगलुरु। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 28 मई की रात बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण के लिए रवाना हो गई। यह चरण 7 से 22 जून के बीच नीदरलैंड के एम्स्टेलवीन और बेल्जियम के एंटवर्प में खेला जाएगा। भारत अपने यूरोपीय चरण की शुरूआत नीदरलैंड के खिलाफ दो लगातार मुकाबलों से करेगा, जो 7 और 9 जून को वागनेर स्टेडियम, एम्स्टेलवीन में खेले जाएंगे। इसके बाद 11 और 12 जून को अर्जेंटीना के खिलाफ डबल हेडर मुकाबले होंगे, जिनका आयोजन भी एम्स्टेलवीन में ही होगा। टीम इसके बाद बेल्जियम के एंटवर्प रवाना होगी, जहां 14 और 15 जून को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। इसके बाद भारत 21 और 22 जून को मेजबान बेल्जियम के खिलाफ अपने अभियान का समापन करेगा। टीम के रवाना होने से पहले कप्तान और अनुभवी ड्रैगफ्लिकर हरमनप्रीत सिंह ने कहा, 'यह यूरोपीय चरण हमारे लिए बेहद अहम है क्योंकि हमें दुनिया की कुछ बेहतरीन टीमों से भिड़ना है।

# मनिका बत्रा चोट के चलते यूटीटी 2025 से बाहर, अयहिका मुखर्जी को मिला मौका

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनीका बत्रा छठे संस्करण के अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) से बाहर हो गई हैं। वह चोट के कारण टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेंगी। उनकी जगह अब अयहिका मुखर्जी अहमदाबाद एसजी पाइपर्स की टीम में शामिल होंगी। मनिका बत्रा को हाल ही में संपन्न हुई टेबल टेनिस वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 के दौरान चोट लगी थी। फिलहाल वह रिहैब से गुजर रही हैं। टूर्नामेंट में मनिका को पहले ही राउंड में हार का सामना करना पड़ा था, जहां वह रैंकिंग में नीचे चल रही कोरियाई खिलाड़ी पार्क गाह्योन (रैंक 64) से राउंड ऑफ 64 में हार गई थीं। उस समय मनिका की विश्व रैंकिंग 46 थी, जो अब गिरकर 47 हो गई है। यूटीटी के पहले-एवर ऑक्शन में मनीका बत्रा को अहमदाबाद एसजी पाइपर्स ने टीम में शामिल किया था। इससे पहले वह पीबीजी पुणे जैगुआर्स की ओर से खेलती थीं, जिन्होंने उन्हें रिलीज कर दिया था।

मनिका की गैरमौजूदगी में टीम पर असर पड़ सकता है। हालांकि, टीम में अन्य अहम खिलाड़ी भी हैं, जिनमें रिकार्डो वाल्थर, एसएफआर स्नेहित, जॉर्जिया पिकोलिन, दिव्यांश श्रीवास्तव और याशिनी शिवशंकर शामिल हैं। अयहिका मुखर्जी, जो यूटीटी नीलामी में अनसोल्ड रहीं थीं, अब मनिका की जगह लेने जा रही हैं। उनके लिए यह एक बड़ा मौका होगा, लेकिन साथ ही मनिका जैसी स्टार खिलाड़ी की भरपाई करना उनके लिए एक बड़ी चुनौती भी होगी।

## गुकेश की जबरदस्त वापसी, राउंड 3 में हिकारू नाकामुरा को हराया

स्टावेंजर। विश्व चैंपियन गुकेश डोमरराजू ने नॉर्वे शतरंज 2025 के तीसरे राउंड में वर्ल्ड नंबर 2 हिकारू नाकामुरा को एक बराबरी के एंडगेम में हराकर शानदार वापसी की। शुरूआती दो राउंड में लगातार हार के बाद यह जीत भारतीय शतरंज सनसनी के लिए बेहद जरूरी और सुकून देने वाली रही, जिससे उन्होंने अपने खिताबी इरादों को फिर से मजबूत कर दिया। फबियानो कैरुआना ने भी पहले राउंड में हार के बाद जोरदार वापसी करते हुए लगातार दूसरी जीत दर्ज की। इस बार उन्होंने भारत के अर्जुन एरिगैसी को मात दी। इस जीत के साथ कैरुआना ने लाइव रेटिंग में अर्जुन से वर्ल्ड नंबर 3 की पोजिशन छीन ली है। वर्ल्ड नंबर 1 मैग्नस कार्लसन और वेई यी के बीच मुकाबला क्लासिकल गेम में ड्रॉ रहा। हालांकि कार्लसन ने ओपनिंग से थोड़ी बढ़त बनाई थी, लेकिन वेई यी की मजबूत डिफेंस के आगे वे कुछ खास हासिल नहीं कर सके। आमार्गेडन में वेई यी ने एक शानदार चाल चली और जटिल पोजिशन में कार्लसन से गलती करवा दी।

# कार्लोस अल्कराज तीसरे राउंड में पहुंचे, कैस्पर रूड बाहर

एजेंसी (हि.स.)
पेरिस

फोटोः हि.स.

फ्रेंच ओपन 2025 में बुधवार को टॉप सीड और डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने खतरनाक चुनौती पेश करने वाले हंगरी के अनसीडेड खिलाड़ी फैबियन मरोस्जन को 6-1, 4-6, 6-1, 6-2 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। वहीं दो बार के फाइनलिस्ट कैस्पर रूड को करारी हार का सामना करना पड़ा, जबकि इटली के लोरेन्जो मुसेट्टी ने शानदार जीत दर्ज की। स्पेनिश स्टार अल्कराज को दो साल पहले रोम में मरोस्जन ने चौंकाया था, लेकिन इस बार कोर्ट फिलिप शात्रिए पर हुए मुकाबले में 22 वर्षीय टॉप सीड ने शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। पहले सेट में उन्होंने 4-0 की बढ़त ली और 6-1 से सेट अपने नाम किया। हालांकि दूसरे सेट में मरोस्जन ने बेहतरीन ड्रॉप शॉट्स के दम पर वापसी की और 6-4 से सेट जीत लिया।

तीसरे सेट में अल्कराज ने फिर से अपना रंग जमाया और 6-1 से बढ़त बना ली। चौथे सेट में भले ही कुछ समय के लिए उनका खेल अस्थिर हुआ, लेकिन उन्होंने शानदार नेट वॉली के साथ 5-2 की बढ़त बनाई और अंततः मुकाबला अपने नाम किया। अब तीसरे दौर में अल्कराज का सामना जियोवानी मपेट्शी पेरीकार्ड या दामिर जुह्वार से होगा।

इटली के आठवीं सीड लोरेन्जो मुसेट्टी ने कोलंबिया के लकी लूजर डेनियल गालन को 6-4, 6-0, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई।



# वायरल हुआ नया फैशन ट्रेंड, डार्क सर्कल और 'स्ट्रेच मार्क' छिपाने के लिए टैटू गुदवा रहीं महिलाएं

आंखों के किनारे काले धब्बे (डार्क सर्कल) भला किसे अच्छे लगते हैं। कोई इनसे निजात पाने के लिए महंगे कॉस्मेटिक उत्पादों का सहारा लेता है तो कोई आलू के छिल्के रगड़ने जैसे घरेलू उपाय आजमाता है। हालांकि, ब्राजील में महिलाएं 'डार्क सर्कल' छिपाने के लिए सारी हदें पार कर दे रही हैं। वे आंखों के आसपास त्वचा की रंगत वाला टैटू गुदवा रही हैं, ताकि किसी को काले घेरों की भनक न लग पाए।

'डार्क सर्कल' पर पर्दा डालने वाली टैटू तकनीक ब्राजील के मशहूर टैटू कलाकार रोदोल्फो तोरिज के दिमाग की उपज है। वह टैटू गन की मदद से आंखों के किनारे ग्राहक की त्वचा से हूबहू मेल खाते रंग वाली खास स्याही का छिड़काव करते हैं। इससे 'डार्क सर्कल' तो ढक ही जाते हैं, साथ ही दाग-धब्बे और झुर्रियों के निशान भी सामने वाले को नजर नहीं आते।

रोदोल्फो के मुताबिक टैटू में इस्तेमाल स्याही त्वचा की बाहरी परत के नीचे जम जाती है। यह बाहरी परत और काले घेरों का सबब बनने वाले रसायनों के बीच एक दीवार की भूमिका निभाती है। इससे इन रसायनों का असर त्वचा पर नहीं उभर पाता और 'डार्क सर्कल' दूर रहते हैं।

रोदोल्फो ने दावा किया कि टैटू में इस्तेमाल स्याही पूरी तरह से सुरक्षित है। इससे लैस टैटू गुदवाने के लिए ग्राहक का महज एक बार पार्लर आना काफी है। हालांकि, उसे कुछ दिनों तक मेकअप से दूरी बनाए रखनी पड़ सकती है।

### 'स्ट्रेच मार्क' ढंकने वाली तकनीक भी पेश की

-रोदोल्फो इससे पहले 'स्ट्रेच मार्क' ढंकने वाली तकनीक ईजाद कर सुर्खियां बंटोर चुके हैं। दरअसल, पुरुषों को चर्बी के घटने-बढ़ने और महिलाओं को शिशु को जन्म देने के बाद अक्सर 'स्ट्रेच मार्क' उभरने की शिकायत सताती है। रोदोल्फो 'एयरगन' की मदद से 'स्ट्रेच मार्क' की धारियों को ग्राहक की त्वचा की रंगत वाली स्याही से भर देते हैं। इससे 'स्ट्रेच मार्क' त्वचा के रंग से इस कदर घुल जाते हैं कि उनकी भनक तक नहीं लगती।

### सोशल मीडिया पर छाने तो डिजिटल मेकअप का सहारा

-कोरोनाकाल में लोग न सिर्फ अपनों की झलक पाने, बल्कि ऑफिस की मीटिंग निपटाने के लिए भी वीडियो कॉल का सहारा ले रहे हैं। हालांकि, घर में लोगों का हर वक्त सजे-धजे रहने का मन नहीं करता। काम की व्यस्ता बढ़ने के कारण उनके पास मेकअप के लिए समय भी नहीं होता। ऐसे में एक अमेरिकी कंपनी ने 'वर्चुअल मेकअप' ऐप पेश किया है, जो चेहरे पर जंचने वाला मेकअप धारण कर वीडियो कॉल पर खुद को आकर्षक रूप में दर्शाने में मदद करेगा।

# दो साल से छोटे बच्चों को एंटीबायोटिक देना हो सकता है खतरनाक, शोध में दी गई चेतावनी

छींक आते ही बच्चों को एंटीबायोटिक खिलाने वाले मां-बाप जरा संभल जाएं। अमेरिका स्थित मेयो क्लीनिक के हालिया अध्ययन में उन बच्चों के आगे चलकर अस्थमा, एक्जीमा सहित अन्य एलर्जी का सामना करने की आशंका ज्यादा मिली है, जिन्हें दो साल से कम उम्र में ही एंटीबायोटिक दवाएं खिलाई जाने लगती हैं।

शोधकर्ता 14500 बच्चों की सेहत से जुड़े रिकॉर्ड का जायजा लेने के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं। इनमें से 70 फीसदी को दो साल से कम उम्र से ही एंटीबायोटिक खिलाना शुरू कर दिया गया था। उन्हें कम उम्र में एंटीबायोटिक के इस्तेमाल और लंबे समय तक परेशान करने वाली बीमारियों (अस्थमा, एक्जीमा, फ्लू, मोटापा, एकाग्रता में कमी, आक्रामता) के खतरे में सीधा संबंध देखने को मिला।

मुख्य शोधकर्ता नाथन ली ब्रेजर के मुताबिक एंटीबायोटिक का निर्माण बैड बैक्टीरिया से मुकाबले से किया गया है। हालांकि, अक्सर ये पेट और आंत में मौजूद गुड बैक्टीरिया को भी नष्ट कर देते हैं, जिससे हानिकारक संक्रमण से लड़ने की शरीर की क्षमता घटती है।

ब्रेजर ने यह भी कहा कि एंटीबायोटिक का काम बैक्टीरिया को मारना है। वायरस या फंगस से लड़ाई में इनकी कोई भूमिका नहीं होती। हालांकि, डॉक्टर वायरल संक्रमण के इलाज के लिए भी बड़े पैमाने पर एंटीबायोटिक दवाओं के सेवन का सुझाव देते हैं।

इससे हानिकारक बैक्टीरिया सुपरबग का रूप अख्तियार कर लेते हैं। यानी उनमें एंटीबायोटिक के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो जाती है। अध्ययन के नतीजे 'मेयो क्लीनिक प्रोसीडिंग्स' के एक अंक में प्रकाशित किए गए हैं।

# शोषितो वंचितों के कल्याण का काम कर रही भाजपा सरकार : रणबीर गंगवा

## समाज के लिए काम करने हेतु जज्बे वाले लोगों की जरूरत : गंगवा

संवाददाता
पंचकूला

हरियाणा के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि भाजपा सरकार हरियाणा में शोषित और वंचित समाज के कल्याणके लिए काम कर रही है। गंगवा बुधवार देर शाम पंचकूला के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में आयोजित भारतीय प्रजापति हीरोज ऑगेर्नाइजेशन के 12वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि समाज के लिए काम करने हेतु जज्बे वाले लोगों की आवश्यकता है। दिल में समाज के लिए जज्बा है तो चंद लोग भी बहुत बड़ा काम कर सकते हैं।

**समाज के संपन्न लोगों को जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आना ही चाहिएः गंगवा**

मंत्री गंगवा ने कहा कि विगत वर्षों के दौरान भारतीय प्रजापति हीरोज ऑगेर्नाइजेशन ने समाज के हित में अनेक कार्य किए हैं बहुत स्थान पर लोगों का सहयोग किया है इसके लिए उन्होंने ऑर्गनाइजेशन के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि समाज के संपन्न लोगों को जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आना ही चाहिए ताकि समाज का प्रत्येक व्यक्ति उन्नति करे।

मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि हमारे धर्म ग्रंथो में भी स्पष्ट लिखा है कि मानवता की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है। यदि हम संपन्न हैं तो जरूरतमंदों की सहायता के लिए हमें काम करना ही चाहिए। हम समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्माण करेंगे तो समझ भी आगे बढ़ेगा। इस मौके पर पूर्व आईपीएस डॉ. दलबीर भारती और भारतीय प्रजापति हीरोज ऑगेर्नाइजेशन के सभी पदाधिकारी और समाज के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

# एसडी कॉलेज में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हुआ कार्यक्रम

**युवाओं को तंबाकू और निकोटीन उत्पादों के हानिकारक प्रभावों के बारे में किया गया जागरुक**

संवाददाता
चंडीगढ़

विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2025 के उपलक्ष्य में सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में जनरेशन सेवियर एसोसिएशन (जीएसए), जीजीडीएसडी एलुमनाई एसोसिएशन (एसडीएएसी) और कॉलेज के विक्ट्री अगेंस्ट ड्रग एब्यूज (वाडा) क्लब के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से युवाओं में तंबाकू और निकोटीन उत्पादों के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आयोजित किया गया था। विश्व तंबाकू निषेध दिवस, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के नेतृत्व में एक वैश्विक अभियान है, जिसका इस साल का थीम है ₹ अनमास्किंग द अपीलः एक्सपोजिंग इंडस्ट्री टैकटिक्स आन टोबेको एंड निकोटीन प्रोडक्ट्स।₹

इस कार्यक्रम में ट्राईसिटी के 20 से अधिक स्कूलों ने हिस्सा लिया, जिनके स्टूडेंट्स ने पहले भी इसी विषय पर जीएसए द्वारा आयोजित 29वीं वार्षिक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लिया था। इसमें एक हजार से अधिक प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई थीं। कॉलेज के मिनी ऑडिटोरियम में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान चयनित विजेताओं और प्रतिभागियों को आमंत्रित किया गया और सम्मानित किया गया। प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि तंबाकू के सेवन के हानिकारक परिणामों के बारे में जागरूकता बढ़ाना न केवल एक स्वास्थ्य पहल है, बल्कि यह एक नैतिक जिम्मेदारी भी है। इस तरह के आयोजन हमारे युवाओं को सूचित निर्णय लेने और हानिकारक उद्योगों की भ्रामक रणनीति का विरोध करने के लिए सशक्त बनाते हैं।

इस कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और ट्राईसिटी से आए गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य और युवा सशक्तिकरण के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इनमें तंबाकू नियंत्रण, दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र, वाइटल स्ट्रैटेजीज के डॉयरेक्टर डॉ. राणा जे. सिंह और पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के प्रेसिडेंट एडवोकेट सरतेज सिंह नरूला शामिल थे। जीजीडीएसडी एलुमनाई एसोसिएशन (एसडीएएसी), समाज को वापस देने के लिए प्रतिबद्ध पूर्व छात्रों के समूह, ने इस उद्देश्य का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपने आउटरीच और सामाजिक पहलों के माध्यम से, संगठन लगातार एक स्वस्थ और अधिक जागरूक समुदाय की वकालत करता है।कॉलेज का विक्ट्री अगेंस्ट ड्रग एब्यूज (वाडा) क्लब, नशा-मुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए पूरे साल सक्रिय रूप से काम करता है। यह क्लब छात्रों के बीच मादक द्रव्यों के सेवन को खत्म करने के उद्देश्य से अभियान, कार्यशालाओं और सहकर्मी शिक्षा कार्यक्रमों में शामिल होता है।

## संक्षिप्त-समाचार

### कटारिया ने श्री गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी दिवस पर उनकी शिक्षाओं का अनुसरण करने का नागरिकों से किया आह्वान

**चंडीगढ़।** पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने सिखों के पांचवें गुरू श्री गुरु अर्जुन देव जी के शहादत दिवस की पूर्व संध्या पर प्रदेशवासियों को गुरु जी की शिक्षाओं और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का आह्वान किया है। अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा कि गुरु जी ने धर्म, मानवता, समानता और भाईचारे जैसे समृद्ध मूल्यों की रक्षा हेतु अपना सर्वोच्च बलिदान दिया] जो सदैव हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि गुरु जी द्वारा संकलित आदि ग्रंथ, श्री गुरु ग्रंथ साहिब, आज भी मानवता के लिए ज्ञान, शांति और समरसता का शाश्वत प्रकाश स्तंभ है। यह ग्रंथ पूरी मानवता को शांति, समृद्धि और सर्वधर्म समभाव पर आधारित समाज के निर्माण की राह दिखाता है। राज्यपाल कटारिया ने गुरु जी की शिक्षाओं की सराहना करते हुए कहा कि उनका बलिदान धर्म और सत्य की रक्षा के लिए था और उन्होंने जनता से अपील की कि वे श्री गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी दिवस को परस्पर सौहार्द, सहिष्णुता और मानवता की भावना के साथ मनाएं और उनके दिखाए मार्ग पर चलकर एक शांतिपूर्ण और समरस समाज के निर्माण में अपना योगदान दें।

### श्री 1008 महंत नारायण दास जी के जन्मदिन पर सुंदरकांड पाठ उपरांत लगाई गई ठंडे मीठे पानी की छबील

कालका। गांव टगरा हकीमपुर कालका स्थित श्री बावा लाल दयाल जी मंदिर में मंदिर कमेटी की ओर से दूज एवं श्री 1008 महंत नारायण दास जी के जन्मदिन पर सुंदरकांड का पाठ किया गया। उस उपरांत राहगीरों के लिए ठंडे मीठे पानी की छबील लगाई गई, साथ में हलवा-काले चने का प्रसाद वितरण किया गया। इस बारे में मंदिर कमेटी की ओर से प्रधान गुलशन राय ने बताया की गर्मियों में पानी पिलाना बहुत बड़ा पुण्य का काम है। इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है, खास तौर पर उत्तर भारत के मैदानी राज्यों में गर्मी का प्रकोप बहुत अधिक है। ऐसे में आम लोगों को पानी पिलाना हमारा फर्ज और कर्तव्य है। मंदिर कमेटी की ओर से गुलशन राय, लाल चंद, रूपेंद्र दत्ता, सुशील कुमार, दुग्गल, सुशील शर्मा, हेमंत शर्मा, प्रदीप शर्मा व अन्य सेवादार विजय कुमार चौबे, हन्नी, आयुष आदि ने अपना भरपूर सहयोग दिया। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोगों ने आकर छबील पर पानी पिया, तथा प्रसाद ग्रहण किया और इस पुण्य कार्य के लिए मंदिर कमेटी की सराहना की।

### भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, यूटी चंडीगढ़ शाखा द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

**चंडीगढ़।** भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, यूटी शाखा चंडीगढ़ ने जीएमसीएच-32 के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग के सहयोग से आज सेक्टर 22 स्थित पशु चिकित्सालय में सफलतापूर्वक एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर का उद्घाटन नवीन, एसडीएम (सेंट्रल)-कम-निदेशक, पशुपालन, चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा किया गया। रेड क्रॉस सोसायटी, यूटी चंडीगढ़ की नोडल अधिकारी, सुश्री पूनम मलिक ने सोसायटी द्वारा संचालित विभिन्न रक्तदान अभियानों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष अब तक कुल 9 रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया है, जिनमें 800 से अधिक यूनिट रक्त एकत्र किया गया। शिविर को उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली, जिसमें 65 से अधिक यूनिट रक्त एकत्र किया गया। डॉ. अश्वनी, संयुक्त निदेशक, एवं पशुपालन विभाग के स्टाफ सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लेते हुए इस मानवीय कार्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई। विश्वास फाउंडेशन ने रक्तदाताओं के लिए जलपान की व्यवस्था कर इस आयोजन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, यूटी शाखा चंडीगढ़, सभी रक्तदाताओं, विश्वास फाउंडेशन और उन गणमान्य व्यक्तियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करती है, जिनके सहयोग से यह पुनीत कार्य संभव हो सका।

### डीएलएसए पंचकूला द्वारा 'साथी' अभियान का शुभारंभ

**पंचकूला।** अपर्णा भारद्वाज, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट-सह-सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), पंचकूला ने बताया कि हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शों के अनुपालन में, 'साथी' अभियान के तहत एक जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है-आधार के लिए सर्वेक्षण और ट्रैकिंग और समग्र समावेशन तक पहुंच। भारद्वाज ने कहा कि इस अभियान का प्राथमिक उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक निराश्रित बच्चे की कानूनी पहचान हो और बुनियादी अधिकारों और सरकारी कल्याण योजनाओं तक उसकी पहुंच हो। अभियान का ध्यान निराश्रित बच्चों के आधार कार्ड के लिए नामांकन, कानूनी सहायता के प्रावधान और बच्चों को विभिन्न सहायता सेवाओं से जोड़ने पर है। पंचकूला में इस अभियान के लिए गठित जिला स्तरीय समिति की अध्यक्षता सुश्री अपर्णा भारद्वाज, सीजेएम-सह-सचिव, डीएलएसए पंचकूला कर रही हैं। कालका और पंचकूला के तहसीलदार; जिला बाल संरक्षण अधिकारी (डीसीपीओ); जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ); जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी; बाल निकेतन की प्रतिनिधि सुश्री श्वेता गुप्ता और सुश्री ज्योति; शिशु गृह की प्रतिनिधि सुश्री मिलन पंडित और सुश्री अमृतपाल कौर; और आशियाना की प्रतिनिधि सुश्री ब्लेसी। पैनल अधिवक्ता सुश्री सुमिता वालिया, श्री योगिंदर वर्मा, सुश्री सोनिया सैनी और श्री बृज भूषण के साथ-साथ पैरा लीगल वालंटियर्स (पीएलवी) सुश्री वीना, सुश्री पिंकी, श्री अशोक और श्री महेश। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विस्तृत सर्वेक्षण कार्यक्रम तैयार किया गया है। देखभाल, संरक्षण और आधिकारिक दस्तावेज की जरूरत वाले बेसहारा बच्चों तक पहुंचने के लिए पहचाने गए क्षेत्रों में सर्वेक्षण किया जाएगा। इस संबंध में डीएलएसए, पंचकूला की सहायता प्राप्त करने के इच्छुक कोई भी व्यक्ति हेल्पलाइन नंबर_ पर कॉल कर सकता है विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला न्यायालय परिसर, सेक्टर-1 पंचकूला डीएलएसए हेल्पलाइन नंबर 0172-2585566 या टोल फ्री नंबर 15100 पर कॉल कर सकते हैं। सुश्री भारद्वाज ने इस बात पर जोर दिया कि साथी अभियान यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है कि पहचान दस्तावेजों के अभाव में कोई भी बच्चा आवश्यक सेवाओं से वंचित न रहे।